THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 212 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.7 2082 बुधवार, 29 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ईरान में बंधक बने चार युवाओं की वतन वापसी

गांधीनगर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के गांधीनगर जिले के मानसा तालुका के बापुपुरा गांव के चार युवक-युवती जो ईरान में बंधक बनाए गए थे, आखिरकार सुरक्षित रूप से भारत लौट आए हैं। ये सभी युवक ऑस्ट्रेलिया जाने की कोशिश में मानव तस्करों के जाल में फंस गए थे। विदेश में हुए इस अपहरण मामले ने गुजरात में हड़कंप मचा दिया है और अब पुलिस इसकी गहराई से जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ितों में अजयकुमार कांतिभाई चौधरी (31), प्रियाबेन अजयकुमार चौधरी (25), अनिलकुमार राघजीभाई चौधरी (35) और निखिलकुमार रमणभाई चौधरी (28) शामिल हैं। ये चारों 19 अक्टूबर को मानसा से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे और फिर बैंकॉक व दुबई होते हुए एमिरेट्स एयरलाइंस से तेहरान पहुंचे।

चक्रवात मोंथा 100 की स्पीड से आंध्र तट से टकराया

अमरावती, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चक्रवात 'मोंथा' आंध्र प्रदेश के तट से टकरा गया है। मौसम विभाग के अनुसार, यह लैंडफॉल काकीनाडा के आसपास हुआ, जहां हवा की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई। तटीय जिलों में भारी बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी है, जबकि उत्तरी आंध्र प्रदेश में फ्लैश फ्लड्स और एक मीटर तक स्टॉर्म सर्ज की संभावना जताई गई है। इसलिए प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और आपात सेवाओं को अलर्ट पर रखा है।

चक्रवात 'मोंथा' का लैंडफॉल शुरू :

चक्रवात 'मोंथा' का लैंडफॉल शुरू हो गया है और यह प्रक्रिया 3 से 4 घंटे तक जारी था। मौसम विभाग के अनुसार, तूफान आंध्र प्रदेश के काकीनाडा के आसपास तट को पार कर दिया है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जिससे तटीय जिलों में भारी बारिश और समुद्र में ऊंची लहरों का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और आपात सेवाओं को अलर्ट पर रखने के निर्देश दिए हैं।

क्या है मोंथा चक्रवात :

पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी से उठा भीषण चक्रवाती तूफान मोंथा 90 से 100 किलोमीटर की रफ्तार के साथ आंध्र तट से टकरा गया है। अगले तीन घंटे यह तूफान आंध्र तट से धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा। मंगलवार दोपहर में यह तूफान मछलीपट्टनम से करीब 100 किलोमीटर और काकीनाडा से 180 किलोमीटर दूर था। शाम इसमें रफ्तार पकड़ते हुए आंध्र तट को छू लिया। थाई भाषा में 'मोंथा' का मतलब सुगंधित फूल होता है। लेकिन ये कोई सुगंधित फूल नहीं बल्कि खतरनाक चक्रवात है।

क्या असर होगा :

आंध्र प्रदेश के काकीनाडा से होता हुआ तूफान आगे बढ़ेगा। इसके असर से दक्षिण बंगाल के उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, झारग्राम, पुरुलिया, पूर्व और पश्चिम बर्धमान, बीरभूम और मुर्शिदाबाद जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है। उप-हिमालयी जिलों दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार में एक या दो स्थानों पर शुक्रवार को बहुत भारी वर्षा (7 से 20 सेमी) होने का अनुमान है।

8वें वेतन आयोग की शर्तों को मंजूरी

> 50 लाख कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनरों को फायदा होगा

> एक जनवरी से लागू हो सकता है

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को 8वें वेतन आयोग की टर्म एंड कंडीशन को मंजूरी दे दी। इससे 50 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनधारियों को फायदा होगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आयोग अपनी सिफारिशें 18 महीनों में देगा। इसकी सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू होने की संभावना है। आयोग में एक अध्यक्ष, एक अंशकालिक (पार्ट-टाइम) सदस्य और एक सदस्य-सचिव शामिल होंगे। इस आयोग की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजन प्रकाश देसाई करेंगी।

सरकार ने जनवरी 2025 में 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के वेतन और भत्तों की समीक्षा करना तथा उनमें संशोधन के लिए सिफारिशें देना है। कैबिनेट मीटिंग में रबी सीजन के लिए खाद पर 37,952 करोड़ रुपये की सब्सिडी को भी मंजूरी दी गई। सरकार का कहना है कि इससे किसानों को सस्ती दरों पर उर्वरक उपलब्ध होंगे।

8वें वेतन आयोग में सैलरी कितनी बढ़ सकती है :

बेसिक सैलरी में कितनी बढ़ोतरी होगी, ये फिटमेंट फैक्टर और डीए मर्जर पर निर्भर करता है। 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 था। 8वें में ये 2.46 हो सकता है। हर वेतन आयोग में डीए जीरो से शुरू होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि नई बेसिक सैलरी पहले से ही महंगाई को ध्यान में रखकर बढ़ाई जाती है। इसके बाद डीए फिर से धीरे-धीरे बढ़ता है।

अभी डीए बेसिक पे का 55 प्रतिशत है। डीए के हटने से टोटल सैलरी (बेसिक + डीए + एचआरए) में बढ़ोतरी थोड़ी कम दिख सकती है, क्योंकि 55 प्रतिशत डीए का हिस्सा हट जाएगा।

महागठबंधन का घोषणा पत्र 20 साल में हुए धोखे को सुधारने का रास्ता : पवन खेड़ा

पटना, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने मंगलवार को दावा किया है कि 20 साल में एनडीए ने जनता को सिर्फ धोखा दिया है। इस बिहार चुनाव में महागठबंधन का घोषणा पत्र जनता के साथ हुए धोखे को सुधारने का रास्ता होगा।

बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के चुनावी अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 29 अक्टूबर को बिहार आ रहे हैं। इसके बाद सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कई कार्यक्रम तय हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को 'जननायक' कहे जाने पर उपजे विवाद पर खेड़ा ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर से कोई मुकाबला नहीं है, वह देश के महान नेता हैं। हम उनसे कोई तुलना नहीं कर रहे। यह विवाद पैदा करने की कोशिश भाजपा करती है। भाजपा के पास दूसरा मुद्दा नहीं है। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि हर जगह विवाद करना भाजपा के वैचारिक दिवालियापन को दिखाता है। उनके पास कुछ ठोस नहीं है, सिर्फ संकीर्णता है। केंद्रीय मंत्री किरेण रिजिजू के तेजस्वी यादव पर दिए बयान पर खेड़ा ने कहा कि जो ये कह रहा है, वो खुद अपरिपक्व हैं।

'हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ताकत का विस्तार करेगा भारत'

> नौसेना प्रमुख बोले-50 देश जोड़ने का लक्ष्य

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में आयोजित इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग के दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने भारत की समुद्री रणनीति और भविष्य की दिशा पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका केवल एक समुद्री शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि साझेदारी, सहयोग और स्थिरता के केंद्र के रूप में विकसित हो रही है। एडमिरल त्रिपाठी ने बताया कि भारत 2028 तक लगभग 50 इंटरनेशनल लॉजिस्टिक्स ऑफिसर्स को जोड़ने की क्षमता विकसित करेगा।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि भारत का उद्देश्य हर क्षेत्र या देश की विशिष्ट जरूरतों के अनुरूप योजनाएं बनाना है। उन्होंने कहा कि क्षमता निर्माण का मतलब सिर्फ जहाजों, बंदरगाहों या औद्योगिक ढांचे से नहीं है, बल्कि यह किसी राष्ट्र की समुद्र में उपस्थिति बनाए रखने की योग्यता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बंदरगाहों, एयरफ्रेम्स, लॉजिस्टिक चेन और औद्योगिक पारिस्थितिक तंत्र के जरिए भारत न केवल अपनी, बल्कि क्षेत्रीय साझेदारों की भी क्षमता बढ़ाने में मदद करेगा।

सूचना साझेदारी को नई दिशा :

नौसेना प्रमुख ने कहा कि इंटरऑपरेबल कम्युनिकेशन और सूचना साझा करने की प्रणाली क्षमता निर्माण का अहम हिस्सा है। उन्होंने बताया कि भारतीय नौसेना ने 'निशार मित्रा' नामक टर्मिनल तैयार किया है, जिसके माध्यम से मित्र देशों के साथ सूचनाओं और खुफिया जानकारियों का आदान-प्रदान किया जा सकेगा। यह प्रणाली हिंद-प्रशांत में सामूहिक सुरक्षा और सहयोग को मजबूत करेगी।

नई सोच की आवश्यकता :

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि असली ताकत केवल साधनों में नहीं, बल्कि उनके उपयोग के तरीके में होती है। उन्होंने कहा कि हमें प्लेटफॉर्म-केन्द्रित सोच से निकलकर उद्देश्य-केन्द्रित सोच अपनानी होगी। इसके लिए आधुनिक डॉक्ट्रिन, लचीले प्रशिक्षण और बेहतर इंटरऑपरेबिलिटी की जरूरत है, ताकि क्षेत्रीय नौसेनाएं संकट के समय एक इकाई की तरह काम कर सकें।

संघ की गतिविधियों पर रोक लगाने की कर्नाटक सरकार की कोशिशों को झटका

> हाईकोर्ट ने आदेश पर लगाई रोक

बेंगलूरू, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को झटका देते हुए उसके एक आदेश पर रोक लगा दी है। दरअसल इस आदेश के तहत कर्नाटक सरकार ने निजी संगठनों को सरकारी परिसरों और सार्वजनिक जगहों, सड़कों आदि पर कोई भी कार्यक्रम आयोजित करने से प्रशासन की मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया था। कर्नाटक सरकार के इस आदेश को संघ की गतिविधियों को राज्य में बाधित करने के तौर पर देखा जा रहा था। हालांकि अब कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने इस आदेश पर रोक लगा दी है। राज्य सरकार के आदेश के खिलाफ 'पुनशचैतन्य सेवा समस्थे' नामक संगठन ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस नागप्रसन्ना की एकल पीठ ने राज्य सरकार के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए मामले की सुनवाई 17 नवंबर तक टाल दी है। याचिका दायर करने वाले संगठन की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील अशोक हरनहल्ली ने सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य सरकार का आदेश संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध जैसा है। वकील ने कहा कि सरकार का आदेश है कि 10 से ज्यादा लोगों को भी इकट्ठा होने के लिए सरकार की मंजरी लेनी होगी। यह संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध जैसा है। यहां तक कि अगर किसी पार्क में कोई समारोह होता है तो सरकार के इस आदेश के अनुसार, वह भी अवैध होगा।

पहली बार भारत में बनेगा यात्री विमान

रूसी कंपनी के साथ एचएएल करेगा एसजे-100 जेट का निर्माण, ट्रंप को एक और झटका

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में पहली बार यात्री विमान बनने का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने रूसी कंपनी यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) के साथ करार किया है।

ये दोनों एयरोस्पेस कंपनियां मिलकर भारत में ही एसजे-100 जेट बनाएंगे। दोनों कंपनियों ने इसके लिए मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। रूस और भारत के बीच यह नया करार, अमेरिका के लिए एक और झटके से कम नहीं है।

उड़ान योजना के लिए गेमचेंजर होगा एसजे-100 :

एसजे-100 जेट दो इंजनों वाला विमान है। यह एक नैरो-बॉडी एयरक्राफ्ट है, जिसे आज की तारीख में 16 से ज्यादा कमर्शियल एयरलाइन ऑपरेट कर रहे हैं। अबतक 200 से ज्यादा एसजे-100 यात्री विमानों का निर्माण हो चुका है। एचएएल का कहना है कि यह विमान भारत में उड़ान योजना के तहत कम दूरी की कनेक्टिविटी के लिए एक गेम चेंजर साबित होने वाला है। करार के तहत एचएएल को घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एसजे-100 जेट बनाने का अधिकार हासिल होगा।

दोनों कंपनियों में भरोसे का नतीजा :

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड का कहना है कि उसके और रूसी कंपनी यूएसी के बीच यह समझौता दोनों संगठनों के आपसी भरोसे का नतीजा है। यह पहला मौका भी होने जा रहा है, जब भारत में एक पूर्ण यात्री बनाया जाएगा।

ऐसा आखिरी प्रोजेक्ट एचएएल का ही एवीआरओ एचएस-748 का उत्पादन था। यह 1961 में शुरू हुआ था और 1988 में खत्म हो गया।

करीब 450 एसजे-100 जेट की जरूरत :

बताया गया है कि भारतीय एविएशन सेक्टर को आने वाले 10 वर्षों में इस तरह के नैरो-बॉडी वाले 200 से ज्यादा यात्री विमानों की जरूरत पड़ने का अनुमान है, जो रीजनल कनेक्टिविटी की आवश्यकताएं पूरी करेंगे। वहीं हिंद महासागर वाले नजदीकी देशों में अंतर्राष्ट्रीय टूरिस्ट डेस्टिनेशन के लिए अतिरिक्त 350 विमानों की भी जरूरत पड़ेगी।

'आत्मनिर्भर भारत' के लिए बड़ा कदम :

एचएएल की ओर से कहा गया है कि एसजे-100 एयरक्राफ्ट का निर्माण भारतीय एविएशन इंडस्ट्री के इतिहास में एक नए अध्याय का आरंभ है। यह नागरिक उड्डयन क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में बहुत बड़ा कदम है। इससे निजी क्षेत्र भी मजबूत होंगे और इस क्षेत्र में सीधे और परोक्ष रोजगार भी पैदा होंगे।

भारत में बनेगा राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा केंद्र

> विमान हादसों की जांच में होगा सुधार

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत विमान दुर्घटना जांचकर्ताओं और विमानन पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के लिए एक राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा केंद्र करने जा रहा है। सरकार ने देश में राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा केंद्र स्थापित करने की घोषणा की है। इस केंद्र में वैमानिक पेशेवरों और विमान दुर्घटना जांचकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह केंद्र वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं पर आधारित होगा और अपने तरह का पहला संस्थान होगा। नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने मंगलवार को बताया कि देश में नियामक और जांच भूमिकाओं में काम करने वाले पेशेवरों की संख्या दोगुनी की जा रही है। यह पहल विश्वस्तरीय सुरक्षा ढांचा और मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में एक दीर्घकालिक दृष्टि है।

विमान सुरक्षा सभी की साझा जिम्मेदारी है। सिन्हा दिल्ली में शुरू हुई 13वीं एशिया-पैसिफिक एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ग्रुप बैठक के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। भारत पहली बार इस बैठक की मेजबानी कर रहा है, जिसमें विमान हादसों के करीब 90 जांच विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। उद्घाटन के दौरान प्रतिभागियों ने अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे में मारे गए 260 लोगों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा। इस हादसे की जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) कर रहा है। एएआईबी के महानिदेशक जीवीजी युगंधर ने बताया कि सभी देशों के सामने प्रशिक्षित जांचकर्ताओं की कमी बड़ी चुनौती है। भारत के पास उन्नत एयरोस्पेस और सामग्री परीक्षण प्रयोगशालाएं हैं, जिनकी मदद अन्य देशों को भी दी जा सकती है।

तूफान ने बिगाड़ा ट्रेन-फ्लाइट शेड्यूल : रेलवे ने यात्रियों को भेजा अलर्ट कई उड़ानें प्रभावित

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने भी चक्रवात मोंथा को लेकर कमर कस ली है। रेलवे ने ट्रेनों को सुरक्षित चलाने को लेकर एक अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को रेल मंत्री ने साइक्लोन की समीक्षा की और संबंधित जोनों को निर्देश जारी किए। मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कई तटीय राज्यों में भारी से भारी बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है।

मोंथा तूफान के कारण विमान सेवाओं पर भी असर पड़ा है। मंगलवार पूरे दिन विशाखापट्टनम में उड़ानों का संचालन बंद रहेगा। राजमंड्री और विजयवाड़ा में उड़ानों का संचालन बंद रहेगा। रेल मंत्री ने साइक्लोन मोंथा को लेकर रेलवे को पूर्वी तट पर सावधानी बरतने के निर्देश दिए है। मंत्री ने खासकर आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना राज्यों के रेलवे अधिकारियों अलर्ट रहने का निर्देश दिया है।

अगर हम अपने डॉक्टरों का ध्यान नहीं रखेंगे तो समाज हमें माफ नहीं करेगा

शीर्ष कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समाज न्यायपालिका को माफ नहीं करेगा, अगर वह डॉक्टरों का ख्याल नहीं रखती है और उनके साथ खड़े नहीं होती है। शीर्ष कोर्ट ने मंगलवार को एक याचिका पर फैसला सुरक्षित रखते हुए यह टिप्पणी की। याचिका निजी क्लीनिक, डिस्पेंसरी और गैर-मान्यता प्राप्त अस्पतालों में कोविड-19 से लड़ते हुए अपनी जान गंवाने वाले डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को बीमा पॉलिसी में शामिल न करने के खिलाफ याचिका दायर की गई थी।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि बीमा कंपनियां वैध दावों का निपटारा करें। बेंच ने आगे कहा कि यह धारणा सही नहीं है कि निजी अस्पतालों के डॉक्टर केवल लाभ कमाने के लिए काम कर रहे थे। बेंच ने मौखिक रूप से कहा, अगर आपके अनुसार यह शर्त पूरी होती है कि वे (निजी डॉक्टर आदि) कोविड प्रतिक्रिया में थे और कोविड के कारण उनकी मृत्यु हुई, तो आपको बीमा कंपनी को भुगतान करने के लिए बाध्य करना चाहिए। केवल इसलिए कि वे सरकारी सेवा में नहीं थे और यह सोचना कि वे मुनाफा कमा रहे थे और इसलिए बैठे थे, सही नहीं है।

शीर्ष कोर्ट ने केंद्र सरकार को प्रधानमंत्री बीमा योजना के अलावा अन्य समान या समांतर योजनाओं के बारे में प्रासंगिक आंकड़े और जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बेंच ने कहा, हमें आंकड़ों और अन्य समांतर योजनाओं की जानकारी दीजिए जो प्रधानमंत्री बीमा योजना के अलावा उपलब्ध हैं। हम एक नियम तय करेंगे और उसके आधार पर बीमा कंपनी से दावे किए जा सकते हैं। हमारे फैसले के आधार पर बीमा कंपनी विचार करेगी और आदेश पारित करेगी।

कोर्ट प्रदीप अरोड़ा और अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। याचिका में बॉम्बे हाईकोर्ट के नौ मार्च 2021 के फैसले को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट के फैसले में कहा गया था कि निजी अस्पताल के कर्मचारी को तब तक बीमा योजना के तहत लाभ नहीं मिल सकता, जब तक राज्य या केंद्र सरकार की ओर से उनकी सेवाएं न मांगी गई हों।

राफेल जेट में उड़ान भरेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अंबाला के एयर फोर्स स्टेशन पर पहली बार पहुंचेंगी। इसको लेकर एयरफोर्स स्टेशन पर सभी तैयारियां हो चुकी हैं। राष्ट्रपति के आधिकारिक प्रवक्ता ने यह भी बताया है कि राष्ट्रपति मुर्मू अंबाला एयरबेस से ही लड़ाकू विमान राफेल में उड़ान भरने वाली हैं। इससे पहले वह सुखोई फाइटर जेट में भी उड़ान भर चुकी हैं।

राफेल लड़ाकू जेट में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ऐतिहासिक उड़ान को भारतीय वायुसेना के लिए गर्व और देश की महिलाओं के लिए प्रेरणा के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने 8 अप्रैल 2023 को असम के तेजपुर एयरबेस पर सुखोई-30 एमकेआई में उड़ान भरी थी। सुखोई एमकेआई में उड़ान भरने के दो साल बाद वह एक बार फिर फाइटर जेट की सीट संभालेंगी, जो भारत की रक्षा शक्ति का प्रतीक है।

भारत 2050 तक बनेगा सोलर एनर्जी का ग्लोबल हब : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

> इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग को देगा बढ़ावा

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि 2050 तक भारत न केवल अपने क्लीन एनर्जी टारगेट्स को पूरा करना चाहता है, बल्कि एक ऐसा हब भी बनना चाहता है जो ग्लोबल सोलर मांग को एकीकृत करे और इनोवेशन, मैन्युफैक्चरिंग और नॉलेज के आदान-प्रदान को बढ़ावा दे।

राष्ट्रीय राजाधानी में भारत मंडपम में इंटरनेशनल सोलर एलायंस (आईएसए) की असेंबली के आठवें सत्र को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत एक ग्लोबल सोलर एनर्जी हब बनने की राह पर है। उन्होंने समय से पहले रिन्यूएबल एनर्जी टारगेट्स को प्राप्त करने में देश की प्रगति पर प्रकाश डाला और ग्लोबल सोलर डिमांड को एकीकृत करने और क्लीन एनर्जी इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए एक दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की। राष्ट्रपति ने कहा कि आईएसए मानवता की साझा आकांक्षा का प्रतीक है, जिसमें समावेशिता, सम्मान और सामूहिक समृद्धि के स्रोत के रूप में सोलर एनर्जी का उपयोग करना शामिल है।

राष्ट्रपति ने सभी सदस्य देशों से इन्फ्रास्ट्रक्चर से आगे सोचने और लोगों के जीवन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस असेंबली को एक सामूहिक कार्य योजना विकसित करनी चाहिए जो सोलर एनर्जी को रोजगार सृजन, महिला नेतृत्व, ग्रामीण आजीविका और डिजिटल समावेशन से जोड़े। राष्ट्रपति ने कहा, हमारी प्रगति केवल मेगावाट से नहीं, बल्कि रोशन हुए जीवन, मजबूत हुए परिवारों और समुदायों में आए बदलाव से भी मापी जानी चाहिए। टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट और अधिकतम लाभ के लिए नवीनतम और उन्नत तकनीकों को सभी के साथ साझा करने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहा है। इस खतरे से निपटने के लिए तत्काल और ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है और दृढ़ संकल्पित कदम उठा रहा है।

नगालैंड में तीन सदस्यों के परिवार की हत्या

> दो नाबालिग भी शामिल > आरोपी भाई ने किया आत्मसमर्पण

कोहिमा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। नगालैंड के निउलैंड जिले में एक ही परिवार को तीन सदस्यों की कथित तौर पर हत्या कर दी गई है। इसमें दो नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

आरोपी ने ग्राम परिषद के सामने किया आत्मसमर्पण

पुलिस के मुताबिक, अशातुल (35 वर्षीय) और उनके दो बच्चों (12 साल की बेटी और छह साल का बेटा) की उनके भाई अब्दुल गोफुर ने सोमवार को कथित तौर पर हत्या की।

आरोपी ने अपराध करने के बाद इस्तेमाल किए गए हथियारों के साथ खुद ही ग्राम परिषद (काउंसिल) के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने कहा कि इस हत्याकांड के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चला है और आरोपी को आगे की जांच के लिए पुलिस हिरासत में लिया गया है।

युवती की हत्या की जांच के लिए एसआईटी गठित

इसी बीच, रविवार को कोहिमा की ओल्ड मिनिस्टर्स हिल के पास एक युवती (22 वर्षीय) की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। युवती एक मशहूर बास्केटबॉल खिलाड़ी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, उसे पिछली रात यानी शनिवार को आखिरी बार देखा गया था। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया और अपराध की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। वहीं, नगालैंड राज्य महिला आयोग (एनएससीडब्ल्यू) ने मामले का संज्ञान लिया। विभिन्न नागरिक संगठनों ने इस हत्याकांड की निंदा की है।

हिट-एंड-रन मामले में दो की मौत से ग्रामीणों में आक्रोश

एक अन्य घटना में शनिवार की देर रात लोंगलेंग के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-702बी पर औचिंग गांव में दो पुरुषों की संदिग्ध हिट-एंड-रन मामले में मौत हो गई। सूत्रों के मुताबिक, पीड़ित अपने घर लौट रहे थे, तभी उन्हें एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस घटना के बाद क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। ग्रामीणों ने तत्काल न्याय और दोषियों को जिम्मेदार ठहराने की मांग की।

कैमोफ्लेज कपड़े पहनना प्रतिबंधित

अरुणाचल प्रदेश के तिराप जिला प्रशासन ने मंगलवार को कहा कि शिकार और मछली पकड़ने जैसी गतिविधियों के दौरान आम लोगों के लिए कैमोफ्लेज (जंगल या प्राकृतिक वातावरण के रंग और पैटर्न वाले) या सैन्य पैटर्न वाले कपड़े पहनना तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

तिराप के उपायुक्त टेचु अरन की ओर से जारी आदेश में कहा गया, जंगल में कैमोफ्लेज कपड़े पहनने से रक्षा बलों द्वारा गलत पहचान होने का खतरा बढ़ सकता है, खासकर तिराप, चांगलांग, लोंगडिंग और नामसाई जिलों के जंगलों के आस-पास बढ़ती उग्रवादी गतिविधियों के बीच। केवल ड्यूटी पर मौजूद अधिकृत सुरक्षा कर्मियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को शिकार या मछली पकड़ने के दौरान कैमोफ्लेज कपड़े पहनने या हथियार रखने की अनुमति नहीं होगी। सोमवार को जारी आदेश में यह भी कहा गया कि सूर्यास्त के बाद आम लोगों का जंगल में शिकार या मछली पकड़ने के लिए प्रवेश निषेध है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया कि जो भी व्यक्ति आदेश का उल्लंघन करेगा, उस पर कानून के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चोरों के निशाने पर है चर्चित सियासी परिवार

पूर्व मंत्री के घर पर चोरी; बहू भी बनी थीं निशाना

मुंबई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में एक सियासी परिवार इस वक्त चोरों के निशाने पर है। मामला है पूर्व मंत्री और राकांपा (शरद पवार गुट) के नेता एकनाथ खडसे और उनके परिवार का। दरअसल, चोरों ने उनके जलगांव जिले में स्थित बंगले में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है।

अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि जलगांव के रामानंद नगर स्थित खडसे के बंगले में काम करने वाले एक कर्मचारी ने मंगलवार सुबह ताला टूटा पाया और घर का सामान बिखरा देखा। उसने तुरंत खडसे और पुलिस को सूचना दी। रामानंद नगर पुलिस थाने की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, यह मकान बंद था क्योंकि खडसे मुख्य रूप से जलगांव जिले के मुक्ताईनगर क्षेत्र में रहते हैं। गौरतलब है कि इसी महीने की शुरुआत में एकनाथ खडसे की पुत्रवधू और केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे के मालिकाना हक वाले मुक्ताईनगर के एक पेट्रोल पंप में भी चोरी की घटना हुई थी। पेट्रोल पंप पर सशस्त्र बदमाशों ने धावा बोल दिया। देर रात हुई इस वारदात में पांच बाइक सवार लुटेरों ने बंदूक की नोक पर लाखों रुपये की नकदी और अन्य सामान लूट लिया। भागते समय चोरों ने पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे और अन्य उपकरणों में भी तोड़फोड़ की। साथ ही कर्मचारियों को भी मारा-पीटा।

ब्राजीली मॉडल से घर में घुसकर छेड़छाड़

ब्लिंकिट डिलीवरी एजेंट गिरफ्तार

बंगलूरू, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। बंगलूरू पुलिस ने ब्लिंकिट डिलीवरी एजेंट को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि डिलीवरी एजेंट ने बंगलूरू के आरटी नगर इलाके में एक ब्राजीली मॉडल से घर में घुसकर छेड़छाड़ की। घटना 17 अक्तूबर की है, लेकिन 25 अक्तूबर को इसकी शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके बाद आरोपी डिलीवरी एजेंट को गिरफ्तार कर लिया गया।

ब्लिंकिट पर ऑर्डर खाना देने आया था आरोपी

आरोपी की पहचान कुमार राव पवार के रूप में हुई है, जो आरटी नगर का निवासी है और बंगलूरू के एक निजी कॉलेज से पढ़ाई कर रहा है। साथ ही वह पार्ट टाइम डिलीवरी एजेंट के तौर पर भी काम करता है। पीड़ित ब्राजीली मॉडल जिस नियोक्ता के लिए काम करती है, उसने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, पीड़िता दो अन्य मॉडल्स के साथ बंगलूरू के आरटी नगर इलाके में स्थित एक अपार्टमेंट में रह रही है। 17 अक्तूबर को शाम करीब 3.20 बजे फ्लैट में रहने वाली एक मॉडल ने ब्लिंकिट एप से खाना मंगवाया। जब डिलीवरी एजेंट खाना लेकर आया तो पीड़ित ब्राजीली मॉडल एजेंट से खाना लेने गई।

शिकायत में कहा गया है कि उसी दौरान डिलीवरी एजेंट ने कथित तौर पर ब्राजीली मॉडल से दुर्व्यवहार किया और शारीरिक रूप से उसके साथ छेड़छाड़ की। घटना से हैरान महिला ने आरोपी को धक्का देकर दरवाजा बंद कर लिया। हालांकि उसने तुरंत इस घटना के बारे में नहीं बताया। बाद में उसने अपने साथ रहने वाली एक मॉडल को इसकी जानकारी दी और दोनों ने उनके नियोक्ता को इसके बारे में बताया।

केंद्र सरकार की योजना लागू करने पर वामपंथी सरकार में मतभेद

कई मंत्री बगावत पर उतरे

तिरुवनंतपुरम, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की एक योजना को लागू करने पर केरल की एलडीएफ सरकार में मतभेद उभर आए हैं। हालात ये हैं कि केंद्रीय योजना का विरोध कर रहे कई मंत्री केरल सरकार की साप्ताहिक कैबिनेट बैठक से भी दूरी बना सकते हैं। हालांकि केरल सरकार के मंत्री जी आर अनिल ने कहा है कि पीएम-श्री योजना को लेकर जारी विवाद से प्रशासन पर कोई असर नहीं होगा।

केंद्रीय योजना को लागू करने पर मतभेद

केरल की एलडीएफ गठबंधन सरकार में सीपीआई और सीपीआईएम, दोनों ही वामपंथी नीतियों को मानने वाली पार्टियां सहयोगी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राज्य सरकार के शिक्षा विभाग ने मंत्रिमंडल में चर्चा किए बिना ही केंद्र सरकार की पीएम-श्री योजना को राज्य में लागू कर दिया है। इससे दोनों पार्टियों के बीच मतभेद हैं। जब इसे लेकर केरल सरकार के मंत्री जी आर अनिल से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि 'चल रहे मुद्दे का शासन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बात उस स्तर तक नहीं पहुंची है। इससे प्रशासन पर किसी भी कीमत पर कोई असर नहीं पड़ेगा।'

सीएम के साथ बैठक रही बेनतीजा

रिपोर्ट्स के अनुसार, एलडीएफ सरकार में सीपीआई के मंत्रियों ने पीएम श्री योजना लागू करने पर कड़ा विरोध जताया है और इसके विरोध स्वरूप कई मंत्री साप्ताहिक कैबिनेट बैठक से नदारद रह सकते हैं। इस मुद्दे पर बातचीत के लिए मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और सीपीआई के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम के बीच सोमवार को अलाप्पुझा में बातचीत हुई, लेकिन इस बातचीत में कोई समाधान नहीं निकल सका। बैठक के बाद, विश्वम ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि, 'हमने जो मुद्दा उठाया था, वह हल नहीं हुआ है। हमने सीएम के साथ बातचीत की, और यह बहुत सौहार्दपूर्ण थी, लेकिन मुद्दों का कोई समाधान नहीं निकला। इसलिए हमारी चिंता बनी हुई है। अगले कदम के बारे में बाद में बताया जाएगा।'

वामपंथी पार्टियों ने केंद्र सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनआपी) और पीएम-श्री योजना का उनके शुरू होने के बाद से ही विरोध किया है। वामपंथी पार्टियों का आरोप है कि ये योजनाएं शिक्षा प्रणाली को प्रभावित करने के लिए संघ के बड़े एजेंडे का हिस्सा हैं। सीपीआई का मुख्य आरोप यह है कि राज्य सरकार ने कैबिनेट में बिना किसी चर्चा के एमओयू साइन किया और पार्टी को इसके बारे में सिर्फ मीडिया रिपोर्ट्स से पता चला। हालांकि, राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने कहा कि एमओयू केंद्र के एजुकेशन फंड का फायदा उठाने के लिए साइन किया गया था और उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य के स्कूली पाठ्यक्रम में कोई बदलाव नहीं होगा।

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा बोले

नए विधेयक में बहुविवाह के लिए सात साल जेल भेजने की है योजना

गुवाहाटी, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि बहुविवाह के खिलाफ प्रस्तावित कानून में कम से कम सात साल की सजा होगी। सरमा ने सोमवार को मुख्यमंत्री संतुष्ट मोइना योजना के दूसरे चरण के शुरू करने के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह विधेयक 25 नवंबर को शीतकालीन सत्र के पहले दिन विधानसभा में पेश किया जाएगा।

'भाजपा सरकार बहुविवाह की कभी इजाजत नहीं देगी'

उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लाभार्थी लड़कियों से कहा, 'अगर कोई अपनी पत्नी को कानूनी रूप से तलाक दिए बगैर दूसरी महिला से शादी करता है, तो उसके धर्म की परवाह किए बिना उसे सात साल या उससे अधिक की कैद का प्रावधान होगा। उन्होंने आगे कहा कि फिर भले ही आरोपी यह कहे कि उसका धर्म इसकी इजाजत देता है, लेकिन भाजपा सरकार बहुविवाह की कभी इजाजत नहीं देगी।' सीएम सरमा ने आगे कहा, हम इस राज्य में महिलाओं की गरिमा की हर कीमत पर रक्षा करेंगे। बताते चलें कि राज्य सरकार ने बीते साल लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री संतुष्ट मोइना योजना शुरू की थी। इसके तहत 11वीं कक्षा की छात्राओं को 1000 रुपये, स्नातक प्रथम वर्ष के छात्रों को 1250 रुपये और स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के छात्रों को 2500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके अलावा, बीएड की छात्राओं को 10 महीने तक यह मदद दी जाती है।'

'शिक्षण संस्थानों में लड़कियों के नामांकन दर में बढ़ोतरी'

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस दौरान कहा, 'इस योजना की वजह से बीते साल के मुकाबले शिक्षण संस्थानों में लड़कियों के नामांकन दर में बढ़ोतरी हुई है और स्कूल छोड़ने की दर में काफी कमी आई है। इस साल कुल 3.5 लाख लड़कियों को इस योजना का लाभ मिलेगा।'

दिल्ली एसिड अटैक केस के मुख्य आरोपी को मिली क्लीनचिट

> पीड़िता का पिता यौन उत्पीड़न में गिरफ्तार

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में हुए एक एसिड अटैक मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर क्लीन चिट दे दी है, जबकि पीड़िता के पिता को आरोपी की पत्नी के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना कुछ दिन पहले हुई थी। पीड़िता ने अपनी शिकायत में एक युवक पर एसिड फेंकने का आरोप लगाया था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की। आरोपी ने बताया कि हमले के समय वह घटनास्थल पर नहीं था। वह काम के लिए करोल बाग इलाके में था। इसके बाद पुलिस ने दावे की जांच की। करोल बाग क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी गई। फुटेज में साफ दिख रहा है कि हमले के ठीक समय पर आरोपी मोटरसाइकिल चलाते हुए करोल बाग में मौजूद था।

यह फुटेज घटना के समय की पुष्टि करती है। इसके आधार पर पुलिस ने निष्कर्ष निकाला कि आरोपी घटनास्थल पर नहीं पहुंच सका। इसलिए उसे क्लीन चिट दे दी गई। दूसरी तरफ, मामले की गहराई से जांच में नया खुलासा हुआ। आरोपी की पत्नी ने पीड़िता के पिता पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने पीड़िता के पिता को गिरफ्तार कर लिया। अब उन पर कानूनी कार्रवाई चल रही है। पुलिस का कहना है कि एसिड अटैक की असल वजह और असली आरोपी की तलाश जारी है। शुरुआती शिकायत में व्यक्तिगत रंजिश का जिक्र था, लेकिन अब लग रहा है कि मामला आपसी संबंधों और पुरानी दुश्मनी से जुड़ा हो सकता है। सीसीटीवी फुटेज ने मुख्य आरोपी को बरी कर दिया, लेकिन जांच अन्य दिशाओं में बढ़ रही है।

आलीशान भवन और जेसीबी सहित नशा तस्कर की 6.34 करोड़ की संपत्ति जब्त

सोलन, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफीम और चरस के साथ सितंबर माह में गिरफ्तार नशा तस्कर धनीराम उर्फ गलू की पुलिस ने 6.34 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जब्त की है। आरोपी कुनिहार क्षेत्र में काफी वर्षों से रह रहा था। आरोपी कुनिहार, सोलन, अर्की, दाड़लाघाट, बिलासपुर, शिमला में नशा तस्करी में सक्रिय था और इन क्षेत्रों में नशे के सामान की सप्लाई कर रहा था। पुलिस उसे पिछले डेढ़ साल से पकड़ने की कोशिश कर रही थी। पुलिस ने 18 सितंबर को आरोपी को गिरफ्तार किया था। उसके घर से 1.624 किलोग्राम अफीम और 1.622 किलोग्राम चरस बरामद की थी।

सरकार ने चीनी संस्थान के फंड की जांच के दिए आदेश

> रोहित पवार का दावा-बारामती को बना रहे निशाना

पुणे, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने शर्करा आयुक्त को निर्देश दिया है कि वे पुणे स्थित वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट (वीएसआई) को शोध के लिए दिए गए फंड का ऑडिट करने और यह जांचने के लिए एक समिति बनाएं कि इनका सही तरीके से इस्तेमाल किया गया या नहीं। हालांकि, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के विधायक रोहित पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से जारी यह आदेश सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा नहीं है। समिति बनाने का फैसला यह संकेत देता है कि सत्तारूढ़ भाजपा ने ठाणे के बाद अब बारामती पर अपना फोकस कर लिया है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि राकांपा (शरद पवार गुट) के प्रमुख शरद पवार वीएसआई के अध्यक्ष हैं। जबकि महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और प्रतिद्वंद्वी राकांपा नेता अजित पवार इस अनुसंधान संस्थान के सदस्य हैं। पुणे जिले का बारामती पवार परिवार का गढ़ रहा है। जबकि ठाणे शिवसेना नेता और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का राजनीतिक क्षेत्र है। राज्य के शर्करा आयुक्त संजय कोल्टे ने कहा, हम आम तौर पर राज्य की चीनी मिलों से वीएसआई के लिए एक रुपये प्रति टन कुचली हुई चीनी इकट्ठा करते हैं और जमा किए गए फंड का उपयोग चीनी उद्योग में अनुसंधान और विकास गतिविधियों के लिए किया जाता है।

30 सितंबर को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्देश दिया गया कि यह जांच करने के लिए एक समिति बनाई जाए कि फंड का उपयोग कैसे किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोमवार को उन्हें बैठक की जानकारी मिली और अब उसी के अनुसार समिति बनाई जाएगी। जब उनसे पूछा गया कि फंड के उपयोग को लेकर कोई शिकायत थी या नहीं, कोल्टे ने कहा कि कोई शिकायत नहीं थी।

जांच के आदेश पर रोहित पवार ने क्या कहा?

एक्स पर एक पोस्ट में रोहित पवार ने कहा कि वीएसआई ने राज्य में चीनी उद्योग को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान 'पवार साहेब', अजित दादा और अन्य नेताओं के नेतृत्व में कई वर्षों से किसानों के कल्याण के लिए काम कर रहा है। विधायक ने कहा, मुख्यमंत्री का संस्थान में जांच करने का आदेश सामान्य प्रक्रिया नहीं है। यह दिखाता है कि भाजपा ने ठाणे के बाद बारामती पर ध्यान केंद्रित किया है। कल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने भाषण में कहा कि भाजपा को सहारे की जरूरत नहीं है और अब मुख्यमंत्री ने वीएसआई में जांच का आदेश दिया। क्या यह सहारे पर निर्भरता कम करने का प्रयास नहीं है? उन्होंने आरोप लगाया कि जब विपक्ष करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार के सबूत पेश करता है, तब सरकार चुप रहती है। लेकिन इसके बजाय एक प्रतिष्ठित संस्थान को निशाना बनाती है।

रोहित पवार ने कहा, एक अच्छे संस्थान में जांच करके उसे बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। यह भाजपा की आधुनिक राजनीति है। भाजपा को राजनीतिक लाभ हो सकता है, लेकिन राज्य को नुकसान होगा।

खबरें जरा हट के

दुनिया का वो अनोखा देश, जहां न एयरपोर्ट है, ना खुद की करेंसी

फिर भी 'सबसे अमीर देशों' में से एक!

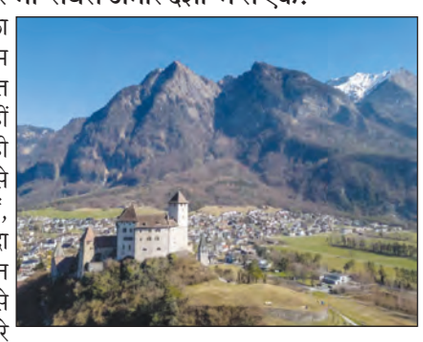

चीन या अमेरिका जैसे देशों में आम आदमी की औसत आय भारत से कहीं ज्यादा है. इतना ही नहीं, कई ऐसे विकसित देश हैं, जो भारत से ज्यादा अमीर हैं. लेकिन क्या आप एक ऐसे अनोखे देश के बारे में जानते हैं, जिसके पास न तो कोई एयरपोर्ट है और ना ही खुद की कोई करेंसी. इसके बावजूद उस देश के सभी लोग अमीर हैं।

अगर आपसे पूछा जाए कि दुनिया के सबसे अमीर देश कौन से हैं, तो आपका जवाब आर्थिक रुप से अमेरिका, चीन, जर्मनी, जापान और भारत हो सकते हैं. लेकिन पर कैपिटा जीडीपी के हिसाब से लग्जमबर्ग, आयरलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे जैसे देश इस लिस्ट में टॉप पर हैं. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे अनोखे और छोटे देश के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके पास न तो खुद का एयरपोर्ट है और ना ही अपनी करेंसी। इसके बावजूद वो सबसे अमीर देशों में से एक है।

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर उस देश का नाम क्या है? ऐसे में बता दें कि इस देश का नाम है लिकटेंस्टाइन. क्षेत्रफल की दृष्टि से लिकटेंस्टाइन दुनिया का छठा सबसे छोटा देश है, जो मात्र 160.5 वर्ग किलोमीटर तक फैला है. अगर गणना की जाए, तो यह देश नोएडा के क्षेत्रफल से भी छोटा है. गूगल पर उपलब्ध डेटा के मुताबिक, नोएडा का कुल क्षेत्रफल 203 वर्ग किलोमीटर है।

ये है दुनिया का सबसे बड़ा मुर्गा!

एक को काटने से मिलेगा तीस किलो मांस, क्या है हकीकत?

आपने आजतक कई तरह के मुर्गे देखे होंगे. नॉर्मल बॉयलर चिकन से लेकर आपने कड़कनाथ भी देखा होगा. लेकिन आज हम आपको दुनिया के सबसे बड़े मुर्गे के बारे में बताने जा रहे हैं. इसका साइज आपके पालतू डॉग से भी बड़ा होता है। सोशल मीडिया पर वायरल वो वीडियो, जहां एक मुर्गा डॉग से भी बड़ा नजर आया– 4 फीट लंबा, 30 किलो वजनी, काटने पर इतना मांस कि एक से ही कई लोगों का पेट भर जाए. हकीकत में ये ब्रह्मा चिकन है, दुनिया की

सबसे बड़ी मुर्गी नस्लों में से एक, जिसका साइज तो कमाल का है लेकिन दावे अतिशयोक्ति भरे हैं. 1850 में अमेरिका लाई गई ये नस्ल 'किंग ऑफ पॉल्ट्री' के नाम से मशहूर है. मुर्गे 30 इंच (76 सेमी) ऊंचे, 12-18 पाउंड (5.4-8.2 किलो) वजनी होते हैं जबकि मुर्गी 9.5-10 पाउंड (4.3-4.5 किलो) तक के होते हैं.

सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि इस मुर्गे से 30 किलो मांस निकल सकता है. लेकिन ये नामुमकिन है. गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में सबसे भारी मुर्गा 1973 का वेइर्डो था, जो 22 पाउंड (10 किलो) का था. ये ब्रह्मा नहीं, बल्कि व्हाइट लेगहॉर्न था. लेकिन ब्रह्मा का रिकॉर्ड 17-18 पाउंड तक पहुंच चुका है. ब्रह्मा की कहानी 19वीं सदी की है. 1840 में ब्रिटेन से अमेरिका भेजे गए बड़े एशियाई मुर्गों – ग्रे जंगल फाउल (चाइनीज शांगहाई) और मलय चिकन – को लोकल चट्टाग्राहम चिकन के साथ क्रॉस किया गया. इसे 1852 में पहली बार न्यूयॉर्क पोल्ट्री शो में दिखाया गया, जहां इनकी ऊंचाई और वजन ने सबको हैरान कर दिया. नाम 'ब्रह्मा' ब्रह्मपुत्र घाटी से आया, जहां से मूल एशियाई स्टॉक था. एपीए (अमेरिकन पोल्ट्री एसोसिएशन) ने 1874 में इसे मान्यता दी।

ये है दुनिया का सबसे वीरान आइलैंड, ना प्लेन, ना ट्रेन, रहते हैं मात्र ढाई सौ लोग

क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसी जगह है, जो बाकी की दुनिया से पूरी तरह से कटी हुई है. इस आइलैंड में कोई एयरपोर्ट भी नहीं है. ऐसे में इस जगह पर जाने के लिए सिर्फ नाव का सहारा लिया जाता है. आखिर कौन सी है जगह? दक्षिण अटलांटिक महासागर के बीचों-बीच, जहां समुद्र की लहरें अनंत तक फैली हैं और जमीन का नामोनिशान नहीं, वहां बसा है दुनिया का सबसे वीरान और अलग-थलग आइलैंड – ट्रिस्टन डा कुन्हा. यहां ना तो हवाई अड्डा है, ना रेलगाड़ी और

ना कोई आधुनिक सुविधा. यहां पहुंचने का एकमात्र रास्ता है नाव! दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन से 2,800 किलोमीटर दूर ये आर्चिपेलागो (द्वीपसमूह) साल में कुछ ही जहाजों से जुड़ता है और यात्रा में 6-7 दिन लग जाते हैं। बात अगर आबादी की करें तो यहां मात्र 250 लोग रहते हैं जो ब्रिटिश ओवरसीज टेरिटरी के नागरिक हैं. ये जगह इतनी कटी हुई है कि नजदीकी जमीन सेंट हेलेना 2,430 किमी दूर है।

ट्रिस्टन डा कुन्हा की खोज 1506 में पुर्तगाली नाविक ट्रिस्टन डा कुन्हा ने की थी लेकिन बस्ती 1816 में बनी, जब ब्रिटेन ने नेपोलियन को सेंट हेलेना पर कैद करने के बाद इसे कब्जा लिया था. सात द्वीपों का ये समूह ब्रिटेन का हिस्सा है, लेकिन मुख्य द्वीप ही बसा हुआ है. यहां की आबादी 222 मूल ट्रिस्टनवासी हैं, जिनमें से 17 विदेश में हैं और अतिरिक्त 22 लोग – वैज्ञानिक, शिक्षक या अस्थायी – रहते हैं. 2025 तक ये संख्या स्थिर है, क्योंकि जन्म दर कम और बाहर जाने वाले ज्यादा हैं. सभी एक ही गांव एडिनबर्ग ऑफ द सेवन सीज में रहते हैं, जहां सिर्फ 80 घर हैं. यहां कोई सरनेम नहीं है.

सभी का उपनाम स्वैन, ग्रीन, ग्रास या पटेंडन है।

इस द्वीप का जीवन प्रकृति से जूझने का है. ऊंचाई 2,062 मीटर का क्वीन मैरीज पीक ज्वालामुखी सक्रिय है. आखिरी विस्फोट 1961 में हुआ था जब लावा बहा और पूरा गांव नष्ट हो गया था. 264 लोग ब्रिटेन भागे थे लेकिन 1963 में लौट आए थे. तब से ज्वालामुखी पर निगरानी चल रही है लेकिन खतरा बरकरार है. द्वीप पर कोई पेड़ नहीं है. सिर्फ घास और मॉस है.

सुविचार: किस्मत के पन्नें वही पलटता है, जो दिन रात मेहनत करता है!

कपास की नमी के मानदंडों में ढील दें किसानों के लिए एमएसपी बढ़ाएं : कोमटिरेड्डी

मंत्री ने भारतीय कपास निगम के अध्यक्ष से मुलाकात की

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेमौसम बारिश से प्रभावित कपास किसानों की सहायता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सड़क एवं भवन निर्माण और छायांकन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मंगलवार को मुंबई में भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ललित कुमार गुप्ता से मुलाकात की और खरीद की शर्तों को आसान बनाने और किसानों को सहायता बढ़ाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

एक घंटे चली बैठक के दौरान, मंत्री ने सीसीआई प्रमुख को भारी बारिश, कीटों के हमलों और गुणवत्ता में कमी के कारण तेलंगाना भर में कपास उत्पादकों के सामने आ रही समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने निगम से मौजूदा मौसम की स्थिति को देखते हुए नमी की मात्रा की सीमा को वर्तमान 8-12 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत करने का आग्रह किया। मंत्री ने कहा, हाल ही में हुई बेमौसम बारिश और चक्रवाती प्रभाव ने काटे गए कपास में नमी का स्तर बढ़ा दिया है, जिससे किसानों के लिए वर्तमान एफएक्यू मानकों को पूरा करना असंभव हो गया है। सीसीआई को आगे के नुकसान को रोकने के लिए तुरंत 14 प्रतिशत तक नमी की अनुमति देनी चाहिए। बढ़ती खेती लागत को ध्यान में रखते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में संशोधन की मांग करते हुए, कोमटिरेड्डी ने निजी व्यापारियों द्वारा शोषण को रोकने के लिए सीसीआई से सभी कपास उत्पादक जिलों में अपने खरीद केंद्रों का विस्तार करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने गुलाबी बॉलवर्म कीटों के हमले और भारी बारिश से प्रभावित किसानों के लिए एक विशेष राहत पैकेज की भी मांग की और पिछले खरीद सत्रों के लंबित बकाया को जल्द से जल्द जारी करने का आग्रह किया। मंत्री ने खरीद में पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने के लिए मंडियों में आधुनिक नमी परीक्षण सुविधाएं स्थापित करने का भी सुझाव दिया। सीसीआई के अध्यक्ष ललित कुमार गुप्ता ने कथित तौर पर मंत्री को आश्वासन दिया कि तेलंगाना के किसानों की चिंताओं को उचित कार्रवाई के लिए केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जाएगा। बैठक के दौरान मंत्री के साथ जदचेरला विधायक अनिरुद्ध रेड्डी भी थे।

केबल टावर से गिरकर व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके अब्दुल्लापुरमेट में सोमवार को एक हाईटेंशन केबल टावर से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। वह व्यक्ति, जिसकी अभी तक पहचान नहीं हो पाई है, सुबह करीब 8 बजे टावर पर चढ़ गया और चिल्लाने लगा। स्थानीय लोगों ने यह देखकर पुलिस को सूचित किया, जिन्होंने बिजली और अग्निशमन विभाग को सूचित किया। जल्द ही, अग्निशमन और बिजली विभाग के कर्मचारी पुलिस के साथ मौके पर पहुंच गए और उसे नीचे उतारने के प्रयास शुरू कर दिए। लगभग तीन घंटे बाद, पुलिस कर्मी टावर पर चढ़े और उस व्यक्ति को नीचे उतारने की कोशिश की। लेकिन वह टावर से जमीन पर गिर गया और उसे चोटें आईं। पुलिस ने उसे उस्मानिया जनरल अस्पताल पहुंचाया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस उस व्यक्ति की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

सीएम ने तुम्मिडीहट्टी लिफ्ट के लिए योजना तैयार करने के निर्देश दिए

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को शीर्ष सिंचाई अधिकारियों को तुम्मिडीहट्टी से सुंडिला तक 80 टीएमसी पानी लाने की योजना तैयार करने और क्षतिग्रस्त सुंडिला बैराज की मरम्मत के लिए अनुमानों को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। श्रीपदा येल्लमपल्ली परियोजना में पानी लाने के लिए बैराज की मरम्मत की जा रही है। सिंचाई परियोजनाओं की उच्च स्तरीय समीक्षा के दौरान, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से सुंडिला बैराज की क्षति की स्थिति के बारे में जानकारी ली। शीर्ष अधिकारियों को पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले को सिंचाई और पेयजल आपूर्ति के लिए योजनाएं तैयार करने का भी आदेश दिया गया। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि अनुमान पुराने कार्यों को ध्यान में रखकर तैयार किए जाने चाहिए। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल द्वारा हाल ही में राज्य सरकार को भेजे गए पत्र की विषयवस्तु की समीक्षा करते हुए, रेवंत रेड्डी ने परियोजनावार विश्लेषण रिपोर्ट की स्थिति तैयार करने सहित कई सुझाव दिए। मेडिगड्डा, सुंडिला और अन्नाराम बैराजों की स्थिति की समीक्षा के दौरान, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बैराजों की मरम्मत के लिए रचनात्मक योजनाएं बनाने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि इसके लिए ठेका एजेंसियों को जिम्मेदार ठहराया जाए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह परियोजनावार पूरी रिपोर्ट के आधार पर उठाए जा रहे अगले कदमों पर नवंबर के दूसरे सप्ताह में एक और समीक्षा बैठक करेंगे।

वित्तीय समस्याओं के कारण एक व्यक्ति ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात चंदनगर स्थित अपने घर में 50 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर वित्तीय समस्याओं के कारण आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, चंदनगर के हुडा कॉलोनी निवासी काशी रेड्डी पुरुषोत्तम रेड्डी अपने परिवार के साथ रहकर ड्राइवर का काम करता था। चंदनगर पुलिस ने बताया कि रविवार रात पुरुषोत्तम ने अपने घर के एक कमरे में पंखे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। उनके परिवार वालों ने पुलिस को बताया कि पुरुषोत्तम ने सात साल पहले जय कुमार संतम्मा राजन बाबू नाम के एक व्यक्ति को 13 लाख रुपये दिए थे, लेकिन उसने पैसे वापस नहीं किए। उन्होंने दावा किया कि इसी वजह से पुरुषोत्तम अवसाद में आ गए और उन्होंने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

कई दशकों तक भूमिगत रहने वाले दो वरिष्ठ माओवादी नेताओं ने किया सरेंडर

डीजीपी ने माओवादियों से मुख्यधारा में लौटने की अपील की

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई (माओवादी) के दो वरिष्ठ माओवादी नेता, केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम) पुल्लुरी प्रसाद राव उर्फ शंकरन्ना उर्फ सोमन्ना उर्फ चंद्रन्ना और तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य (एससीएम) बंडी प्रकाश उर्फ प्रभात ने सीपीआई (माओवादी) छोड़ दी और तेलंगाना पुलिस के समक्ष मुख्यधारा में शामिल हो गए। संगठन के दो वरिष्ठ नेता तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक की उपस्थिति में मुख्यधारा में शामिल हो गए। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने बताया कि पुल्लुरी प्रसाद राव उर्फ शंकरन्ना उर्फ चंद्रन्ना उर्फ सोमन्ना 45 वर्षों से भूमिगत रहे। इसी तरह बंडी प्रकाश उर्फ प्रकाश उर्फ प्रभात भी 42 वर्षों से भूमिगत थे। बंडी प्रसाद पर 25 लाख और प्रकाश पर 20 लाख रुपये का इनाम था। तेलंगाना सरकार की पुनर्वासच नीति के तहत अतिरिक्त लाभ भी मिलेंगे। डीजीपी ने बताया कि दोनों अब भाकपा (माओवादी) छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। पेद्दापल्ली जिले के मूल निवासी पी. प्रसाद राव 1979 में इंटरमीडिएट की पढ़ाई के दौरान रेडिकल स्टूडेंट्स यूनियन में शामिल हुआ था। मंचेरियल जिले के बंडी प्रकाश 1983 में भाकपा (माले) पीपुल्स वार के रेडिकल यूथ लीग में शामिल हुआ था। वह हाल ही में तेलंगाना राज्य समिति की प्रेस टीम का प्रभारी था और प्रभात नाम से प्रेस बयान जारी करता था। डीजीपी ने बताया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने 21 अक्टूबर को सीपीआई (माओवादी) सदस्यों से हथियार छोड़ने, मुख्यधारा में शामिल होने और राज्य के विकास एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों में भाग लेने की अपील की थी। इसके बाद इन लोगों ने आत्मसमर्पण किया है। दोनों नेताओं ने संगठन छोड़ने का कारण बिगड़ती सेहत, सुरक्षा बलों का लगातार दबाव, वैचारिक मतभेद और सीपीआई (माओवादी) नेतृत्व के भीतर आंतरिक कलह बताया। डीजीपी रेड्डी ने कहा, दो वरिष्ठतम माओवादी नेताओं की मुख्यधारा में वापसी तेलंगाना पुलिस द्वारा सीपीआई (माओवादी) के खिलाफ अपनाई गई समग्र और व्यापक कार्यकर्ताओं (जिनमें दो केंद्रीय समिति सदस्य और आठ राज्य समिति सदस्य शामिल हैं) ने तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। रेड्डी ने कहा, प्रसाद पर 25 लाख रुपये और प्रकाश पर 20 लाख रुपये का इनाम था। यह राशि उन्हें डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से सौंपी गई।

कविता ने लिफ्ट सिंचाई योजना को शीघ्र पूरा करने की मांग की

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कल्वाकुंतला कविता ने राज्य सरकार से पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीआरएलआईएस) के लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने की मांग की। मंगलवार को महबूबनगर जिले में इस योजना के तहत निर्माणाधीन करिवेना जलाशय के दौरे के दौरान, कविता ने अपनी चिंताएं व्यक्त कीं। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और अन्य कांग्रेस नेताओं पर महबूबनगर जिले के निवासियों के साथ घोर अन्याय करने का आरोप लगाया। कविता ने ज़ोर देकर कहा कि लोग मुख्यमंत्री और कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए कार्यों को कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट द्वारा पलामुरु-रंगारेड्डी परियोजनाओं पर रोक लगाने के बावजूद, समीक्षा याचिका दायर न करना अस्वीकार्य है। परियोजनाओं की अनुमति रोक दी गई है और विचार से हटा दिया गया है, फिर भी कांग्रेस पार्टी उदासीन बनी हुई है। रेवंत रेड्डी अपने ही जिले के साथ अपूरणीय अन्याय कर रहे हैं। तेलंगाना के गठन के बाद, कृष्णा नदी पर पलामुरु-रंगारेड्डी परियोजना की रूपरेखा तैयार की गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में, पलामुरु-रंगारेड्डी परियोजना का 80 प्रतिशत काम पूरा हो गया था। कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने और दो साल हो जाने के बावजूद, इस परियोजना पर एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा है। उद्दंडपुर या करिवेना से एक मुट्ठी मिट्टी भी नहीं उठाई गई है। नरलापुर से येदुला तक सुरंग का काम नहीं हो रहा है।, कविता ने सर्वोच्च न्यायालय में समीक्षा याचिका दायर न करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की और कहा कि खुद को पलामुरु का बेटा कहने वाले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी अपने ही जिले के साथ अक्षम्य अन्याय कर रहे हैं।

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिले के 60 कारीगरों ने दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन एम. बालकृष्णन, वैज्ञानिक-ई एवं निदेशक (हॉलमार्किंग अधिकारी, एसआरओ), श्रीमती टी. सुजाता, वैज्ञानिक-ई एवं निदेशक तथा श्रीमती प्रशांति, एचएमआर, बीआईएस हैदराबाद द्वारा किया गया। उन्होंने सोने और चांदी की जांच तथा भारतीय मानकों के अनुरूप आभूषण निर्माण पर तकनीकी प्रस्तुतियां दीं।

दूसरे दिन लाइव प्रदर्शन के माध्यम से परीक्षण और अन्य प्रक्रियाओं को विस्तार से समझाया गया। प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। यह प्रमाणन प्रशिक्षण कार्यक्रम कारीगरों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हुए उन्हें क्या करें और क्या न करें के बारे में स्पष्ट दिशा-निर्देश देता है। चूंकि निजामाबाद जिला हॉलमार्किंग अनिवार्य जिले में आता है, यह प्रशिक्षण कारीगरों को भारतीय मानकों के अनुरूप सोने और चांदी के आभूषण बनाने में मदद करेगा और उपभोक्ताओं को शुद्ध व हॉलमार्कयुक्त आभूषण उपलब्ध कराएगा। बीआईएस अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे केवल हॉलमार्कयुक्त आभूषण ही खरीदें, यह उनका उपभोक्ता अधिकार है और बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से एचयूआईडी नंबर जांचकर शुद्धता सुनिश्चित करें।

रेल मंत्री ने चक्रवात की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चक्रवात की तैयारियों की समीक्षा की और रेलवे को पूर्वी तट, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में चक्रवात मोन्था के प्रभाव की आशंका के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से कहा कि मंडल वार रूमों को सक्रिय करना और विशेष रूप से विजयवाड़ा, विशाखापट्टनम और गुंटूर मंडलों में आवश्यक सामग्री, मशीनरी और जनशक्ति तैयार करना है। इसके साथ ही यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए ट्रेन संचालन की निगरानी की जानी चाहिए। आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए संसाधन जुटाने और आवश्यक सावधानियां बरतने के लिए पूर्व तटीय रेलवे, दक्षिण तटीय रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र रेल मंत्री ने निर्देश दिए।

चलती ट्रेन से गिरने से यात्री को बचाया

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की महिला कांस्टेबल सुस्मिता ने रविवार शाम काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर साहस और तत्परता का परिचय देते हुए एक यात्री की जान बचा ली।

वारंगल निवासी सादुला मणिदीप (31) काचीगुडा-मैसूर एक्सप्रेस के एक कोच से दूसरे कोच में जाने की कोशिश कर रहे थे, जब अचानक उनका पैर फिसल गया और वे चलती ट्रेन के नीचे गिरने ही वाले थे। उसी समय कांस्टेबल सुस्मिता और रेलवे कर्मचारी गोविंद राव ने त्वरित प्रतिक्रिया दिखाते हुए मणिदीप को पकड़कर प्लेटफॉर्म की ओर खींच लिया। ट्रेन मैनेजर ने भी तत्काल आपातकालीन ब्रेक लगाई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। यात्री को मामूली खरोंचें आईं, लेकिन उनकी जान सुरक्षित रही। वरिष्ठ आरपीएफ अधिकारियों ने कांस्टेबल सुस्मिता की बहादुरी और तत्परता की सराहना की और कहा कि उनके साहसिक कदम ने एक कीमती जान बचाई।

नेकलेस रोड़ स्थित हुसैन सागर घाट पर जनसेवा संघ द्वारा आयोजित चार दिवसीय छठ पूजा के अंतिम दिन उदयाचल सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार, पति, बच्चों के स्वास्थ्य, समृद्धि की कामना करती हुई व्रती महिलाएं। अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि आईपीएस वी.के.सिंह, अध्यक्ष आर.पी. सिंह, उपाध्यक्ष गोविन्द तिवारी, महासचिव राजीव रंजन चौबे, कोषाध्यक्ष विनीतकुमार सिंह, कार्यालय प्रभारी सीताराम ठाकुर, घाट प्रभारी एस.पी.सिंह, हरि सिंह, दिनेश चंदन, मदनलाल रावल, मनोज कुमार यादव, नारायण ओझा, सुबोत कुमार सिंह, राहुल कुमार सिंह व समाज बन्धु।

कर्ज के दबाव में की आत्महत्या

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चंदानगर के हुडा कॉलोनी में सोमवार को एक व्यक्ति ने कर्ज के बोझ और नियोक्ता से उधार दिए गए पैसे न मिलने के कारण आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान पुरुषोत्तम रेड्डी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, उन्होंने लगभग सात वर्ष पहले अपने परिचितों से उधार लेकर अपने नियोक्ता राजन बाबू को 13 लाख रुपये दिए थे। बार-बार आग्रह करने के बावजूद नियोक्ता ने पैसे वापस नहीं किए। बढ़ते आर्थिक दबाव और मानसिक तनाव से परेशान होकर पुरुषोत्तम रेड्डी ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। उनके बेटे हरिनाथ रेड्डी की शिकायत पर चंदानगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डीअन्नारम, हैदराबाद -500036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad-500 036, Telangana, India
040-24067388
9493627388
Website: http://niimh.nic.in
Email:niimh-hyderabad@gov.in
Email:niimh.hyderabad@gmail.com

अधिसूचना. 05/2025

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएँ डोमेन विशेषज्ञ और वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता (वनस्पति विज्ञान) पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर मोबाइल नंबर 9493627388 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रभारी सहायक निदेशक

सीतक्का ने ऑटोरिक्शा में सफर कर केटीआर के आरोपों का दिया जवाब

कहा, महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा योजना से ऑटो चालकों की आय पर असर नहीं

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता के. टी. रामाराव द्वारा ऑटोरिक्शा में सफर कर कांग्रेस सरकार पर की गई आलोचना के एक दिन बाद, पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री डी. अनसूया (सीतक्का) ने भी मंगलवार को ऑटोरिक्शा में यात्रा कर ड्राइवरों से बातचीत की। उनके साथ महिला निगम की अध्यक्ष बंडरू शोभा रानी भी मौजूद थीं। इस दौरान सीतक्का ने ऑटो चालकों से जुबली हिल्स उपचुनाव में कांग्रेस के समर्थन की अपील की।

जहां बीआरएस नेताओं से ऑटो चालकों ने अपनी शिकायतें साझा की थीं, वहीं कांग्रेस मंत्री सीतक्का ने सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना से ऑटो चालकों की कमाई पर कोई असर नहीं पड़ा है और यह कहना कि उनकी आमदनी घटी है, विपक्ष द्वारा फैलाया गया झूठ है। सीतक्का ने कहा कि आरटीसी बसें गलियों या उपनगरों तक नहीं जातीं, इसलिए लोग छोटी दूरी के लिए अब भी ऑटो रिक्शा का ही उपयोग करते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार के पिछले दस वर्षों में एक भी नया ऑटो परमिट जारी नहीं किया गया। मंत्री ने कहा कि अब ऑटो चालक खुश हैं क्योंकि उनकी बहनें और माताएं मुफ्त बस यात्रा का लाभ उठा रही हैं।

स्कूल बस ने चार साल के बच्चे को कुचला

करीमनगर, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामदुगु मंडल मुख्यालय में सोमवार शाम एक स्कूल बस की चपेट में आने से चार वर्षीय बालक ममीडी सात्विक की मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, सात्विक को एक निजी स्कूल बस की टक्कर से गंभीर चोटें आईं। उसके परिवार के सदस्य उसे करीमनगर के एक अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

NOTICE FOR REGISTRATION OF POLITICAL PARTY WITH TSEC

(Published as per the Directions of Telangana State Election Commission)

Dated : 28.10.2025

Notice is hereby given to the general public that Prof K.M. KADER MOHIDEEN, NATIONAL PRESIDENT intends to register a political party under the name and style of INDIAN UNION MUSLIM LEAGUE which is a Recognised State Party in the State of KERALA by ECI, with reserved Symbol of LADDER, in those States and to reserve to that Party the same Symbol of LADDER, under the Registration of Political parties and Allotment of Symbols Order, 2018. Location of its National Head Office at Quaid-e-Millath Manzil, No.36, Maraikayar Lebbai Street, Chennai-600001, Tamil Nadu and State Head Office at 2-2-34/1/B, Opp. Vishal Mega Mart, Amberpet, Hyderbad-500013, Telangana State The main office bearers of the Party are 1. MOHAMMED SHAKEEL, Adv. the State President. 2. SHAIK MUJAHED, the State General Secretary 3. SYED MASOOD ALI, the State General Secretary 4. MOHAMMED ANWAR MOHIUDDIN, the State General Secretary 5. SHAIK CHAND PASHA, the State General Secretary 6. AHMED BIN ALI AL KASERI the State Treasurer Objections, if any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C. Guards, Hyderabad - 500 004 within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register INDIAN UNION MUSLIM LEAGUE as a Political Party and allot the Symbol LADDER, (Name of the Symbol) to it to contest in elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

Prof K.M. KADER MOHIDEEN, National President, Indian Union Muslim League.

सीएम नीतीश समेत लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य को दिया अर्घ्य

> बिहार के घाटों पर उमड़ी भीड़

पटना, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोक आस्था का महापर्व छठ मंगलवार को संपन्न हो गया। चार दिवसीय महापर्व के अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास समाप्त हुआ। पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गया, पूर्णिया, बेगूसराय, समस्तीपुर, शिवहर, किशनगंज खगड़िया समेत सभी 38 जिलों के छठ घाटों पर अहले सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

खराब मौसम के कारण कई जिलों में भगवान सूर्य कुछ देर से दिखें। पटना समेत कई जगह पर बादल छाए हुए थे। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ संपन्न हो गया। पटना में सीएम नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, नेता प्रतिपक्ष चिराग पासवान, बिहार सरकार के कई मंत्री, नेताओं ने भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। इधर, जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों की ओर से पटना की सड़कों को धो दिया गया था। हर गली-सड़कों पर बिहार कोकिला स्व. शारदा सिन्हा के छठ गीत बज रहे थे।

छठी मैय्या के जयकारे से गूंजते रहे सभी घाट

इधर, पटना समेत पूरे बिहार में छठ घाट पर श्रद्धालुओं का तांता लग गया। छठी मैय्या के जयकारे से छठ घाट गूंजते रहे। कई लोगों ने घरों की छत और तालाबों में छठ पूजा मनाई। छठ घाट पर जिला प्रशासन की ओर से सारी तैयारी पहले ही पूरी कर ली गई है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य समेत बिहार की सैकड़ों लोगों ने विदेशों में छठ पूजा की। रोहिणी ने कहा कि आप सबों को महापर्व छठ पूजा के चौथे व पूर्णाहुति अनुष्ठान अग्रगामी सूर्य देव को उषा अर्घ्य की हार्दिक शुभकामनाएं।

उदयीमान भगवान भास्कर की लालिमा व छठी मईया के आशीर्वाद से आप सबों को सुख-शांति - समृद्धि - निरोग काया की प्राप्ति हो और आपकी हर मनोकामना पूरी हो।

चिराग बोले-हर परिवार में खुशियां और समृद्धि आए

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपने पटना स्थित आवास से छठ पूजा की। इस दौरान उन्होंने कहा, छठी मैया ने बिना मांगे इतना कुछ दिया है लेकिन हां मैं ये मानता हूं जिस विकसित बिहार की हम कल्पना करते हैं और उस विकसित परिवार तथा उस विकसित बिहार में हर परिवार में खुशियां और समृद्धि आए। यही कामना की है कि छठी मैया का ये आर्शीवाद बिहार और देश के हर व्यक्ति और परिवार को मिले।

छठ पर्व के साथ लोकतंत्र का महापर्व भी चल रहा है ऐसे में आज जब हम लोग छठ का उगते सूर्य को अर्घ्य देकर इस पर्व को पूर्ण किया। एक महापर्व समाप्ति की ओर है तो दूसरी ओर लोकतंत्र का दूसरा महापर्व वो अपनी चरम सीमा पर अपने पूर्णरूप में आएगा। आज से हम लोग प्रचंड प्रचार की शुरुआत करेंगे और जो भी परिणाम आएंगे हम जानते हैं हमारे पक्ष में आएंगे लेकिन वो परिणाम बिहार और बिहारवासियों के लिए सुखद होंगे।

आज एक अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास में परिवार के सदस्यों के साथ भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर राज्य में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

प्रशांत किशोर दो जगह के मतदाता!

बिहार और बंगाल की दोनों सूचियों में नाम दर्ज होने से मचा हड़कंप

पटना, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर का नाम बिहार और पश्चिम बंगाल, दोनों राज्यों की मतदाता सूची में दर्ज पाया गया है। यह जानकारी एक चुनाव अधिकारी ने मंगलवार को दी। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में मैदान में है। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, किशोर का नाम पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के 121, कालीघाट रोड पते पर दर्ज है, जो तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) मुख्यालय का पता है। यह वही सीट है, जहां से मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी चुनाव लड़ती हैं।

चुनाव अधिकारी ने बताया, "उनका मतदान केंद्र बी रानीशंकारी लेन स्थित सेंट हेलेन स्कूल में दर्ज है।" गौरतलब है कि 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान प्रशांत किशोर टीएमसी के लिए राजनीतिक सलाहकार के रूप में काम कर चुके हैं।

अधिकारी ने आगे बताया कि बिहार में किशोर का नाम रोहतास जिले के सासाराम संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत करगहर विधानसभा क्षेत्र में दर्ज है, जहां उनका मतदान केंद्र मध्य विद्यालय, कोनार है। इस मामले पर बात करते हुए चुनाव अधिकारी ने बताया कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 17 के तहत किसी भी व्यक्ति का नाम एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्र में दर्ज नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, "धारा 18 के तहत एक ही निर्वाचन क्षेत्र में एक व्यक्ति का नाम दो बार दर्ज करना भी निषिद्ध है। मतदाताओं को निवास स्थान बदलने पर अपना नाम स्थानांतरित करने के लिए फॉर्म 8 भरना आवश्यक होता है।"

चुनाव आयोग (ईसी) ने स्वीकार किया है कि मतदाता सूची में दोहराव की समस्या एक आम मुद्दा है। यही कारण है कि आयोग ने पूरे देश में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया शुरू की। बिहार में शुरू हुई यह प्रक्रिया 30 सितंबर को अद्यतन मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ पूरी हुई, जिसमें लगभग 68.66 लाख प्रविष्टियां हटाई गईं। इनमें करीब सात लाख ऐसे मामले थे, जिनमें मतदाता विभिन्न स्थानों पर दो बार दर्ज पाए गए थे।

25 नवंबर को राम मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति नहीं होगी : नृपेंद्र मिश्र ने दी जानकारी

अयोध्या, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। अयोध्या स्थित राम मंदिर में 25 नवंबर को श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति नहीं होगी। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि 25 नवंबर के कार्यक्रम के दौरान सिर्फ आमंत्रित लोगों को दर्शन का मौका मिलेगा। इसमें लगभग आठ हजार लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के समय मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति नहीं होगी। सिर्फ आमंत्रित लोगों को ही भगवान के दर्शन का अवसर मिलेगा और लगभग 8,000 आमंत्रित लोगों के लिए व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि अगले दिन से श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी जाएगी। नृपेंद्र मिश्र ने कहा, क्या श्रद्धालु सभी क्षेत्रों में बिना सुरक्षा जांच के स्वतंत्र रूप से आ-जा सकेंगे, इस पर ट्रस्ट विचार कर रहा है। मेरा निरंतर प्रयास है कि यहां बनने वाली हर चीज श्रद्धालुओं को समर्पित हो। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा पूरा प्रयास होगा कि इस साल के आखिर तक राम जन्मभूमि परिसर में सभी मंदिर खोल दिए जाएं, वाटिकाएं खुल जाएं और कुबेर टीला तक भी श्रद्धालु पहुंच सकें।

पटना में अर्घ्य के दौरान तीन की मौत

पटना, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। छठ महापर्व के अर्घ्य के दौरान पटना के बाढ़ अनुमंडल में अलग-अलग हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। दो युवक गंगा नदी में डूब गए, जबकि एक छठ व्रती महिला की अर्घ्य देने जाते समय हार्ट अटैक से मौत हो गई। इन घटनाओं से इलाके में मातम का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मलाही गांव में गंगा किनारे अस्थायी घाट बनाकर छठ व्रतियों के लिए अर्घ्य की व्यवस्था की गई थी। सोमवार सुबह अर्घ्य के दौरान नहाने गए एक युवक का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया।

गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी पर्व

सीएम योगी बोले–सनातन परंपरा में सिख गुरुओं का योगदान अविस्मरणीय

लखनऊ, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सनातन परंपरा में सिख गुरुओं का योगदान अविस्मरणीय एवं सराहनीय है। वह गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि, गुरबाणी में लिखा है कि जहां भी गुरु महाराज के पावन चरण पड़ते हैं, वह स्थान राम राज्य के समान पवित्र हो जाता है। यह हमारा सौभाग्य है कि गुरु चरण यात्रा के दौरान हमें गुरु महाराज और गुरु साहिबान के पावन चरणों के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त होता है। इस अवसर पर मैं केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने हमें गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया। गुरु चरण यात्रा के माध्यम से इस पावन अवसर से जुड़ने का सौभाग्य भी हमें प्राप्त हुआ है। भारत की सनातन परंपरा में सिख गुरुओं का योगदान अविस्मरणीय एवं सराहनीय है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, सेवा और बलिदान का आदर्श भी दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा पहुंचाएं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग ढाई सौ वर्षों से गुरु महाराज के पावन चरण पादुकाएं, जो पहले अखंड भारत के हिस्से पाकिस्तान में थीं, अब पटना साहिब में स्थापित की जा रही हैं। दिल्ली से शुरू हुई यह यात्रा पूरे देश में गुरु परंपरा के प्रति सम्मान और गौरव का भाव जगाती जा रही है।

उन्होंने कहा कि लखनऊ का यहियागंज गुरुद्वारा इसलिए भी विशेष है क्योंकि गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की स्मृतियां इस स्थान से जुड़ी हैं। यह गुरुद्वारा हमारी साझा आस्था और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री योगी ने सिख समुदाय के प्रति आदर व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, सेवा और बलिदान का आदर्श भी दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख समाज की यह यात्रा केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए मार्गदर्शन है।

उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे इस "गुरु चरण यात्रा" को राष्ट्रीय एकता और आध्यात्मिक जागरण के संदेश के रूप में आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यूपी कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार परबिंदर सिंह के अलावा गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारी व कई जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

महाकुंभ की तर्ज पर हो जंबूरी में सुरक्षा और सुविधा

सीएम ने 23 से 29 नवंबर तक होने वाले आयोजन की समीक्षा की

लखनऊ, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत स्काउट एंड गाइड के 19वें राष्ट्रीय सम्मेलन (जंबूरी) की तैयारियों की समीक्षा की। 23 से 29 नवंबर तक लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, वृंदावन योजना में इसका आयोजन होगा। यह अवसर युवा शक्ति के अनुशासन, राष्ट्र सेवा और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त रूप में प्रस्तुत करेगा। सीएम ने निर्देश दिया कि यह आयोजन प्रदेश की सुरक्षा और आतिथ्य क्षमता का परिचायक बने। उन्होंने निर्देश दिए कि महाकुंभ की तर्ज पर सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, स्वास्थ्य, आवास, खानपान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सभी व्यवस्थाएं पूरे समन्वय के साथ करें। इस आयोजन की थीम आत्मनिर्भर स्वदेशी भारत, स्वच्छ एवं विकसित भारत, ग्रीन एवं सस्टेनेबल भारत हर स्तर पर दिखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवसर पर प्रदेश को अपनी परंपराओं, संस्कृति और नवाचारों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि एक्सपो मैदान में प्रदर्शनी स्टॉल में राज्यवार प्रदर्शनियों के साथ ग्लोबल विलेज, 75 वर्ष की स्काउटिंग प्रदर्शनी, एयर अग्निवीर, एक जिला-एक उत्पाद, सोलर, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और आर्मी प्रदर्शनियां भी लगाई जाएं।

विदेशों में बेचे जा रहे भारतीय युवक

हर एक की कीमत 3500 डॉलर-बेरोजागारों की है डिमांड

आगरा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले की साइबर सेल, थाना साइबर क्राइम और साइबर इंटेलिजेंस टीम ने संयुक्त रूप से ऐसे गैंग का पर्दाफाश किया है, जो बेरोजगार युवाओं को जाल में फंसाता है। इसके बाद विदेश में नौकरी का झांसा देकर उन्हें कंबोडिया और थाईलैंड भेजा जाता है। वहीं पर इन युवाओं को हाउस अरेस्ट कर ऑनलाइन ठगी, डिजिटल इन्वेस्टमेंट और ट्रेडिंग के नाम पर ठगी के तरीके सिखाए जाते हैं। पुलिस ने उन्नाव निवासी आतिफ खान और इंदौर निवासी अजय कुमार शुक्ला को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने दर्जनों भारतीय युवाओं को प्रति व्यक्ति 3,500 डॉलर के हिसाब से अब तक बेचा है।

बेरोजगार हैं निशाने पर

एडीशनल डीसीपी आदित्य सिंह ने बताया कि इस गैंग के फिलहाल दो सदस्य ही हाथ लगे हैं। दोनों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि इन लोगों के निशाने पर बेरोजागर युवक रहते हैं। क्योंकि ऐसे युवक आसानी से विदेश में नौकरी के नाम पर जाल में फंस जाते हैं। विदेश भेजने के बाद इन युवकों को वहां मौजूद दूसरा एजेंट विभिन्न ठगों के गैंग को बेचता है। प्रति युवक की कीमत लगभग 3500 डॉलर होती है।

खरीदने वाले देते हैं ठगी की ट्रेनिंग

इसके बाद जो भी इन युवकों को खरीदता है, वो इनको साइबर ठगी की ट्रेनिंग देता है। एक बार जाल में फंसे ये युवक वहां से निकलना चाहें, तो भी नहीं निकल सकते हैं। क्योंकि इनको हाउस अरेस्ट करके रखा जाता है। इनके सारे कागजात भी गैंग अपने पास रखता है, जिससे ये लोग किसी भी तरह भाग न सकें। एडीशनल डीसीपी ने बताया कि शक है कि ये गैंग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है। पुलिस अन्य साथियों की तलाश में जुटी हुई है।

हाईकोर्ट से सपा को बड़ी राहत : मुरादाबाद पार्टी दफ्तर खाली कराने का आदेश रद्द

प्रशासन ने दिया था नोटिस

मुरादाबाद, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने समाजवादी पार्टी को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने मुरादाबाद में सपा के जिला कार्यालय को खाली कराने के प्रशासनिक आदेश को रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले से पार्टी कार्यकर्ताओं को राहत मिली है। मुरादाबाद स्थित समाजवादी पार्टी के कार्यालय का आवंटन प्रशासन ने 16 सितंबर को निरस्त कर दिया था।

जिला प्रशासन की ओर से जारी नोटिस में कहा गया था कि यह भवन नजूल की भूमि पर बना है, जो नगर निगम के प्रबंध क्षेत्र में आती है। आदेश में उल्लेख था कि नोटिस की अवधि पूरी होने के बाद नगर निगम की टीम भवन पर कब्जा लेगी। इससे पहले 30 जुलाई को भी प्रशासन ने सपा जिलाध्यक्ष को नोटिस जारी कर कार्यालय खाली करने को कहा था। इसके जवाब में सपा जिलाध्यक्ष ने प्रशासन को बताया था कि कार्यालय का किराया नियमित रूप से जमा किया जाता रहा है और पार्टी का कब्जा पूरी तरह वैध है।

प्रशासन ने अपने आदेश में शासनादेश का हवाला देते हुए कहा था कि किसी भी भवन का आवंटन अधिकतम 15 वर्ष तक ही वैध रह सकता है, जबकि सपा कार्यालय को तीन दशक से अधिक समय बीत चुका है। इसी आधार पर आवंटन रद्द करने का निर्णय लिया गया था। सपा ने इस नोटिस को भेदभावपूर्ण और अनुचित बताते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। पार्टी का कहना था कि उन्होंने कभी भी किराए या नियमों का उल्लंघन नहीं किया। सभी बकाया नियमित रूप से जमा किए गए हैं, बावजूद इसके केवल राजनीतिक कारणों से कार्रवाई की जा रही है।

बिहार विधानसभा चुनाव : 30 अक्टूबर को जारी हो सकता है एनडीए का घोषणापत्र

पटना, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा नीत एनडीए का घोषणापत्र 30 अक्टूबर को जारी किया जा सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एनडीए राज्य में घोषणापत्र को 'विकसित बिहार' शीर्षक के साथ जारी करेगा। बिहार में एनडीए के घोषणापत्र में छात्र, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र पर अधिक फोकस किया जा सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से 25 अक्टूबर को खगड़िया में रैली के दौरान इसके संकेत दिए गए थे। उन्होंने कहा था, बिहार डबल इंजन से लैस होकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ चला है। एनडीए सरकार बिहार को आगे ले जाने के लिए तैयार है। हमारी स्पष्ट नीति है, स्कूल-कॉलेज में पढ़ाई, टाइम पर दवाई, खेतों में सिंचाई और हर घर में पानी की सप्लाई।

2025 के बिहार चुनाव में मुख्य मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और महागठबंधन के बीच है। राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाले महागठबंधन में कांग्रेस, भाकपा, भाकपा-माले, माकपा और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं। हालांकि, बिहार में महागठबंधन मंगलवार शाम को अपना घोषणापत्र जारी करेगा। तेजस्वी यादव पहले ही नाई, कुम्हार, बढ़ई, लोहार, माली और मोची जैसी मेहनतकश जातियों के स्वरोजगार, आर्थिक उत्थान और उन्नति के लिए 5 साल के लिए 5 लाख की एकमुश्त ब्याज रहित राशि देने की घोषणा कर चुके हैं। महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने यह भी घोषणा की कि उनकी सरकार आने पर त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों और ग्राम कचहरी सदस्यों को पेंशन दी जाएगी। ग्राम कचहरी प्रतिनिधियों का 50 लाख रुपये तक का बीमा कराया जाएगा। सरकार 'जन वितरण प्रणाली' के तहत वित्तीय सहायता भी बढ़ाएगी और प्रति क्विंटल भुगतान की दर भी बढ़ाएगी।

अब्दुल्ला आजम को पासपोर्ट कोर्ट में जमा करने का आदेश

रामपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम को अपना पासपोर्ट कोर्ट में जमा करना होगा। कोर्ट ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किया है। मामला दो पासपोर्ट से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष ने अदालत में प्रार्थना पत्र देकर कहा था कि अब्दुल्ला आजम का एक पासपोर्ट इम्पाउंड है, जिसे कोर्ट में प्रस्तुत किया जाए। इस पर अब्दुल्ला की ओर से अधिवक्ता ने बार-बार आपत्ति दाखिल करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने उनकी आपत्ति का अवसर समाप्त करते हुए पासपोर्ट तलब करने का आदेश दिया।

ट्रेन के आते ही प्रेमी युगल ने लगा दी छलांग

गोरखपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोरखपुर के पिपराइच रेलवे स्टेशन पर सोमवार देर शाम प्रेमी युगल ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। युवक की पहचान नगर पंचायत के विश्वकर्मा कुमार (22) और युवती की दिव्या (18) के रूप में हुई।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों काफी देर तक प्लेटफॉर्म पर बातचीत करते रहे और ट्रेन आते ही एक-दूसरे का हाथ पकड़कर रेलवे लाइन पर कूद गए। विश्वकर्मा कुमार हैदराबाद में कारपेंटर था और दिवाली पर घर आया था।

वहीं, दिव्या कपड़े की एक दुकान में काम करती थी। दोनों में एक साल से नजदीकियां थीं। पुलिस के मुताबिक सोमवार को दुकान से निकलने के बाद दिव्या ने विश्वकर्मा को फोन कर मिलने के लिए बुलाया था। बातें करते हुए दोनों पिपराइच रेलवे स्टेशन पर पहुंचे और हमसफर एक्सप्रेस के आगे छलांग लगा दी। स्टेशन मास्टर उमेश चंद्र झा की सूचना पर मौके पर पहुंची जीआरपी ने शवों को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की। इस बीच मौके पर मिले मोबाइल के जरिये युवक-युवती की पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे प्रेमी युगल के परिजनों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। दिव्या की मां ने विश्वकर्मा पर बेटी से छेड़खानी का आरोप लगाया।

बिहार को देश का नंबर वन राज्य बनाना ही हमारा विजन है : तेजस्वी

पटना, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कुछ ही देर में महागठबंधन का घोषणा पत्र जारी करेंगे। इससे पहले पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि महागठबंधन का चुनाव घोषणापत्र बिहार को देश का नंबर वन राज्य बनाने का विजन डॉक्यूमेंट होगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारे पास राज्य के विकास के लिए एक विज़न और उसका रोडमैप है। बिहार को नंबर वन राज्य बनाने का हमलोगों ने प्रण लिया है। तेजस्वी ने महागठबंधन के घोषणा पत्र को तेजस्वी प्रण पत्र नाम दिया है। वहीं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पर हमला बोलते हुए उन्होंने एनडीए पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने अब तक अपना मुख्यमंत्री चेहरा घोषित नहीं किया है। महागठबंधन ने अपना मुख्यमंत्री का चेहरा पहले ही घोषित कर दिया है। आज हम 'तेजस्वी प्रण पत्र' जारी कर रहे हैं, जिसमें बताया गया है कि अगले पांच साल में हम बिहार को कैसे आगे ले जाएंगे। हम चाहते हैं कि एनडीए भी अपने मुख्यमंत्री का नाम बताए। उनके पास क्या योजनाएं हैं? उनका विज़न क्या है? बिहार को आगे कैसे ले जाएंगे? हमने रोडमैप दिया है, विज़न दिया है, और स्पष्ट किया है कि हम बिहार को नंबर वन बनाएंगे। लेकिन वे सिर्फ नकारात्मक बातें करते हैं और हमारे नेताओं पर आरोप लगाते हैं। तेजस्वी यादव ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के लिए कोई ठोस काम नहीं किया। जब भी प्रधानमंत्री बिहार आते हैं, वे विपक्षी नेताओं को गालियां देते हैं और नकारात्मक राजनीति को बढ़ावा देते हैं। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने दावा किया कि इस बार जनता बिहार में परिवर्तन लाने का मन बना चुकी है।

दिवाली पर आरोपी प्रशांत से मिलने गई थीं डॉक्टर

> झगड़े के बाद छोड़ा घर; सतारा मामले में बड़ा खुलासा

सतारा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सतारा में बीते दिनों एक महिला डॉक्टर द्वारा आत्महत्या करने के मामले में नया मोड़ आया है। महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने सोमवार को बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि 28 वर्षीय महिला डॉक्टर दिवाली के दिन आरोपी प्रशांत बानकर के घर गई थीं, जहां दोनों के बीच फोटो खींचने को लेकर झगड़ा हुआ। झगड़े के बाद डॉक्टर वहां से निकल गईं और बाद में होटल में जाकर ठहरीं। यह मामला महाराष्ट्र के फलटण (सातारा जिला) का है, जहां डॉक्टर सरकारी अस्पताल में कार्यरत थीं। डॉक्टर का शव पिछले गुरुवार रात एक होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला था।

बानकर से लगातार संपर्क में थीं महिला डॉक्टर

आत्महत्या से पहले डॉक्टर ने अपनी हथेली पर लिखा था कि पीएसआई गोपाल बदाने ने कई बार उसका यौन शोषण किया, जबकि सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बानकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। रूपाली चाकणकर ने बताया कि डॉक्टर और दोनों आरोपियों के कॉल रिकॉर्ड से पता चलता है कि मार्च के बाद से डॉक्टर की पीएसआई बदाने से कोई बातचीत नहीं हुई थी, लेकिन बानकर से लगातार संपर्क में थीं। उन्होंने कहा लक्ष्मी पूजा के दिन डॉक्टर बानकर के घर पर थीं। दोनों के बीच फोटो क्लिक करने को लेकर विवाद हुआ। बानकर के पिता ने डॉक्टर को मनाकर वापस घर लाने की कोशिश की, लेकिन वो फिर से निकलकर एक लॉज में चली गईं।

चाकणकर ने बताया कि डॉक्टर ने बानकर को कई संदेश भेजे, जिनसे साफ है कि वो तनाव में थीं और कोई ठोस कदम उठाने की सोच रही थीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण फांसी से दम घुटना पाया गया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस आत्महत्या में किसी और की भूमिका भी थी।

एसआईटी से जांच और फास्ट-ट्रैक कोर्ट में सुनवाई की मांग

महाराष्ट्र के सतारा में आत्महत्या करने वाली महिला डॉक्टर के परिवार ने सोमवार को मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि मामले की सुनवाई बीड की फास्ट-ट्रैक कोर्ट में होनी चाहिए। परिवार के सदस्यों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनकी बहन के पुराने आरोपों की भी फिर से जांच होनी चाहिए। उन्होंने संदेह जताया कि आरोपी पुलिस सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदाने ने मुख्यमंत्री के दौरे से ठीक पहले आत्मसमर्पण करने से पहले सबूत नष्ट किए होंगे। बीड की रहने वाली 28 वर्षीय डॉक्टर बृहस्पतिवार रात फलटण के होटल में मृत मिली थीं। उन्होंने सुसाइड नोट में सब-इंस्पेक्टर बदाने पर बार-बार दुष्कर्म और इंजीनियर प्रशांत बानकर पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। दोनों आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बलात्कार के आरोपों की जांच भी जारी

उन्होंने यह भी बताया कि डॉक्टर और पुलिस के बीच पहले भी विवाद हुआ था। पुलिस ने शिकायत की थी कि डॉक्टर मेडिकल फिटनेस जांच के दौरान असहयोग करती थीं, जबकि डॉक्टर ने आरोप लगाया था कि पुलिस देर रात आरोपियों को जांच के लिए लाती थी।

जांच समिति ने डॉक्टर को दूसरे पद पर स्थानांतरित करने की सिफारिश की थी, लेकिन उन्होंने वही पद जारी रखने पर जोर दिया। सातारा के पुलिस अधीक्षक तुषार दोशी ने पुष्टि की कि डॉक्टर और बानकर के बीच मैसेज का आदान-प्रदान हुआ था। साथ ही, PSI बदाने के खिलाफ लगे बलात्कार के आरोपों की जांच भी जारी है।

गुजरात में एक गांव में घुसा 8 शेरों का झुंड

एक गाय का शिकार किया, रात भर गांव में ही रुककर सुबह जंगल लौटे

गिर सोमनाथ, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात में गिर-सोमनाथ जिले के गांवों में एक बार फिर शेरों की आमद ने दहशत फैला दी है। कोडिनार तालुका के पेढवाड़ा गांव में रात में एक साथ 8 शेरों का झुंड घुस आया। सबसे पहले इनमें से एक शेरनी ने सड़क पर बैठे मवेशियों पर हमला किया। शेरों ने कुछ घरों में भी घुसने की कोशिश की, जिससे लोग दहशत में आ गए।

काफी देर तक गांव की सड़कों पर घूमने के बाद झुंड ने एक गाय का शिकार किया। इतना ही नहीं, शिकार खाने के बाद भी शेरों का झुंड गांव में ही डटा रहा। रात भर गांव में रुकने के बाद तड़के सुबह झुंड जंगल की ओर रवाना हो गया।

सीसीटीवी फुटेज में नजर आए शेर

शेरों की चहल-पहल के कुछ नजारे गांव के घरों में लगे सीसीटीवी में कैद हुए तो कुछ लोगों ने घरों की छतों से इनके वीडियो बनाए। अब ये वीडियो वायरल हो रहे हैं। सूचना मिलते ही वन-विभाग की टीम गांव पहुंची। वन-विभाग ने गांवों में गश्त बढ़ा दी है। दो दिन पहले पांच शेरों के झुंड ने कोडिनार तालुका के सिंधज गांव में भी एक गाय का शिकार किया था। हाल ही में हुई शेरों की गणना में शेरों और शेरनियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। विधानसभा में सीएम भूपेंद्र पटेल ने शेरों की गिनती के बाद नए आंकड़े जारी किए थे। साल 2020 में 674 शेर थे, जो अब बढ़कर 891 हो गए हैं। इनमें 196 शेर, 330 शेरनियां और 225 शावक शामिल हैं।

इस साल 10 से 13 मई 2025 के बीच अत्याधुनिक तकनीक से शेरों की गिनती की गई, जिसके आधार पर यह आंकड़ा जारी किया गया है। गुजरात के 11 जिलों की 58 तहसीलों में शेरों की उपस्थिति दर्ज की गई है। जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, द्वारका, पोरबंदर और राजकोट जिलों में शेर पाए गए हैं।

शाह पर टिप्पणी के बाद शिंदे का उद्धव पर पलटवार

जो दूसरों को बताते हैं, वे खुद असली एनाकोंडा

मुंबई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में बयानबाजी ने एक बार फिर गरमी बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें मुंबई की कोषागार पर लिपटा एनाकोंडा कहा। यह प्रतिक्रिया उद्धव ठाकरे के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मुंबई को निगलने वाला एनाकोंडा कहा था।

पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि जो दूसरों को एनाकोंडा बताते हैं, वे खुद असली एनाकोंडा हैं। ये लोग मुंबई की कोषागार पर लिपटे हुए हैं, और इनका पेट कभी नहीं भरता। शिंदे ने आगे कहा कि ठाकरे गुट ने मुंबई को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएमसी की कोषागार से लेकर कोविड काल की खिचड़ी तक में घोटाले हुए हैं। भ्रष्टाचार के आरोप और उदाहरण शिंदे ने कहा कि उन्होंने मुंबई, उसकी कोषागार, प्लॉट्स, मरीजों की खिचड़ी, शवों के बैग और यहां तक कि मिठी नदी की गाद तक को निगल लिया।

इनका भ्रष्टाचार की भूख कभी खत्म नहीं होती। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में जब शिवसेना (अविभाजित) 1997 से 2022 तक लगातार 25 साल बीएमसी पर काबिज रही, तब भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा। शिंदे ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) को अब जवाब देना चाहिए कि मुंबई के विकास के नाम पर उन्होंने आखिर किया क्या। ठाकरे द्वारा अमित शाह को 'एनाकोंडा' कहे जाने के बाद भाजपा ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी।

इंडियन एयरफोर्स को मिलेंगे 6 नए रिफ्यूलिंग विमान

फाइटर जेट्स में हवा में ही फ्यूल भरा जा सकेगा इजराइल से 8 हजार करोड़ की डील संभव

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडियन एयरफोर्स में 6 नए मिड-एयर रीफ्यूलिंग (हवाई ईंधन भरने वाले) विमान शामिल करने के लिए इजराइल की कंपनी से 8 हजार करोड़ रुपये की डील अंतिम दौर में है। कंपनी इजराइल सरकार के स्वामित्व वाली 'इजराइल एयरक्राफ्ट इंडस्ट्रीज' (आईएआई) है।

इस डील के लिए रूस और यूरोप की कुछ कंपनियां भी दौड़ में थीं, लेकिन वे तकनीकी शर्तें और 'मेक इन इंडिया' नियम पूरे नहीं कर पाईं। आईएआई ने ऑफसेट नीति के तहत लगभग 30% 'मेक इन इंडिया' सामग्री शामिल करने पर सहमति जताई है। आईएआई की डील के तहत पुराने बोइंग 767 कमर्शियल विमानों में बदलाव कर उन्हें टैंकर विमानों में बदला जाएगा। कंपनी ने ऑफसेट नीति के तहत लगभग 30% 'मेक इन इंडिया' सामग्री शामिल करने पर सहमति जताई है।

15 साल से हो रही थी डील में देरी

भारत सरकार ने पिछले 15 सालों में कई बार नए टैंकर विमान खरीदने की प्रयास किए गए, लेकिन हर बार किसी न किसी वजह से सौदा अधूरा रहा जाता था। दरअसल, वायुसेना अपने पुराने विमानों को धीरे-धीरे हटा रही है। नए लड़ाकू विमान मिड-एयर रीफ्यूलिंग की मदद से लंबी दूरी तक उड़ान भर सकेंगे। इंडियन एयरफोर्स हाल ही में एक विमान किराए पर भी लिया है, लेकिन बढ़ती हवाई क्षमताओं और नई पीढ़ी के फाइटर जेट्स के लिए और ज्यादा टैंकर विमानों की जरूरत है।

इंडियन आर्मी और एयरफोर्स को 200 नए हल्के हेलिकॉप्टर मिलेंगे

इंडियन आर्मी और एयरफोर्स अपने पुराने चेतक और चीता हेलिकॉप्टरों को हटाकर करीब 200 नए हल्के हेलिकॉप्टर खरीदने की तैयारी कर रही है। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने रिक्वेस्ट फॉर इन्फॉर्मेशन (आरएफआई) जारी किया है। इन नए हेलिकॉप्टरों को रिकॉनेसेन्स और सर्विलांस हेलिकॉप्टर (आरएसएच) के तौर पर बांटा गया है। इनमें से 120 हेलिकॉप्टर भारतीय सेना और 80 हेलिकॉप्टर वायुसेना को दिए जाएंगे। ये हेलिकॉप्टर दिन और रात दोनों समय में काम कर सकेंगे।

रक्षा मंत्रालय का उद्देश्य तकनीकी जरूरतें तय करना, खरीद प्रक्रिया पर निर्णय लेना और संभावित आपूर्तिकर्ताओं की पहचान करना है। इसमें भारतीय कंपनियों को भी शामिल किया जाएगा जो विदेशी कंपनियों (ओईएमएस) के साथ साझेदारी करके हेलिकॉप्टर बना सकें।

पेपर लीक मामले में सीबीआई ने देर रात दर्ज किया मुकदमा

खालिद, सुमन, साबिया और हीना को बनाया आरोपी

देहरादून, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेपर लीक मामले में सीबीआई ने देर रात दर्ज मुकदमा दर्ज कर लिया। मामले में खालिद, सुमन, साबिया और हीना को आरोपी बनाया गया। देहरादून एसीबी शाखा में नकल विरोधी कानून के तहत केस दर्ज किया। असिस्टेंट सुप्रिटेंडेंट राजीव चंदोला को सौंपी गई जांच। गत 21 सितंबर को उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से स्नातक स्तरीय भर्ती परीक्षा कराई गई थी। इस परीक्षा के दौरान हरिद्वार के एक सेंटर से पेपर लीक होने की बात सामने आई थी। इस प्रकरण में युवाओं ने भी परीक्षा की शुचिता पर सवाल उठाते हुए 21 सितंबर की रात से परेड ग्राउंड के पास धरना शुरू कर दिया था। कई दौर की वार्ता युवाओं से हुई लेकिन कई दिनों तक कोई बात नहीं बन सकी थी। इस बीच पुलिस ने भी मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही थी।

शासन की ओर से पत्र जारी कर दिया गया था

दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। एकल जांच आयोग भी गठित कर दिया गया था। बावजूद इसके युवा सीबीआई जांच कराने और परीक्षा को रद्द कराने की मांग पर अड़े थे। ऐसे में 29 सितंबर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी धरनास्थल पर युवाओं के बीच पहुंचे और वहीं से सीबीआई जांच की संस्तुति कर दी। अधिकारिक तौर पर अगले दिन शासन की ओर से पत्र जारी कर दिया गया था। लगातार पुलिस मुख्यालय केंद्रीय विभागों से समन्वय बनाए हुए था। इसी बीच पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने परीक्षा रद्द कराने की घोषणा भी कर दी थी। अब सीबीआई जांच की शासन की संस्तुति पर डीओपीटी ने मंजूरी दे दी है।

पायलटों की ड्यूटी बढ़ी, थकान के कारण हादसे का जोखिम

> सुरक्षा की कीमत पर नियम बदले > एएलपीए इंडिया की आपत्ति > डीजीसीए के फैसले पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। एविएशन रेग्युलेटर डीजीसीए (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) ने हाल ही में बोइंग 787 विमानों के लिए पायलटों की फ्लाइंग ड्यूटी टाइम लिमिट को 10 घंटे से बढ़ाकर 10.5 घंटे कर दिया है। फ्लाइट ड्यूटी पीरियड (एफडीपी) भी 13 से बढ़ाकर 14 घंटे कर दी है। पायलटों की संस्था ने इस फैसले पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है यह फैसला एयरलाइंस की सुविधा के लिहाज से लिया गया है। इससे थकान का खतरा और जोखिम बढ़ जाएगा।

एएलपीए इंडिया ने उठाए सवाल

देश के पायलट संगठन एएलपीए इंडिया ने एएलपीए यानी एयर लाइन पायलट्स एसोसिएशन को लिखा भी है कि बोइंग 787 के पायलट पहले से ही सीट पीछे झुकाने की सुविधा सीमित होने के कारण पर्याप्त विश्राम नहीं कर पाते। अमेरिका की विमानन एजेंसी एफएए ने 2024 में एक आदेश जारी कर बोइंग 787 की कैप्टन सीट को पूरी तरह पीछे झुकाने पर रोक लगाई थी। इसका असर यह हुआ कि लंबी दूरी की उड़ान भरने वाले पायलटों को बीच में आराम करने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता।

एएलपीए इंडिया का कहना है- जब आराम लिमिटेड है, तो ड्यूटी का समय बढ़ाना थकान से जुड़ी गलतियों को न्योता देना है। भारत को एफएए के निर्देश को ध्यान में रखते हुए पायलटों की ड्यूटी अवधि घटानी चाहिए थी, पर उल्टा बढ़ा दिया गया है।

डीजीसीए का कहना : वहीं, डीजीसीए के अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि यह व्यवस्था कुछ चुनिंदा बोइंग 787 उड़ानों के लिए अस्थाई व आंतरिक है। पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण रीरूटिंग करना पड़ रहा है। यह विस्तार 26 अक्टूबर 2025 से 31 मार्च 2026 तक ही वैध रहेगा।

एयरलाइंस को फायदा : अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर तीन-पायलट क्रू रखने से लागत बढ़ती है, जबकि दो-पायलट क्रू से 10.5 घंटे तक उड़ान की अनुमति मिलने से एक पूरा क्रू सेट बचाने का फायदा होता है।

दूसरे देशों में क्या हैं नियम

यूरोप में ईएएसए दो-पायलट वाली लंबी उड़ानों के लिए 10 घंटे की सीमा रखती है। वहीं, अमेरिका में एफएए 10 घंटे से ज्यादा की उड़ानों पर तीन-पायलट क्रू को अनिवार्य करती है ताकि थकान से जुड़ा खतरा न बढ़े।

छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन पर उर्दू नाम का विरोध

मुंबई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर कर दिया गया है। 25 अक्तूबर को इसकी आधिकारिक रूप से घोषणा हो चुकी है। नया स्टेशन कोड सीपीएसएन होगा। इस बीच भाजपा ने रेलवे स्टेशन के बोर्ड पर उर्दू में नाम लिखे जाने का विरोध किया है। भाजपा विधायक संजय केनेडर ने मंगलवार को मांग की है कि रेलवे स्टेशन के बोर्ड पर उर्दू में लिखा गया' छत्रपति संभाजीनगर नाम हटाया जाए। भाजपा विधायक संजय केनेकर ने मंगलवार (28 अक्तूबर) को मांग की है कि रेलवे स्टेशन के बोर्ड से उर्दू लिपि में लिखा 'छत्रपति संभाजीनगर' नाम हटाया जाए।

फाइव स्टार होटल में महिला से छेड़छाड़-मारपीट

सामूहिक दुष्कर्म के मामले में जेल जा चुके शख्स पर आरोप

कोलकाता, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक महिला के साथ फाइव-स्टार होटल के नाइटक्लब में बदसलूकी और मारपीट का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि क्लब में कुछ लोगों ने उससे छेड़छाड़ की और उसे मारा-पीटा। पुलिस के मुताबिक, यह घटना रविवार की है। रात को नाइटक्लब में एक झगड़ा हुआ था। बताया गया है कि शिकायतकर्ता अपने पति, भाई और दोस्तों के साथ मौजूद थीं। यह झगड़ा तड़के करीब 4:15 बजे शुरू हुआ और करीब डेढ़ घंटे तक चला।

एफआईआर में जिन लोगों का नाम दर्ज हुआ है, उनमें कारोबारी नासिर खान और उनका भतीजा जुनैद खान शामिल हैं। नासिर खान पहले एक सामूहिक दुष्कर्म मामले में जेल जा चुका है और वर्ष 2020 में रिहा हुए थे। महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि आरोपियों ने उन पर बोतलें फेंकीं और उन्हें गलत तरह से छूने की कोशिश की।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि झगड़े के दौरान उसके परिवार के सदस्य क्लब में उस जगह छिपने को मजबूर हुए, जहां शराब रखी जाती है। हालांकि, नासिर खान ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार करते हुए दावा किया कि घटना के समय वे वहां मौजूद नहीं थे।

दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए कमर्शियल वाहनों पर रोक

राजधानी में पहला क्लाउड सीडिंग ट्रायल होगा, कानपुर से स्पेशल विमान ने उड़ान भरी

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में प्रदूषण को रोकने के लिए ऐसे कमर्शियल व्हीकल्स की एंट्री पर रोक लगा दी है, जो बीएस-6 (बीएस-VI) मानकों के अनुरूप नहीं हैं। कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने मंगलवार को आदेश जारी किया। उधर, राजधानी में क्लाउड सीडिंग का पहला ट्रायल होगा। इसके लिए कानपुर से स्पेशल विमान 'सेसना' ने उड़ान भरी है। ऐसा कहा जा रहा है कि क्लाउड सीडिंग उत्तर दिल्ली के बुराड़ी इलाके में की जाएगी।

इस बीच दिल्ली की एयर क्वालिटी में सुधार आया है। मंगलवार सुबह एक्यूआई 306 से रिकॉर्ड किया गया। यह सोमवार को 315 से कम था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, इस गिरावट के बावजूद, एअर क्वालिटी अभी भी 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी हुई है।

आईआईटी कानपुर के स्पेशल एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल होगा

क्लाउड सीडिंग के लिए डीजीसीए ने पहले ही परमिशन दे दी थी। 23 अक्टूबर को राज्य सरकार ने राजधानी में पहली बार कृत्रिम बारिश का सफल टेस्ट किया था। दिवाली के बाद से लगातार एयर क्वालिटी में तेजी से गिरावट आई है। राजधानी की हवा की गुणवत्ता 'बेहद खराब' बनी हुई है।

छठ के बाद लौटने वालों के लिए राहत, रेलवे ने चलाईं कई स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। छठ महापर्व का आज आखिरी दिन था। चार दिन का ये महापर्व 25 अक्तूबर को नहाय खाय से शुरू हुआ था। मंगलवार को उगते सूरज को 'ऊषा अर्घ्य' के साथ खत्म हो गया। इसी के साथ छठ मना चुके लोगों का अपने गंतव्य लौटना शुरू हो गया है। रेलवे ने ऐसे यात्रियों के लिए स्पेशल ट्रेनें शुरू की है। ये ट्रेनें 29 अक्तूबर यानी बुधवार को चलेंगी और अगले दिन गंतव्य को पहुंचेंगी। भारतीय रेलवे ने अपील की है कि सुविधाजनक सफर के लिए लोग इन ट्रेनों से यात्रा करें। इनका शेड्यूल जारी कर दिया गया है।

रेलवे ने बिहार और उत्तर प्रदेश के कई प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्पेशल ट्रेनों को शुरू करने के साथ ही ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी जोड़े है। इसके अलावा, स्टेशनों पर अतिरिक्त स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन, टिकट काउंटर और मोबाइल टिकटिंग सुविधाएं शुरू की गई है, ताकि टिकट खरीदना आसान हो। यात्रियों की सुरक्षा और सहायता के लिए रेलवे ने रेलवे सुरक्षा बल की तैनाती बढ़ा दी है। स्टेशनों पर यात्री सहायता बूथ, लाइन मैनेजमेंट और अनाउंस सिस्टम को और मजबूत किया गया है। रेलवे ने 24×7 वॉर रूम बनाए हैं, जो यात्रियों की समस्याओं का तुरंत समाधान कर रहे हैं।बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गया और सहरसा स्टेशनों पर 24×7 मेडिकल बूथ स्थापित किए गए हैं। इन स्टेशनों पर फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस सेवाएं भी तैयार रखी गई हैं, ताकि किसी आपात स्थिति में तुरंत मदद मिल सके। ये इंतजाम यात्रियों को आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव दे रहे हैं।

ट्रेन नंबर 05651 न्यू जलपाईगुड़ी-छपरा अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 29 अक्तूबर, 2025 को न्यू जलपाईगुड़ी से 15.00 बजे प्रस्थान कर किशनगंज से 16.10 बजे, कटिहार से 18.45 बजे, काढ़ागोला रोड से 19.10 बजे, नौगछिया से 19.35 बजे, मानसी से 20.24 बजे, खगड़िया से 20.36 बजे, बेगूसराय से 21.12 बजे, बरौनी से 22.02 बजे, मोहीउद्दीन नगर से 22.40, शाहपुर पटोरी से 22.54 बजे, मेहनार रोड से 23.05 बजे, देसरी से 23.17 बजे, अक्षयवट राय नगर से 23.27 बजे, हाजीपुर से 23.40 बजे तथा सोनपुर से 23.50 बजे छूटकर दूसरे दिन छपरा 01.15 बजे पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 05616 दिल्ली-छपरा पूजा विशेष गाड़ी 29 अक्तूबर, 2025 को दिल्ली से 04.00 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 04.52 बजे, मुरादाबाद से 08.05 बजे, शाहजहांपुर से 10.40 बजे, हरदोई से 11.32 बजे, लखनऊ से 13.20 बजे, अयोध्या कैंट से 16.45 बजे, अकबरपुर से 17.57 बजे, शाहगंज से 19.22 बजे वाराणसी से 21.20 बजे, वाराणसी सिटी से 21.37 बजे, औड़िहार 22.12 बजे, गाजीपुर सिटी से 23.05 बजे, यूसूफपुर से 23.22 बजे तथा बलिया से 23.57 बजे छूटकर दूसरे दिन छपरा 01.30 बजे पहुंचेगी।

ट्रेन नंबर 05613 न्यू जलपाईगुड़ी-सीवान अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 29 अक्तूबर, 2025 को न्यू जलपाईगुड़ी से 11.00 बजे प्रस्थान कर किशनगंज से 12.10 बजे, कटिहार से 14.45 बजे, काढ़ागोला रोड से 15.10 बजे, नौगछिया से 15.35 बजे, मानसी से 16.24 बजे, खगड़िया से 16.36 बजे, बेगूसराय से 17.12 बजे, बरौनी से 18.02 बजे, मोहीउद्दीन नगर से 18.40, शाहपुर पटोरी से 18.54 बजे, मेहनारा रोड से 19.05 बजे, देसरी से 19.17 बजे, अक्षयवट राय नगर से 19.27 बजे, हाजीपुर से 19.40 बजे, सोनपुर से 19.57 बजे, छपरा ग्रामीण से 21.10 बजे, खैरा से 21.40 बजे, मढ़ौरा 22.17 बजे, मशरख से 22.39 बजे, दिघवा दुबौली से 23.10 बजे, रतनसराय से 23.42 बजे दूसरे दिन गोपालगंज से 00.04 बजे तथा थावे से 00.22 बजे छूटकर सीवान 01.00 बजे पहुंचेगी।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 29 अक्टूबर- 2025

आखिर कब जागेंगे अफसर!

आपको याद होगा, ठीक दो सप्ताह पहले 14 अक्टूबर को जैसलमेर में एक स्लीपर बस में आग लगी थी, जिसमें 28 यात्रियों की मौत हो गई थी। लेकिन अफसोस कि उन 28 मौतों के बाद भी न परिवहन विभाग के अफसर जागे और न ही प्रशासन व सरकार। यदि उसी समय नियम विरुद्ध चलने वाली बसों के खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई कर दी गई होती तो शायद आज राजस्थान की राजधानी जयपुर में भी बस में आग लगने का भीषण हादसा नहीं हुआ होता। आज जयपुर के पास शाहपुरा में भी एक स्लीपर बस हादसे ने परिवहन विभाग के अफसरों की पोल खोल दी है। खबरों के अनुसार जिस बस में आग लगी और तीन लोग जिंदा जल गए, उसकी छत पर काफी सामान रखा हुआ था। जिसमें गैस सिलेंडर और मोटरसायकिल तक रखी गई थी। सिवाय जिम्मेदार अफसरों के सब जानते हैं कि स्लीपर बस की ऊंचाई सामान्य बस से ज्यादा होती है। शाहपुरा में जिस स्लीपर बस में आज हादसा हुआ। उस बस की छत पर काफी सामान रखा हुआ था। स्लीपर बस जब नेशनल हाईवे से नीचे उतर कर टोड़ी गांव की ओर जा रही थी। तभी रास्ते में बस की छत रखे सामान से हाईटेंशन लाइन के तार छू गए। जैसे ही हाईटेंशन लाइन के तार बस की छत पर रखे सामान से टच हुए, वैसे ही बस के ऊपरी हिस्से में आग लग गई। जब तक यात्री बस से नीचे उतरते तब तक आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया था। इस हादसे में तीन लोगों की मौत तो हुई दस लोग बुरी तरह से झुलस गए हैं। आखिर परिवहन अफसरों व बस आपरेटरों को कौन बताएगा कि बसों की छतों पर सामान रख कर ले जाना नियम विरुद्ध है। शायद इसीलिए रोडवेज की बसों की छत पर एंगल ही नहीं लगाई जाती ताकि ना तो यात्री ऊपर चढ सकें और ना ही सामान रख सकें। लेकिन कमाने के लालची निजी बसों और स्लीपर बसों के मालिक छतों की ऐसी बॉडी बनवाते हैं ताकि यात्री भी सवार हो सकें और जरूरत पडने पर अनाप-शनाप सामान भी रखा जा सके। यह हालात सिर्फ दिल्ली और जयपुर की बसों की ही नहीं है, कमोबेश पूरे देश की स्लीपर बसों की यही रामकहानी है। ऐसी बसों की बाडी ऐसी बनाई जाती है कि यात्रियों के नीचे के हिस्से में भी टनों माल भरा जा सके। हाल ही में कुर्नूल में हुई बस जलने की घटना में भी इसी तरह कुछ अनावश्यक सामान लादा गया था। जयपर के पास आज शाहपुरा में हादसे की वजह भी स्लीपर बस की छत पर रखा सामान था। अब जयपुर आरटीओ ने आज से ही 'नो लगेज अभियान' शुरू करने का ऐलान किया है। निजी और स्लीपर बसों की छतों पर रखे जाने वाले सामान के खिलाफ जयपुर आरटीओ प्रथम ने अभियान चलाने का ऐलान किया है। आरटीओ ने सभी इंस्पेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि जिस भी बस की छत पर सामान रखा हो, उस बस को तुरंत सीज कर दिया जाए और चालक के साथ बस मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। शाहपुरा में जो स्लीपर बस हादसे का शिकार हुई। वह यूपी के बागपत से आई थी। शाहपुरा के पास ईंट भट्टों में काम करने के लिए मजदूरों को लेकर आई थी। हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई जबकि करीब एक दर्जन मजदूर घायल हैं। गंभीर रूप से झुलसे मजदूरों को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यदि इस घटना के बाद भी परिवहन विभाग ने कोई सबक नहीं लिया तो फिर यात्रियों का तो भगवान भी मालिक नहीं है।

दो ताकतों की नई शुरुआत

आरके जैन

26 अक्टूबर की रात, कोलकाता का नेताजी सुभाष चंद्र बोस हवाई अड्डा। अंधेरा घना था, लेकिन रनवे की लाइट्स एक नई शुरुआत की चमक बिखेर रही थीं। इंडिगो का विमान 6ई-1703, ग्वांगझोउ (चीन) के लिए तैयार था—पांच साल बाद भारत और चीन को जोड़ने वाली पहली सीधी उड़ान। जैसे ही विमान ने उड़ान भरी, यह सिर्फ आसमान में नहीं उड़ा; यह दो पड़ोसी महाशक्तियों के बीच जमी बर्फ को पिघलाने का प्रतीक बना। गलवान की ठंडी घाटियों ने इनके रिश्तों को जकड़ लिया था, लेकिन यह उड़ान विश्वास की नई राह तलाश रही थी। यह पल सिर्फ यात्रियों का नहीं, बल्कि दो अरब से अधिक लोगों के भविष्य का प्रतीक था। क्या यह उड़ान आपसी समझ और सहयोग की नई ऊंचाइयों को छूएगी, या सीमा विवादों और आर्थिक तनाव की धुंध में गुम हो जाएगी? यह महज एक हवाई यात्रा नहीं, बल्कि भारत-चीन संबंधों में एक नए अध्याय की साहसिक शुरुआत है—उम्मीदों से भरी, सतर्कता से संतुलित, और जटिलताओं से रंगी।

पांच साल पहले, भारत-चीन संबंधों का आकाश काले बादलों से घिर गया था। मार्च 2020 में कोविड-19 ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को ठप किया, लेकिन जून 2020 में गलवान घाटी का खूनी संघर्ष ने दोनों देशों के बीच गहरी खाई खोद दी। 1975 के बाद सबसे घातक इस टकराव में 20 भारतीय और चार चीनी सैनिकों की जान गई। 3,440 किलोमीटर लंबी एलएसी (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) पर तनाव चरम पर था, जहां दोनों देशों ने 50,000 से अधिक सैनिक तैनात किए।

व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान रुक गए; भारतीय यात्रियों को चीन पहुंचने के लिए सिंगापुर या बैंकॉक जैसे तीसरे देशों का सहारा लेना पड़ता, जिससे लागत 30-40% बढ़ गई। 2024 तक, विश्वास की कमी ने दोनों देशों को एक-दूसरे से और दूर कर दिया था। अक्टूबर 2024 में सीमा गश्त पर ऐतिहासिक समझौते ने सैनिकों की वापसी का रास्ता खोला। अप्रैल 2025 में दोनों देशों ने 75 साल के राजनयिक रिश्तों का उत्सव मनाया, और जुलाई में भारत ने चीनी पर्यटकों के लिए वीजा सेवाएं बहाल कीं। ये छोटे कदम थे, लेकिन वैश्विक दबाव और आर्थिक जरूरतों ने इन्हें गति दी। 2025 में भू-राजनीतिक बदलावों ने भारत-चीन संबंधों को नया मोड़ दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों, विशेषकर रूस से तेल आयात पर भारत के लिए 50% और चीन के लिए 100% टैरिफ की धमकी ने दोनों देशों को पश्चिमी बाजारों की नाजुकता का एहसास कराया। अगस्त 2025 में तियानजिन में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात ने सहयोग की नई राह खोली। इस मुलाकात ने $99.2 बिलियन के व्यापार घाटे को कम करने के लिए ठोस कदमों को बढ़ावा दिया। अगस्त 2025 में चीनी विदेश मंत्री वांग यी की दिल्ली यात्रा ने सीमा शांति और निवेश पर चर्चाओं के साथ इस नींव को मजबूत किया। इन प्रयासों ने सीधी उड़ानों की बहाली का मार्ग प्रशस्त किया, जो न केवल हवाई संपर्क की वापसी थी, बल्कि दो महाशक्तियों के बीच विश्वास और साझा भविष्य की ओर एक साहसिक कदम था।

उड़ानों की बहाली महज हवाई संपर्क का मामला नहीं, बल्कि एक रणनीतिक मास्टरस्ट्रोक है। 2 अक्टूबर 2025 को विदेश मंत्रालय ने ऐलान किया: 26 अक्टूबर से कोलकाता-ग्वांगझोउ और 10 नवंबर से दिल्ली-ग्वांगझोउ रूट्स पर इंडिगो की उड़ानें शुरू होंगी। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस 9 नवंबर से शंघाई-दिल्ली उड़ानें शुरू करेगी, और एयर इंडिया दिसंबर तक दिल्ली-शंघाई रूट को जोड़ेगी। चीनी दूतावास ने जोश के साथ कहा: भारत-चीन उड़ानें सामान्यीकरण का पहला कदम हैं।"

भारत की आत्मा है, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

सुरेश गांधी

नर्मदा की शांत धाराओं के मध्य, केवडिया की गोद में खड़ी एक प्रतिमा, जो केवल पत्थर और धातु का ढांचा नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का साक्षात प्रतीक है। यह वही स्वरूप है जिसने कभी बिखरे हुए भारत को एक सूत्र में बांध दिया था। यह वही चेतना है जिसने रियासतों की दीवारें तोड़कर 'एक भारत' का सपना साकार किया। यह वही लौ है, जो अब "स्टैच्यू ऑफ यूनिटी" के रूप में अनंत काल तक प्रज्वलित रहेगी। 182 मीटर ऊँची यह मूर्ति जब सुबह के सूर्य को स्पर्श करती है, तो लगता है मानो स्वयं इतिहास अपने पुरोधा को प्रणाम कर रहा हो। नर्मदा की लहरें इसके चरणों से टकराती हैं, जैसे राष्ट्रमाता अपने पुत्र का आशीर्वाद ले रही हो। यह प्रतिमा केवल सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति नहीं, बल्कि उस विचार का स्थापत्य है जो कहता है, "एकता ही भारत की पहचान है।" आज जब विश्व भारत को नए आत्मविश्वास से देख रहा है, तब यह प्रतिमा उस अखंड भारत की गूंज बन चुकी है, जिसे सरदार ने अपने दृढ़ संकल्प और राजनीतिक कुशलता से गढ़ा था। यह केवल एक मूर्ति नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति, और राष्ट्रभाव की मूर्त व्याख्या है, भारत की एकता की जीवित प्रतिज्ञा। "अगर सरदार पटेल न होते, तो भारत आज भी रियासतों का जाल होता, न कि एक अखंड राष्ट्र।"

यह वाक्य केवल इतिहास का स्मरण नहीं, बल्कि भारतीय गणराज्य की आत्मा का उद्घोष है। इसी लौह संकल्प और राष्ट्रनिष्ठा की विराट स्मृति के रूप में 31 अक्टूबर 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के केवडिया में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का लोकार्पण किया। 182 मीटर ऊँची यह प्रतिमा विश्व की सबसे ऊँची मूर्ति है, पर यह केवल धातु और पत्थर का ढांचा नहीं। यह भारत की आत्मा का सजीव प्रतीक है। यह मूर्ति उस व्यक्ति की है जिसने विभाजन की वेदना के बीच भी देश की रियासतों को एक सूत्र में बांधने का असंभव कार्य कर दिखाया, सरदार वल्लभभाई पटेल। यह प्रतिमा केवल सरदार का स्मारक नहीं, बल्कि उनके विचारों का प्रतीकात्मक शिल्प है। इसके हर पहलू में 'एकता' का दर्शन छिपा है, ऊँचाई : 182 मीटर, गुजरात विधानसभा की 182 सीटों का प्रतीक। नर्मदा : जीवन, ऊर्जा और निरंतरता का स्रोत। धातुः जनता द्वारा दान किया गया लोहाकृजनसहभागिता का प्रतीक। दिशा : दक्षिण की ओर मुख, देश की एकता की ओर दृष्टि। वास्तु और स्थापत्य की दृष्टि से एक अजूबा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण चीन के मूर्तिकार झोउंग लियांग के निर्देशन में हुआ। इसमें 1,700 टन कांस्य (ब्रॉन्ज) और 1,850 टन इस्पात का प्रयोग हुआ। मूर्ति की आधारशिला 58 मीटर ऊँची है, और इसके अंदर एक आधुनिक संग्रहालय तथा प्रदर्शनी हॉल बनाया गया है, जहाँ सरदार पटेल के जीवन, आंदोलन और राष्ट्रनिर्माण की झलकियां प्रदर्शित हैं।

2020 में इसे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के आठ अजूबों में शामिल किया गया। यह केवल स्थापत्य का सम्मान नहीं, बल्कि भारत की उस विचारधारा का वैश्विक सम्मान है जो "विविधता में एकता" को अपने जीवन दर्शन के रूप में मानती है। भारत की आज़ादी का संघर्ष जितना गांधी की अहिंसा से जुड़ा था, उतना ही पटेल की संगठनशीलता और दृढ़ इच्छाशक्ति से भी। उन्होंने भारत को 'संघीय ढांचे में एकात्म भारत' के रूप में गढ़ा। जब 1947 में देश आज़ाद हुआ, तब 562 रियासतें अपने-अपने स्वार्थों और संधियों में बंटी थीं। कोई स्वतंत्र रहना चाहती थी, कोई पाकिस्तान में मिलना चाहती थी। ऐसे कठिन समय में लौहपुरुष ने दृढ़ता से कहा, "यह देश टुकड़ों में नहीं बँट सकता, यह एक रहेगा, अखंड रहेगा।" उनकी यही लौ आज स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के रूप में साकार है।

नर्मदा के शांत जल के किनारे स्थित यह प्रतिमा, प्रकृति और पुरुषार्थ का अद्भुत संगम है। गुजरात के नर्मदा जिले के केवडिया में स्थित यह स्मारक केवल एक स्थापत्य चमत्कार नहीं, बल्कि एक संदेश है, "जो भारत को एक कर सकता है, उसकी प्रतिमा भी उतनी ही ऊँची होगी जितना उसका आदर्श।" 182 मीटर ऊँची यह मूर्ति स्वतंत्र भारत की ऊँचाई और आत्मगौरव का प्रतीक है।

इसके निर्माण में लगभग 2,989 करोड़ रुपये की लागत आई। इसे लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) कंपनी ने चार साल में तैयार किया। इस स्मारक का लोकार्पण 31 अक्टूबर 2018 को हुआ, पटेल की जयंती के अवसर पर। आज का भारत अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, विचारों, भाषाओं, धर्मों और प्रदेशों की विविधता के बावजूद एकता की भावना को जीवित रखना किसी लौह इच्छाशक्ति से कम नहीं। पटेल ने कहा था, "राष्ट्र की शक्ति उसकी सीमाओं में नहीं, बल्कि उसकी एकता में है।" आज जब देश 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की नीति पर अग्रसर है, तब पटेल का दर्शन और भी प्रासंगिक हो जाता है। उनका जीवन बताता है कि संगठन, अनुशासन और समर्पण ही राष्ट्र की रीढ़ हैं।

नर्मदा की लहरें इस प्रतिमा के चरणों से टकराती हैं, जैसे भारत की नदियाँ अपने पिता समान पुरुष को नमन करती हों। दिन के उजाले में जब सूर्य की किरणें सरदार की मूर्ति पर पड़ती हैं, तो वह आभा बताती है कि यह कोई निर्जीव आकृति नहीं, बल्कि जीवित प्रेरणा है। रात के अंधेरे में जब यह मूर्ति रोशनी से नहाई होती है, तो लगता है, भारत का भविष्य इसी आलोक में दमक रहा है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य के भारत का घोषणापत्र है। यह हमें सिखाती है कि विचार जब कर्म से जुड़ते हैं, तब राष्ट्र अमर हो जाता है। यह स्मारक कहता है, "भारत कोई भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि चेतना है, जो समय-समय पर ऐसे महापुरुषों के माध्यम से स्वयं को नये रूप में अभिव्यक्त करती है।" 31 अक्टूबर, सरदार पटेल की जयंती, अब केवल एक तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में हर भारतीय के हृदय में अंकित हो चुकी है।

हर वर्ष जब इस दिन देशभर में 'रन फॉर यूनिटी' आयोजित होता है, तो यह केवल दौड़ नहीं, बल्कि एक संकल्प होता है, "भारत एक है, भारत अखंड रहेगा।" नर्मदा के तट पर खड़ी यह विशाल प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को याद दिलाती रहेगी कि, "जिस व्यक्ति ने भारत को एक किया, वह अब अनंत काल तक इस धरती के हर अणु में जीवित रहेगा।" नर्मदा की लहरें गुनगुनाती हैं, "वो लौहपुरुष नहीं, भारत की आत्मा हैं, जो आज भी हर दिल में बसते हैं। पत्थर नहीं, विचारों का जीवंत मंदिर हैं वो, जो हमें एकता की राह दिखाते हैं।" स्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवल एक प्रतिमा नहीं, यह उस विराट चेतना की मूर्त अभिव्यक्ति है, जो कहती है, "हम भारतीय हैं, और हमारी एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।"

जनभागीदारी से गढ़ी एकता की मूर्ति

इस प्रतिमा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे केवल सरकारी परियोजना के रूप में नहीं, बल्कि जनभागीदारी के अभियान के रूप में देखा गया। देशभर के किसानों ने अपने खेतों के पुराने औज़ार, हल, दरांती और लोहा दान दिया। इन उपकरणों से 'लोहा अभियान' चला, और उसी धातु से गढ़ी गई लौहपुरुष की यह मूर्ति। यह उस भारत की पहचान है जहाँ राष्ट्रनिर्माण केवल नेताओं का नहीं, बल्कि जन-जन की आस्था और श्रम का परिणाम होता है। सरदार वल्लभभाई पटेल (31 अक्टूबर 1875 : 15 दिसंबर 1950) का जन्म गुजरात के नडियाद में हुआ था। वकालत से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन तक, उन्होंने हर भूमिका में अनुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा।

खून के रिश्तों में बढ़ती हैवानियत

मनोज अग्रवाल

दिल्ली में लव, लिव इन और धोखे वाले कांड में खौफनाक खुलासा हुआ है. पुलिस का दावा है कि लिव इन पार्टनर ने यूपीएससी स्टूडेंट का मर्डर किया. इस मामले में पुलिस ने एक लड़की और 2 लड़कों को अरेस्ट किया है. पुलिस के मुताबिक, तीनों ने मिलकर छात्र के हत्याकांड को अंजाम दिया और इस हत्याकांड की मास्टरमाइंड अमृता चौहान फॉरेंसिक साइंस में बीएससी कर रही है. वहीं अपनी जान गंवाने वाला रामकेश मीणा दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रहा था. आरोप है कि रामकेश के साथ अमृता मई 2025 से लिव-इन में रह रही थी, लेकिन बाद में अमृता और रामकेश अलग-अलग हो गए थे. दावा यह भी किया जा रहा है कि रामकेश के पास अमृता के अश्लील फोटो-वीडियो थे. अमृता ने कहा है कि रामकेश उन फोटो-वीडियो को डिलीट नहीं कर रहा था।

इससे पहले हाल ही में हरियाणा के पंचकूला में पंजाब के पूर्व डीजीपी मुस्तफा के बेटे की संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी. इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ है और मनसा देवी कॉपलेक्स थाने में अकील अख्तर की हत्या का मामला दर्ज हुआ है. इस हत्याकांड में पिता मोहम्मद मुस्तफा, मां रजिया सुल्ताना, पत्नी, बहू और बेटी को आरोपी बनाया गया है.अहम बात है कि इस मामले में पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा और उनकी बहू के अवैध संबंधों का दावा किया गया है. खुद अकील अख्तर ने अपने पिता और पत्नी के अवैध संबंधों का जिक्र एक वीडियो में किया था.क्या इंसानी रिश्ते अब बेहद स्वार्थ भरे लालच यौन लोलुपता सेक्स और संपत्ति के आकर्षण में अंधे दौर से गुजर रहे हैं इनमें पिता पुत्र की हत्या कर रहा है विवाहिता अवैध संबंधों के चलते कोख से पैदा बच्चे पति तक के खून से हाथ रंग रहीं हैं यह कैसा दौर है जिसमें इंसानियत के नाते रिश्ते खत्म हो कर बर्बरता और खून-खराबा की ओर बढ़ रहे हैं।

आपको कुछ वारदातों के जरिए माहौल से वाकिफ कराने की कोशिश करते हैं। 20 अक्टूबर को तेलंगाना के मंचेरियल जिले में रविवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक पति ने अपनी पत्नी को पुल से नीचे धक्का देकर उसकी हत्या कर दी उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था।

दो दिन पहले ही हरियाणा के कुरुक्षेत्र में एक नाबालिग बेटे ने अपनी मां की बेरहमी से हत्या कर दी. घटना लाडवा थाना क्षेत्र के किरमच गांव की है. मृतक महिला की पहचान 45 वर्षीय मुकेश के रूप में हुई है, जो तलाकशुदा थी और अपने घर में अकेली रह रही थी. बेटे को मां का चाल चलन पसंद नहीं था। पड़ोसी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की. हाल ही में महाराष्ट्र के पालघर जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक मां को अपने ही सात वर्षीय बेटे की हत्या और दस वर्षीय बेटी पर जानलेवा हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी महिला की पहचान पल्लवी धुमडे (40) के रूप में हुई है।

जिला पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख ने बताया कि मृतक बच्चे का नाम चिन्मय धुमडे है। घटना के समय उसने अपनी मां से खाने में चिकन की मांग की थी। इसी बात पर गुस्से में आकर पल्लवी ने रोटी बनाने वाले बेलन से बेटे की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। यही नहीं, उसने अपनी दस वर्षीय बेटी पर भी बेलन से हमला किया। जिससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गई है और फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

बीते दिनों राजस्थान के बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात हुई। यहां एक युवक ने पत्नी से प्रेम संबंधों के शक में अपने ही रिश्तेदार युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी।

वहीं 16 सितंबर राजस्थान के चूरू जिले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है, जहां एक देवर ने अपनी भाभी की बेरहमी से हत्या कर दी. आरोपी देवर हितेश पारीक अपनी भाभी पूनम पारीक पर गलत नजर रखता था और उनके विरोध करने पर उसने इस वारदात को अंजाम दिया।

मई माह में सोनम रघुवंशी ने शादी के 13 दिन बाद ही अपने पति की हत्या करवा दी और अब 28 दिन बाद उसकी गिरफ्तारी हुई है. इनकी शादी 11 मई को हुई थी और 8 दिन बाद 20 मई को हनीमून मनाने मेघालय के शिलांग गए थे. इसके बाद सोनम और राजा के गायब होने की खबर आई थी.

31 अगस्त को दिल्ली के रोहिणी में एक शख्स को अपनी पत्नी और सास की बेरहमी हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि शनिवार को अपने बेटे के जन्मदिन के दौरान परिवार के दो पक्षों के बीच हुए गिफ्ट एक्सचेंज को लेकर हुए विवाद के बाद शख्स ने अपनी पत्नी और सास की हत्या कर दी।

बीती 12 अगस्त हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा में धर्मशाला से सटे सुधेड़ में हुई व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने हत्यारे का पता लगा लिया है। नाबालिग बेटे ने ही पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने हत्याकांड में मृतक के नाबालिग बेटे को पंजाब से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित को पुलिस टीम धर्मशाला ला रही है। आरोपित मां से अलग पिता के साथ रहता था। पुलिस हर पहलू को जोड़ते हुए जांच कर रही है 13 अगस्त को उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के रामनगर थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर 10 वर्षीय बेटे की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने मामले में महिला, उसके प्रेमी फैजान और उसके साथी राशिद को गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि मंगलवार की रात एक मुठभेड़ के बाद फैजान को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि उसके पैर में गोली लगी है। इसी 30 जुलाई को दिल्ली के नरेला इलाके में एक 10 वर्षीय लड़के की उसके पिता ने हत्या कर दी. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. अधिकारी ने बताया कि दिन में पहले नरेला पुलिस स्टेशन में एक बच्चे का शव मिलने की सूचना मिली थी, जिसके गले पर चोट के निशान दिखाई दे रहे थे।

ओडिशा के बलांगीर जिले में 29 जून को 12 साल के लापता बच्चे के रहस्य को सुलझा लिया है। बच्चे की हत्या उसके 17 साल के बड़े भाई ने ही की थी। आरोपी लड़के ने अपने छोटे भाई का शव घर के पास ही दफन कर दिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी अपने छोटे भाई का यौन उत्पीड़न करता था। आरोपी पोर्न देखने का आदी है।

फ़ाइलों के बीच मरती संवेदनाएँ

डॉ. सत्यवान सौरभ

हमारे समय की सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं है कि समाज अन्याय से भर गया है, बल्कि यह है कि संवेदनाएँ खोती जा रही हैं। जिस देश में शासन-व्यवस्था "सेवा" का प्रतीक होनी चाहिए थी, वहाँ अब "नौकरशाही" शब्द ही "अहंकार" और "दूरदर्शिता की कमी" का पर्याय बन चुका है। सत्ता और नौकरशाही का यह गठजोड़ जब संवेदनहीनता के साथ मिलता है, तो व्यवस्था का चेहरा निर्दयी हो जाता है।

आज आम नागरिक के लिए सरकार एक जीवित संस्था नहीं, बल्कि एक मशीन बन चुकी है—जिसमें भावनाओं की जगह नियमों का बोझ है। एक छोटी-सी समस्या के समाधान के लिए व्यक्ति फ़ाइलों के जंगल में भटकता है। फोन उठाने से लेकर जवाब देने तक हर कदम पर एक दीवार खड़ी है — उस दीवार का नाम है नौकरशाही की असंवेदनशीलता।

नौकरशाही का मूल उद्देश्य नागरिकों की सुविधा, प्रशासन की पारदर्शिता और नीतियों की समानता था। लेकिन धीरे-धीरे यह वर्ग अपने ही बनाए दायरे में कैद हो गया। सत्ता के निकट रहकर उसने "सेवा" को "सत्ता-साझेदारी" में बदल दिया। आज अधिकारी जनता के प्रतिनिधि नहीं, सत्ता के प्रतिनिधि बन चुके हैं। फ़ाइलों पर फैसले अब संवेदना से नहीं, "किसे खुश करना है और किससे बचना है" जैसी मानसिकता से लिए जाते हैं। इस मानसिकता ने शासन को जीवंतता से दूर कर दिया है।

नौकरशाही अब अपने भीतर एक ऐसा 'प्रशासनिक अहंकार' पाल चुकी है जो हर आलोचना को शत्रुता समझता है। फ़ाइलें महीनों दबाई जाती हैं, नियुक्तियाँ वर्षों तक लंबित रहती हैं, और जब जवाब माँगा जाए तो कहा जाता है — "प्रक्रिया में है।" यह "प्रक्रिया" अब बहाने का दूसरा नाम बन चुकी है। जनता के सवालों का जवाब काग़ज़ों में मिलता है, लेकिन न्याय का उत्तर शून्य में खो जाता है।

सत्ता अपने स्वभाव में आकर्षक होती है। यह व्यक्ति को शक्ति देती है, पर उसी शक्ति के साथ चरित्र की परीक्षा भी लेती है। दुर्भाग्य से, हमारे समय की राजनीति ने इस शक्ति को "जिम्मेदारी" नहीं बल्कि "विशेषाधिकार" समझ लिया है। सत्ताधारी तब तक सक्रिय रहते हैं, जब तक प्रशंसा मिलती रहती है।

लेकिन आलोचना या असहमति के क्षणों में उनकी सहनशीलता समाप्त हो जाती है। यही संवेदनहीन सत्ता का भयावह रूप है—जहाँ जनता की पीड़ा आँकड़ों में बदल दी जाती है और आँकड़ों की भाषा में संवेदना मर जाती है।

हर बार जब कोई त्रासदी होती है — दुर्घटना, दंगा, या भ्रष्टाचार — तब सत्ताधारी वर्ग कुछ ट्वीट और बयान जारी कर अपने "कर्तव्य" की इतिश्री मान लेता है। वहीं, ज़मीनी स्तर पर प्रशासन केवल रिपोर्ट तैयार करता है, जिनमें संवेदना नहीं, केवल डेटा होता है। यह स्थिति लोकतंत्र के उस आत्मा को चोट पहुँचाती है जो "जन" से शुरू होकर "जन" पर ही समाप्त होती है।

संवेदनहीनता केवल प्रशासन की नहीं, समाज की भी बीमारी बन चुकी है। आज दुर्घटनाओं के वीडियो बनाए जाते हैं, पर किसी को उठाने की हिम्मत कम ही होती है। गरीब की पीड़ा पर ताली बजाना आसान है, पर मदद करना कठिन। यह वही मानसिकता है जिसने सत्ता और जनता के बीच गहरी खाई बना दी है।

जहाँ ऊपर बैठे लोग 'नीतियों' की बात करते हैं, वहीं नीचे खड़े लोग 'रोटी' की। बीच में है नौकरशाही — जो पुल नहीं, दीवार बन चुकी है। यही वह त्रासदी है जो लोकतंत्र को भीतर से खोखला कर रही है। जनता और शासन के बीच का यह संवादहीनता का अंतराल एक दिन लोकतंत्र की जड़ें हिला सकता है।

एक समय था जब सरकारी अधिकारी "जनसेवक" कहलाते थे। यह शब्द अब मज़ाक लगता है। आज का प्रशासन इतना प्रक्रियात्मक हो गया है कि वह मनुष्यता को भूल गया है। फ़ाइलों और कानूनों की दुनिया में "संवेदना" को "अपवाद" मान लिया गया है।

यह विचलित करने वाली सच्चाई है कि जो तंत्र जनता की सेवा के लिए बना, वही तंत्र अब नागरिक को संदेह की दृष्टि से देखता है। अधिकारी जनता को सुविधा देने से अधिक उसके इंटेंशन पर शक करने लगे हैं। यह शक लोकतंत्र की आत्मा के विरुद्ध है।

नौकरशाही और सत्ता के बीच यह मानसिक दूरी अब सामाजिक असमानता को और गहरा रही है। गाँवों में सड़क तब पहुँचती है जब वोट की ज़रूरत पड़ती है। स्कूलों में शिक्षक तब लगते हैं जब मीडिया हंगामा करती है। अस्पतालों में दवा तब आती है जब मंत्री का दौरा तय होता है। यह संवेदनहीन तंत्र आम नागरिक की ज़िंदगी को उस "प्रतीक्षा की यातना" में बदल देता है जो कभी समाप्त नहीं होती।

संवेदनहीनता की यह संस्कृति सत्ता की स्थायी साथी बन चुकी है। सत्ता को केवल "नियंत्रण" चाहिए, उसे "सुनना" नहीं आता। इसी वजह से शासन का अर्थ "शासन करना" रह गया है, "समझना" नहीं।

लोकतंत्र तब तक जीवित रहता है जब तक उसमें संवाद और सहानुभूति बनी रहती है। लेकिन जब सत्ता और नौकरशाही दोनों जनता से दूर हो जाएँ, तो लोकतंत्र केवल एक औपचारिकता बन जाता है — एक उत्सव जो हर पाँच साल में मनाया जाता है।

हम यह भूल चुके हैं कि शासन का सार मनुष्यता में निहित है। कानून तभी तक उपयोगी हैं जब वे मानवीयता की रक्षा करें, और प्रशासन तभी तक वैध है जब वह नागरिक के दुख को अपनी जिम्मेदारी माने। आज हमारे देश में हर विभाग में योजनाएँ हैं, लेकिन क्रियान्वयन में संवेदना नहीं है। यही कारण है कि योजनाएँ "रिपोर्ट कार्ड" बनकर रह गई हैं, न कि राहत का साधन।

ईमानदारी के रिफ्यूजी

डॉ. सुरेश कुमार

इन दिनों 'सद्गुण मंत्रालय' में जो हड़कंप मचा है, वैसा तो स्टॉक मार्केट क्रैश होने पर भी नहीं मचता। मंत्रालय के सेक्रेटरी, श्री सत्यनिष्ठ जी, अपने ऑफिस में दिन में चार बार बीपी की गोली खा रहे हैं और उनके असिस्टेंट, पी.ए. पुण्य आत्मा का तो हाल ही बेहाल है। उनका सुपर-कंप्यूटर, 'कैरेक्टर-एनालाइज़र 5.0', बार-बार एरर दिखा रहा है। वजह? आर्यावर्त से आने वाला कन्फ्यूजिंग डेटा। वहाँ एक नई फिलॉसफी चल पड़ी है - 'ईमानदारी इज़ अ चॉइस, नॉट अ ज़रूरत'।सत्यनिष्ठ जी अपने असिस्टेंट पर चिल्ला रहे थे, पुण्य आत्मा, व्हाट इज़ दिस नॉनसेंस? हमारा डेटाबेस कहता है कि रमेश बाबू नाम का आदमी 'कैटेगरी-ए' का ईमानदार है, पर आर्यावर्त का सिस्टम उसे 'कैटेगरी-एफ' का फेलियर बता रहा है। हम उसे 'सर्टिफिकेट ऑफ़ ऑनेस्टी' दें या 'लेटर ऑफ़ कंडोलेंस'? मामला इतना कॉम्प्लिकेटेड हो गया है कि मंत्रालय की लीगल टीम ने इस्तीफ़ा देने की धमकी दे दी है, कह रहे हैं कि आर्यावर्त की 'प्रैक्टिकल-फिलॉसफी' समझना उनके बस की बात नहीं।

इसी घनघोर कन्फ्यूज़न के बीच एक नई फाइल सत्यनिष्ठ जी की मेज पर धड़ाम से आकर गिरी। फाइल का कवर बदरंग था और उस पर लिखा था - 'केस नंबर 420: रमेश बाबू - द खूँटी वाला'। सत्यनिष्ठ जी ने फाइल खोली और पहले पन्ने पर लिखी रिपोर्ट पढ़कर उनका सिर चकरा गया। उन्होंने चश्मा उतारकर पुण्य आत्मा से पूछा, यह क्या है? रमेश बाबू को उसकी ईमानदारी की वजह से 'अयोग्य' करार दे दिया गया? और उसकी बेटी बिना इलाज के मर गई क्योंकि उसने 'वज़न' उठाने से मना कर दिया? यह कौन-सा नया 'कर्म-सिद्धांत' है आर्यावर्त में? पुण्य आत्मा ने एक लंबी साँस ली, सर, यही तो प्रॉब्लम है। आर्यावर्त में अब ईमानदारी एक म्यूजियम की चीज़ बन गई है, जिसे लोग दूर से देखते हैं, सराहते हैं, पर घर नहीं ले जाते। रमेश बाबू उसे अपने कोट के साथ रोज़ दफ्तर ले जाते थे और अपनी खूँटी पर टाँग देते थे।

सत्यनिष्ठ जी ने अपने सबसे अनुभवी और 'वर्ल्डली-वाइज़' इंस्पेक्टर, मिस्टर प्रैक्टिकल, को भेजा। मिस्टर प्रैक्टिकल जब वापस लौटे तो उनका चेहरा देखने लायक था। उन्होंने सत्यनिष्ठ जी को सैल्यूट मारा और बोला, सर, सीन बहुत मेस्ड-अप है। दैट खूँटी वॉज़ नॉट जस्ट अ खूँटी, इट वॉज़ अ सिंबल। रमेश बाबू के कलीग्स कहते थे, 'रमेश बाबू, इसी खूँटी पर अपनी ईमानदारी भी टाँग देते हैं, घर ले जाने में भारी लगती होगी।' सर, जब एक ठेकेदार ने उसे मोटी रिश्वत ऑफर की, तो उसने यह कहकर मना कर दिया कि 'मेरी खूँटी कमज़ोर है, यह वज़न नहीं सह पाएगी'। सर, कैन यू इमेजिन? द मैन चोज़ अ खूँटी ओवर हिज़ डॉटर'स लाइफ!

तो उसकी बेटी का क्या हुआ? सत्यनिष्ठ जी ने पूछा। सर, शी डाइड, मिस्टर प्रैक्टिकल ने सपाट आवाज़ में कहा। और उसके बाद रमेश बाबू ने कुछ ऐसा किया जो हमारे किसी भी 'कैरेक्टर-मैनुअल' में नहीं लिखा। वह अगले दिन ऑफिस गया, उस खूँटी को दीवार से उखाड़ा, अपनी जेब में रखा और कहा, 'साहब, अब इसकी ज़रूरत नहीं। जिस ईमानदारी को इस पर टाँगता था, कल रात उसे अपनी बेटी के साथ जला आया।' और फिर वह गायब हो गया। नोबडी हैज़ सीन हिम सिंस। यह सब सुनकर सत्यनिष्ठ जी ने अपना सिर पकड़ लिया। मतलब, आर्यावर्त का सिस्टम इतना क्रूर हो गया है कि वह एक ईमानदार आदमी को अपनी ईमानदारी जलाने पर मजबूर कर देता है? और फिर उसे गायब भी कर देता है? तो अब हम क्या करें? उसे 'शहीद-ए-ईमानदारी' घोषित करें या 'भगोड़ा'? अंत में, सत्यनिष्ठ जी ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया।

कल करें आंवले के पेड़ की पूजा 1 नवंबर को विश्राम से जागेंगे श्रीहरि

आंवला नवमी मुहूर्त

आंवला नवमी पर पूजा का शुभ मुहूर्त 3 घंटे 31 मिनट तक है। आंवला नवमी पूजा का शुभ समय सुबह 6 बजकर 32 मिनट से प्रारंभ होगा और यह सुबह 10 बजकर 03 मिनट तक रहेगा। इस शुभ मुहूर्त में आपको आंवला नवमी की पूजा कर लेनी चाहिए।

आंवला नवमी के दिन का ब्रह्म मुहूर्त 04:49 ए एम से 05:41 ए एम तक है। उस दिन का शुभ समय या अभिजीत मुहूर्त 11 बजकर 42 मिनट से दोपहर 12 बजकर 27 मिनट तक है।

कार्तिक शुक्ल अष्टमी पर गोपाष्टमी व्रत किया जाता है। इस दिन गौ माता और बाल गोपाल की विशेष पूजा की जाती है। मान्यता है कि इसी तिथि पर बाल गोपाल ने नंदगांव में गौचारण यानी गाय चराने का काम शुरू किया था। इस दिन गायों को स्नान कराया जाता है, उनकी सजावट करते हैं। गोपाष्टमी पर किसी गौशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें।

30 अक्टूबर को आंवला नवमी

कार्तिक शुक्ल नवमी पर आंवले के पेड़ की पूजा का पर्व आंवला नवमी मनाते हैं, इसे अक्षय नवमी भी कहते हैं। मान्यता है कि आंवला भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। इस तिथि पर भक्त आंवले के पेड़ के नीचे बैठकर पूजा करते हैं, जरूरतमंद लोगों को भोजन कराते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन आंवले की पूजा करने से पापों का नाश होता है और घर-परिवार में सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। इस दिन पानी में आंवले का रस मिलाकर स्नान करने की और आंवले के सेवन की भी परंपरा है।

1 नवंबर को देव उठनी एकादशी

देव उठनी एकादशी को प्रबोधिनी एकादशी भी कहा जाता है। ये व्रत कार्तिक शुक्ल एकादशी पर किया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार महीने की योगनिद्रा से जागते हैं। भगवान विष्णु के विश्राम के दिनों में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे मांगलिक कार्यों के लिए मुहूर्त नहीं रहते हैं। अब देव उठनी एकादशी से सभी तरह के मांगलिक कार्यों के लिए मुहूर्त मिलना शुरू हो जाएंगे। इस तिथि पर भगवान विष्णु और तुलसी माता की पूजा की जाती है। तुलसी और शालीग्राम जी का विवाह भी कराया जाता है।

4 नवंबर को वैकुंठ चतुर्दशी

कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी को वैकुंठ चतुर्दशी कहते हैं। इस तिथि पर भगवान विष्णु और भगवान शिव की पूजा एकसाथ की जाती है। मान्यता है कि इस दिन व्रत, दीपदान और गंगा या किसी अन्य नदी में स्नान करने से अक्षय पुण्य मिलता है। मान्यता है कि वैकुंठ चतुर्दशी पर व्रत-पूजा करने से से पापों का नाश होता है।

5 नवंबर को देव दीपावली

कार्तिक मास की पूर्णिमा को देव दीपावली कहते हैं। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नाम के असुर का वध किया था, इसके बाद भगवान शिव के स्वागत में देवताओं ने दीप जलाकर उत्सव मनाया था। इस वजह से इसे देवों की दीपावली कहते हैं। इस दिन गंगा घाटों पर दीप जलाए जाते हैं। भक्तजन गंगा स्नान करते हैं, दीपदान करते हैं। भगवान शिव के साथ गंगा माता की पूजा करते हैं।

अक्षय नवमी ? 12 राशियों के लिए उपाय

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 30 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 6 मिनट पर शुरू होकर 31 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 03 मिनट पर समाप्त होगी। इसके बाद कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि शुरू होगी। इस अनुसार उदयातिथि के अनुसार 31 अक्टूबर को आंवला नवमी मनाई जाएगी।

अगर आंवला नवमी के दिन राशि अनुसार कुछ उपाय कर लिए जाएं, तो सालभर लक्ष्मी-नारायण प्रसन्न रहते हैं।

मेष- नवमी के दिन इस राशि के जातकों को भगवान विष्णु और आंवले के पेड़ की पूजा करनी चाहिए। पूजा में आंवले के पेड़ पर 7 बार कच्चा सूत बांधें। ऐसा करने से तरक्की के रास्ते खुल जाएंगे।

वृषभ- आंवला नवमी के दिन किसी सार्वजनिक स्थान पर आंवले का पौधा लगाएं और उसकी रोज सेवा करें। ऐसा करने से धन-धान्य में वृद्धि होगी।

मिथुन- इस राशि के जातकों के लिए आंवला नवमी पर परिवार के साथ आंवला पेड़ के नीचे भोजन करना लाभदायक रहेगा। इससे परिवार में खुशहाली बनी रहेगी।

कर्क- नवमी पर आंवले के पेड़ की जड़ में कच्चा दूध चढ़ाएं और फिर पूजा करें। इससे विशेष लाभ होगा।

सिंह- नवमी के दिन सिंह राशि के जातक आंवला पेड़ की विधि-विधान से पूजा करने के बाद पेड़ की 7 बार परिक्रमा करें। इससे उनके रुके हुए कार्य पूरे हो जाएंगे।

कन्या- इस राशि के जातक आंवले के पेड़ की जड़ों में रोली, अक्षत और चंदन अर्पित करें। फिर पेड़ की 7 बार परिक्रमा करें। घर-परिवार में खुशियां बनी रहेंगी।

तुला- इस राशि के जातक आंवला पेड़ पर जल चढ़ाएं और फिर विष्णु जी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से धन-धान्य में वृद्धि होगी।

वृश्चिक- इस राशि के जातक आंवला नवमी के दिन विष्णु जी के सामने घी का दीपक जलाएं और फिर पूजा करें। पूजा में उन्हें आंवले का भोग जरूर लगाएं।

धनु- इस राशि के जातक नवमी के दिन विष्णु जी के साथ मां लक्ष्मी की भी पूजा करें। इससे आर्थिक तंगी दूर होगी।

मकर- इस राशि के जातक आंवला नवमी पर ब्राह्मणों को दान दें। इससे उनके कार्यों में आ रही रुकावटें दूर होंगी।

कुंभ- इस राशि के जातक विष्णु जी की पूजा के बाद उन्हें आंवले का भोग लगाएं। साथ ही ब्राह्मणों को भी आंवला दान करें, लाभ होगा।

मीन- इस राशि के जातक आंवला नवमी के दिन विष्णु जी की पूजा करें और शाम को तुलसी के पौधे के नीचे घी का दीपक जलाएं।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण कार्य पूर्ण, ध्वजदंड और कलश स्थापित

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोमवार को घोषणा की कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण से संबंधित सभी प्रमुख कार्य पूरे हो चुके हैं। ट्रस्ट ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट करते हुए कहा कि सभी श्रीरामभक्तों को यह जानकारी देते हुए हर्ष हो रहा है कि मंदिर निर्माण संबंधी सभी कार्य पूर्ण हो गए हैं। ट्रस्ट के अनुसार, मुख्य मंदिर के साथ ही परकोटा क्षेत्र के भगवान शिव, भगवान गणेश, भगवान हनुमान, सूर्यदेव, देवी भगवती, देवी अन्नपूर्णा और शेषावतार मंदिर भी पूर्ण हो चुके हैं। इन सभी पर ध्वजदंड और कलश स्थापित किए जा चुके हैं।

इसके अलावा, सप्त मंडप जिनमें महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, निषादराज, शबरी और ऋषि पत्नी अहिल्या मंदिर शामिल हैं, का भी निर्माण पूरा हो चुका है। साथ ही संत तुलसीदास मंदिर तथा जटायु और गिलहरी की प्रतिमाएं भी स्थापित कर दी गई हैं। ट्रस्ट ने बताया कि दर्शनार्थियों की सुविधा और व्यवस्थाओं से जुड़े सभी कार्य पूरे कर लिए गए हैं।

ईश्वर कहां मिलते हैं ? जवाब छिपा है एक खाली डिब्बे में

एक संन्यासी किसी किराने की दुकान पर आए। दुकान तो सारे सामान से भरी पड़ी थी, पर सामान छोटे-बड़े डिब्बों में रखा हुआ था। सामान तो संन्यासी ने लेना ही था पर क्या लेना है यह संन्यासी के दिमाग में आ ही नहीं रहा था। संन्यासी ने अपने गुरु से सुन रखा था कि युक्ति से मुक्ति मिलती है। युक्ति यह अमल में लाई गई कि डिब्बों में क्या-क्या रखा है, यह पूछता हूं। बारी-बारी हर डिब्बे के बारे पूछता रहूंगा जो वस्तु मुझे चाहिए जब पंसारी वह वस्तु बताएगा तो मुझे याद आ जाएगा। जहां से डिब्बे शुरू होते थे, संन्यासी ने पूछना शुरू किया भैया इस डिब्बे में क्या है ?

दुकानदार बोला इसमें नमक है, संन्यासी ने पूछा नमक के साथ वाले डिब्बे में क्या है ? पंसारी बोला महात्मा जी इसमें हल्दी है।

इसी प्रकार संन्यासी पूछते गए और दुकान बड़े शिष्टाचार से बतलाता रहा। अंत में पीछे रखे डिब्बे का नम्बर आया। संन्यासी ने पूछा भाई इस अंतिम डिब्बे में क्या है ? दुकानदार बोला महात्मा जी उसमें राम-राम है।

संन्यासी ने बड़ी हैरानगी से पूछा, राम-राम ? भला यह राम-राम किस वस्तु का नाम है भाई ? मैंने तो इस नाम से कोई समान हो, कभी सुना ही नहीं।

दुकानदार संन्यासी के भोलेपन पर हंसकर बोला, महात्मन, और डिब्बों में तो भिन्न-भिन्न वस्तुएं हैं पर यह डिब्बा खाली है। हम खाली को खाली नहीं कह कर राम-राम कहते हैं।

संन्यासी की आंखें खुली की खुली रह गईं। जिस बात के लिए मैं दर-दर भटक रहा था, वो बात मुझे एक व्यापारी से समझ आ रही है। सत्य है भाई, भरे हुए में राम को स्थान कहां। काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार और ईर्ष्या-द्वेष एवं भली-बुरी, सुख-दुख की बातों से जब दिलो-दिमाग भरा रहेगा तो उसमें ईश्वर का वास कैसे होगा ? राम यानी ईश्वर तो खाली अर्थात साफ-सुथरे मन में ही निवास करते हैं। एक छोटी-सी दुकान वाले ने संन्यासी को बहुत बड़ी बात समझा दी थी। आज संन्यासी आनंद में था।

आस्था, अध्यात्म और पर्यटन का संगम है नासिक

नासिक का पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व:

नासिक केवल महाराष्ट्र का एक आधुनिक शहर नहीं, बल्कि रामायण काल की पवित्र भूमि भी है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम अपने 14 वर्ष के वनवास के दौरान नासिक के तपोवन में निवास करते थे। यहीं पर लक्ष्मण जी ने रावण की बहन शूर्पणखा की नाक काटी थी। इसी घटना से इस स्थान का नाम नासिक पड़ा, जिसका अर्थ है नाक से संबंधित स्थान।

नासिक वह भूमि है जहां आस्था, इतिहास, अध्यात्म और प्रकृति एक साथ प्रवाहित होते हैं। त्र्यंबकेश्वर की घंटियां, रामकुंड का पवित्र जल और सीता गुफा की शांति हर श्रद्धालु को भगवान श्रीराम के युग से जोड़ देती है।

इतिहासकार प्लोटेमी ने भी 150 ईसा पूर्व में नासिक का उल्लेख किया है। यह नगर सातवाहन राजवंश की राजधानी रह चुका है, जबकि मुगल शासन के दौरान इसका नाम गुलशानाबाद पड़ा। बाद में पेशवाओं और अंग्रेजों के अधीन यह एक प्रमुख व्यापारिक और धार्मिक केंद्र बन गया। आज नासिक को "India's Wine Capital" यानी भारत की अंगूर नगरी कहा जाता है।

प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल

त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग

भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक त्र्यंबकेश्वर नासिक में स्थित है। ऐसा कहा जाता है कि यहां दर्शन करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और सभी पापों का नाश होता है।

रामकुंड

गोदावरी नदी तट पर स्थित रामकुंड वह स्थान है जहां श्रीराम और माता सीता ने स्नान किया था। यहां की जलधारा को मोक्षदायिनी माना जाता है और अस्थि विसर्जन के लिए यह स्थान अत्यंत पवित्र है।

सीता गुफा

यह वही पवित्र स्थल है जहां माता सीता ने स्वर्ण मृग देखा था और यहीं से रावण ने उनका हरण किया था। गुफा के अंदर एक प्राचीन शिवलिंग है जहां माता सीता शिव की पूजा किया करती थीं।

तपोवन

गोदावरी और कपिला नदी के संगम पर स्थित तपोवन में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और सीता जी तपस्या करते थे। यहां सीता की रसोई और स्नान स्थल आज भी श्रद्धा का केंद्र हैं।

कालाराम मंदिर

काले पत्थरों से निर्मित यह भव्य मंदिर स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है। यहां भगवान राम, सीता और लक्ष्मण की मूर्तियां स्थापित हैं। इसका शिखर तांबे से निर्मित और सोने से मढ़ा हुआ है।

पांडवलेनी गुफाएं

त्रिवाष्मी हिल्स पर स्थित ये गुफाएं लगभग 2000 वर्ष पुरानी हैं और बौद्ध वास्तुकला की उत्कृष्ट झलक पेश करती हैं।

दूधसागर झरना

नासिक के सोमेश्वर क्षेत्र में स्थित दूधसागर झरना मानसून के समय पर्यटकों को आकर्षित करता है। सफेद झरने की धाराएं दूध की तरह झरती हैं।

भागुर

वीर सावरकर की जन्मभूमि भागुर, नासिक के गौरव का प्रतीक है। यहां स्थित भागुर देवी मंदिर धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से समान रूप से महत्वपूर्ण है।

यात्रा और मौसम

नासिक की यात्रा के लिए अक्टूबर से फरवरी और जुलाई से सितंबर का समय श्रेष्ठ माना जाता है। गर्मियों में तापमान बढ़ जाता है।

हवाई मार्ग: नासिक एयरपोर्ट

रेल मार्ग: मुंबई, पुणे, नागपुर सहित देश के प्रमुख शहरों से सीधा संपर्क

सड़क मार्ग: राज्य परिवहन (ST) बसें और निजी वाहनों से सुगम यात्रा

गुरु-चंद्र की वजह से अक्टूबर के अंतिम दिन मेष समेत 6 राशियों के लिए शुभ

अक्टूबर महीने के अंतिम दिन मेष, कर्क समेत 6 राशियों के लिए बेहद फायदेमंद रहने वाले हैं। दरअसल अक्टूबर महीने की 29, 30 और 31 तारीख को बृहस्पति और चंद्रमा के बीच समसप्तक दृष्टि रहेगी और इस दृष्टि से गजकेसरी योग का निर्माण हो रहा है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, कर्क राशि में उच्च के बृहस्पति और मकर राशि में स्थित चंद्रमा के बीच परस्पर दृष्टि के कारण इस योग को विशेष महत्व प्राप्त हुआ है।

गजेकसरी योग को बेहद शुभ योग माना जाता है और इस योग के प्रभाव से अशुभ प्रभाव भी खत्म हो जाता है। ज्योतिष के अनुसार, अक्टूबर के अंतिम दिनों में बन रहे इस योग के प्रभाव से इन राशियों की आय में वृद्धि देखने को मिलेगी और योग काल में लिए गए निर्णय, योजनाएं और प्रयास शीघ्र ही पूरे होने की संभावना बन रही है। आइए जानते हैं गजकेसरी योग के प्रभाव से इन 6 राशियों को क्या क्या लाभ मिलने वाले हैं।

मेष राशि के लिए विशेष फलदायी रहेगी। मेष राशि वालों का आय संबंधी कोई भी प्रयास सफल होगा और भाग्य का हर कदम पर साथ मिलेगा। अगर आप मकान व वाहन खरीदना चाहते हैं तो आपकी इच्छा भी पूरी होगी। नौकरीपेशा लोगों के अधिकारियों और सहकर्मियों के साथ संबंध मजबूत होंगे और आपके सभी टारगेट पूरे होंगे। आपकी स्वास्थ्य में काफी सुधार होगा। पारिवारिक जीवन सुखी और सुचारू रहेगा। साथ ही घर में कोई शुभ कार्य होने की संभावना है।

कर्क राशि वालों के लिए उच्च राशिस्थ बृहस्पति का सप्तम भाव में राशि स्वामी चंद्रमा पर दृष्टि डालना जीवन में अनेक शुभ घटनाएं लेकर आएगा। अक्टूबर के अंतिम दिनों में कर्क राशि वालों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने के मिलेंगे और मन की कई इच्छाएं भी पूरी होंगी। शत्रुओं, रोगों और कर्ज की समस्याओं पर विजय प्राप्त होगी और शुभ योग के प्रभाव से आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। आर्थिक, व्यक्तिगत और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं काफी हद तक हल हो जाएंगी। उच्च पदस्थ लोगों से लाभदायक संपर्क बनेंगे।

कन्या राशि वालों को हर सुख की प्राप्ति होगी और कई पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा। अगर आप मकान या फ्लैट खरीदना चाहते हैं तो शुभ योग के प्रभाव से अक्टूबर के अंतिम दिनों में खरीद सकते हैं। करियर के लिहाज से कन्या राशि वालों को कई लाभ होंगे, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि का योग बन रहे हैं और बेहतर नौकरी में बदलाव का योग है। इन तीन दिनों में जो भी निर्णय लिए जाएंगे, उनका कुछ ही दिनों में अच्छा परिणाम अवश्य मिलेगा। संपत्ति का लाभ होगा और संपत्ति का मूल्य उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगा।

तुला राशि के दशम भाव में चंद्रमा और गुरु की परस्पर दृष्टि पूर्ण गजकेसरी योग बना रहा है। गजकेसरी योग के शुभ प्रभाव से अक्टूबर के अंतिम दिनों में तुला राशि वालों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और अचानक धन लाभ की भी संभावना बन रही है। उद्योग-धंधों में समृद्धि बढ़ेगी और बिजनेस के विस्तार के बारे में योजना बना सकते हैं। तुला राशि वालों की सेहत में सुधार देखने को मिलेगी और शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत नजर आएंगे। शुभ योग के प्रभाव से तुला राशि वालों के लाभदायक संपर्क बनेंगे और परिवार में खुशियां बनी रहेंगी। साथ ही जीवनसाथी की मदद से संपत्ति की खरीदारी कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि के भाग्य भाव में गुरु के साथ चंद्रमा की परस्पर दृष्टि अप्रत्याशित राजयोग का निर्माण हो रहा है। वृश्चिक राशि वालों को अक्टूबर के अंतिम दिनों में सभी विवादों से मुक्ति मिलेगी और वाणी व व्यवहार में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। इस राशि के जो जातक काफी समय से नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं, उनकी इच्छा पूरी होगी। वहीं जो लोग खुद का बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, वे अंतिम दिन में कर सकते हैं। वृश्चिक राशि वालों की शुभ योग के प्रभाव से कई दिशाओं से आय होगी और सिंगल जातकों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात भी हो सकती है। वृश्चिक राशि वालों को सभी तरह की बीमारियों से मुक्ति मिलेगी और राजनीतिक हस्तियों से संपर्क बढ़ेगा।

मकर राशि में चंद्रमा सप्तम भाव में उच्च राशिस्थ गुरु के साथ समसप्तक दृष्टी का निर्माण करते हुए पूर्ण गजकेसरी योग बना रहा है। गजकेसरी योग के प्रभाव से मकर राशि वालों की कई चिंताएं दूर होंगी और भाग्य का हर कदम पर साथ भी मिलेगी। मकर राशि वालों के अंदर समझदारी बढ़ेगी और कई महत्वपूर्ण निर्णय अंतिम दिन में ले सकते हैं, जिससे भविष्य में अच्छा लाभ हो सकता है। आपको काम-धंधे में भी बड़ी सफलता मिलेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

शत्रुओं, रोगों और कर्ज की समस्याओं से आप काफी हद तक मुक्त रहेंगे। आय में कई तरह से वृद्धि होगी और मकान व वाहन के योग बनेंगे। अक्टूबर के अंतिम दिनों में आपको कई शुभ समाचार सुनने को मिलेंगे।

शाह बानो की ऐतिहासिक लड़ाई पर बनी फिल्म 'हक' में यामी गौतम व इमरान हाशमी निभायेंगे लीड रोल

'हम सिर्फ मुसलमान औरत नहीं, हिंदुस्तान की मुसलमान औरत हैं, इसी मिट्टी में पले बढ़े हैं, इसलिए कानून हमें भी उसी नजर से देखे, जिससे बाकी हिंदुस्तानियों को देखता है...।' तीन तलाक के खलिाफ शाह बानो की ऐतिहासिक लड़ाई पर बनी फिल्म 'हक' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यकीन मानिए 2 मिनट 17 सेकेंड के इस ट्रेलर में आखिरी 10 सेकेंड और यह डायलॉग आपको झकझोर कर रख देता है। कोर्टरूम में आंखों में आंसू समेटे अपने 'हक' के लिए लड़ रही शाजिया के किरदार में यामी गौतम धर की डायलॉग डिलिवरी यहां रोंगटे खड़े कर देती है। उसके पति अब्बास के किरदार में इमरान हाशमी इस्लाम की दुहाई देते हुए जिस तरह पुरुषवाद का मोर्चा खोलते हैं, उन्हें देखकर आप गुस्से से भर जाते हैं। यही दो उम्दा कलाकारों की काबिलियत भी है।

डायरेक्टर सुपर्ण एस वर्मा की फिल्म 'हक' के ट्रेलर की शुरुआत शाजिया और अब्बास की बातचीत से

होती है, जहां अब्बास कहता है, 'बात इस हद तक नहीं पहुंचनी चाहिए थी। तुम्हें लगा था कि मैं डर जाऊंगा?' लेकिन शाजिया उसे याद दिलाती है, 'बात अपनी बात रखने की थी।' आगे हम शाजिया बानो और पति अब्बास के खलिाफ एक जबरदस्त कानूनी लड़ाई देखते हैं, जो उसे तीन तलाक दे चुका है। एक ऐसी उग्र कानूनी लड़ाई, जो सिर्फ एक औरत के न्याय और उसके मासिक गुजारे भत्ते की मांग नहीं है। यह वो लड़ाई है, जो मुस्लिम पर्सनल लॉ को धर्मनिरपेक्ष कानून के खिलाफ खड़ा करती है।

'हर सजा और कानून सिर्फ महिलाओं के लिए ही क्यों आरक्षित हैं?'

यह फिल्म सवाल उठाती है कि 'हर सजा और कानून सिर्फ महिलाओं के लिए ही क्यों आरक्षित है, और पुरुष इसके प्रभावों से बचे हुए हैं?' ट्रेलर में हम देखते हैं कि अब्बास पहले तो शाजिया को मासिक भत्ता देते के लिए राजी हो जाता है, लेकिन फिर अचानक रुक जाता है। जब शाजिया कोर्ट का दरवाजा खटखटाती है, तो अब्बास खुद भी मैदान में उतरने का फैसला करता है। वो कहता हैं, 'अगर पूरा देश इसमें शामिल होगा, तो हम उन्हें तमाशा दिखाएंगे।'

1985 के ऐतिहासकि शाह बानो केस पर बनी है फिल्म

इसमें कोई दोराय नहीं है कि करीब दो मिनट के ट्रेलर में सुपर्ण एस वर्मा एक गहन, गंभीर कानूनी ड्रामा का वादा करते हैं, जो 1985 के ऐतिहासिक और विवादास्पद शाह बानो मामले पर बारीक नजर डालती है। जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, हमें दोनों किरदारों के अतीत की झलकियां दिखाई जाती हैं। एक दौर वो भी था, जब ये दोनों पूरी तरह से प्यार में थे। हम वो पल की देखते हैं, जब शाजिया ने अपनी जिंदगी में एक और औरत को शामिल किया तो सब कुछ बदल गया। लेकिन वह अपने पति को उस तरह किसी और के साथ 'बांटने' के लिए तैयार नहीं है।

जब चुप्पी टूटी, तो इतिहास हमेशा के लिए बदल गया

ट्रेलर में इस कानूनी लड़ाई को लेकर स्क्रीन पर एक प्लेकार्ड दिखता है, जिस पर लिखा है, 'जब चुप्पी टूटी, तो इतिहास हमेशा के लिए बदल गया।' यह लड़ाई शाजिया के लिए वाकई जिंदगी की सबसे मुश्कलि घड़ी लेकर आई, क्योंकि उसके अपने लोग, अपना समुदाय उसके खिलाफ खड़ा हो गया। लेकिन अपने 'हक' के लिए वह टस से मस नहीं हुई।

'हक' की रिलीज डेट और कास्ट

'हक' में यामी गौतम धर और इमरान हाशमी के अलावा वर्तिका सिंह, दानिश हुसैन, शीबा चड्ढा और असीम हट्टंगड़ी भी हैं। फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स रेशु नाथ ने लिखे हैं। संगीत विशाल मिश्रा का है। 'हक' अगले महीने 7 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जुबीन गर्ग मौत मामले में पांच आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन के लिए बढ़ी

सिंगर जुबीन गर्ग की मौत मामले की जांच चल रही है। आज मंगलवार को इस मामले में नया अपडेट यह है कि गुवाहाटी की एक स्थानीय अदालत ने जुबीन गर्ग की मौत के मामले में पांच आरोपियों की न्यायाकि हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी है।

चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के सामने पेश हुए आरोपी

एक अधिकारी ने कहा, बक्सा जेल में बंद इन पांचों आरोपियों को कामरूप मेट्रोपॉलिटन के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के सामने वर्चुअली पेश किया गया। अधिकारी ने कहा, 'पांचों आरोपियों की मौजूदा न्यायिक हिरासत कल खत्म होने वाली है। उन्हें वर्चुअल तरीके से CJM के सामने पेश किया गया और हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई है'।

कौन हैं पांचो आरोपी?

पांच आरोपियों में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल (NEIF) के चीफ ऑर्गनाइजर श्यामकानू महंत, सिंगर के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, उनके कजिन और पुलिस ऑफिसर संदीपान गर्ग और उनके पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर नंदेश्वर बोरा व प्रबीन बैश्य शामिल हैं।

एसआईटी कर रही जांच

जुबीन गर्ग की मौत 19 सितंबर को सिंगापुर में कथित तौर पर स्कूबा डाइविंग के दौरान हुई। सिंगर वहां चौथे NEIF में शामिल होने के लिए गए थे। पांचों आरोपियों को पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद 16 अक्तूबर को बक्सा जेल ले जाया गया। इस मामले में अब तक कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दो अन्य आरोपी, गर्ग के बैंड मेंबर अमृतप्रवा महंत और शेखरज्योति गोस्वामी, हाफलोंग जेल में ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं। राज्य पुलिस की CID की 10 सदस्यों वाली स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) इस मामले की जांच कर रही है। SIT के हेड स्पेशल DGP मुन्ना प्रसाद गुप्ता पिछले हफ्ते जांच के सिलसिले में एक और अधिकारी के साथ सिंगापुर गए थे।

सूरज पंचोली ने 10 साल बाद छोड़ा बॉलीवुड

साल 1988 और तारीख 11 नवंबर, जब रिलीज हुई थी 'तेजाब।' एन चंद्रा की डायरेक्टेड इस मूवी में अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित, चंकी पांडे, अन्नू कपूर, अनुपम खेर और किरण कुमार जैसे कलाकार थे। ये थिएटर्स में 50 हफ्तों तक चली थी और गोल्डन जुबली साबित हुई थी। मूवी ने दुनियाभर में 16.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। जबकि बजट 3.25 करोड़ रुपये था। इसकी कहानी, गाने, किरदार, सभी दर्शकों ने खूब पसंद किए थे। मगर अब 37 साल बाद आदित्य पंचोली ने दावा किया है कि अनिल कपूर से पहले वह पहली पसंद थे।

आदित्य पंचोली ने कई फिल्मों में काम किया है। किसी में हीरो तो किसी में विलेन के रोल में नजर आए। उन्होंने एक्स हैंडल पर 'तेजाब' से जुड़ा एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है, जिसने सबका ध्यान खींचा है। उनके मुताबिक, फिल्म में वह माधुरी दीक्षित के साथ नजर आने वाले थे। लेकिन बोनी कपूर के जरिए अनिल कपूर इस मूवी में कास्ट किए गए।

आदित्य पंचोली ने बोनी कपूर-अनिल कपूर पर तंज कसा

आदित्य पंचोली ने एक्स पर लिखा, 'तेजाब जो 1988 में आई थी, उसके लिए मैं, माधुरी दीक्षित के अपोजिट पहली पसंद था। डायरेक्टर एन चंद्रा जो अभी भी काफी एक्टिव हैं, इसकी पुष्टि कर सकते हैं। दुर्भाग्य से एक एक्टर ने अपने बड़े भाई (जो इंडस्ट्री में एक्टिव हैं) के जरिए डायरेक्टर को मुझे रिप्लेस करने के लिए इन्फ्लुएंस किया। बाकी जैसे वो कहते ही हैं, सब इतिहास है।'

सूरज पंचोली ने छोड़ी इंडस्ट्री

इस पोस्ट में आदित्य ने बिना नाम लिए बोनी कपूर और उनके छोटे भाई-एक्टर अनिल कपूर का जिक्र किया है। इसके अलावा, उन्होंने KRK के उस ट्वीट को भी रीपोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने बताया, 'सूरज पंचोली ने बॉलीवुड छोड़ दिया है। सूरज ने तय किया है कि वह अब बॉलीवुड में काम नहीं करेंगे। वह अब जल्द ही अपना बिजनेस शुरू करने जा रहे हैं।' यानी 'हीरो' से सलमान खान द्वारा लॉन्च होने वाले आदित्य के बेटे अपने फ्लॉप करियर के कारण इस ग्लैमर वर्ल्ड को अलविदा कर चुके हैं।

सिंगर अदनान सामी पर धोखाधड़ी का आरोप, पुलिस ने नहीं ली सुध तो कोर्ट पहुंची पीड़िता, अदालत ने मांगी रिपोर्ट

पाकिस्तान को छोड़कर साल 2016 में भारतीय नागरिकता अपना चुके अदनान सामी धोखाधड़ी मामले में फंसते दिख रहे हैं। खबर है कि ग्वालियर की रहने वाली लावण्या सक्सेना ने उनके खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। महिला ने दावा किया है कि पुलिस ने मामले में कोई सुनवाई नहीं की, इसलिए अब उन्होंने कोर्ट में परिवाद दायर किया है। इसमें सामी के खिलाफ करीब 17.62 लाख की धोखाधड़ी का आरोप है जो ग्वालियर से जुड़ा बताया जा रहा है। मामले में जिला न्यायालय ने इंदरगंज थाना पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट तलब की है।

यहां बता दें कि ये मामला आज का नहीं बल्कि 3 साल पुराना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अदनान सामी की टीम ने ग्वालियर में एक कार्यक्रम के नाम पर लाखों रुपए एडवांस लिए थे। साल 2022 में होनेवाले इस इवेंट के लिए पीड़िता लावन्या सक्सेना ने अदनान सामी की टीम से सम्पर्क किया था।

ये कार्यक्रम 27 सितंबर 2022 को होना था

इस कार्यक्रम के लिए कुल अमाउंट 33 लाख रुपये का भुगतान होना था। ग्वालियर में ये कार्यक्रम 27 सितंबर 2022 को होना था। लेकिन न तो कार्यक्रम हुआ और न ही रकम वापस लौटाई गई।

अंतिम समय में अदनान सामी ने कार्यक्रम रद्द कर दिया

जानकारी के मुताबिक, ग्वालियर निवासी लावण्या सक्सेना ने बताया कि उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए 17 लाख 62 हजार रुपए बतौर एडवांस पे किया था। एडवांस राशि मिलने के बाद ही इवेंट की डेट फाइनल की गई, लेकिन अंतिम समय में अदनान सामी ने कार्यक्रम रद्द कर दिया। टीम की ओर से कहा गया कि शो को आगे किसी और तारीख में आयोजित किया जाएगा।

पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं

वहीं जब आयोजकों ने बार-बार सम्पर्क कर नई तारीख मांगी या एडवांस राशि लौटाने की बात कही तो अदनान सामी की टीम ने टालमटोल शुरू कर दी। लावण्या सक्सेना का कहना है कि लंबे इंतजार के बाद भी न तो कार्यक्रम हुआ और न ही पैसे लौटाए गए। इसके बाद उन्होंने इंदरगंज थाने में इस मामले की शिकायत दर्ज कराई लेकिन पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने जिला कोर्ट में परिवारवाद (धोखाधड़ी का परिवाद) दायर किया।

इंदरगंज थाना पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट मांगी

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान इस मामले को गंभीर मानते हुए इंदरगंज थाना पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। अब पुलिस को यह साफ करना होगा कि शिकायत पर क्या कार्रवाई की गई और जांच की वर्तमान स्थिति क्या है।

टीम की ओर से आधिकारिक बयान नहीं

अदनान सामी के खिलाफ इस तरह की धोखाधड़ी का ये पहला मामला है। इसे लेकर फिलहाल सिंगर या उनकी टीम की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। वहीं, ग्वालियर में इस वक्त ये मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

नीसा देवगन और ओरी ने हूबहू कर डाली काजोल और रेखा की कॉपी, गाल पर काला तिल भी बनाया

करीब 29 साल पहले साल 1996 में काजोल और रेखा ने सिने ब्लिट्स मैगजीन के लिए ये फोटोशूट करवाया था। मैगजीन के कवर पर उनकी फोटोज छपी थीं। दोनों ने न सिर्फ एक जैसी ड्रेसेस पहनकर फोटोज खिंचवाई थीं, बल्कि एक ही कपड़े में भी फोटोज खिंचवाई थी।

करीब 29 साल पहले 1996 में रेखा और काजोल ने भी कुछ ऐसी ही तस्वीरें खिंचवाई थीं, जिसे देखकर जनता सन्न थीं। अब 29 साल बाद काजोल की बेटी नीसा देवगन ने मां की ही तरह तस्वीरें खिंचवाई हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इन नई तस्वीरों में काजोल की जगह जहां नीसा हैं, वहीं रेखा की जगह ओरी नजर आ रहे हैं।

ओरी ने अपने सोशल मीडिया पर ये वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में नीसा देवगन और ओरी दोनों एक-दूसरे का मेकअप करते और उन्हें तैयार करते दिख रहे हैं। दोनों अपने फोटोशूट के लिए ठीक उन्हीं कपड़ों में और उसी लुक में तैयार होते दिख रहे हैं जिसी 29 साल पहले काजोल और रेखा नजर आई थीं।

ओरी नीसा को तैयार करते दिख रहे

इस वीडियो में नीसा बता रही हैं कि वो मां की भूमिका निभा रही हैं और ओरी कहते हैं कि वो रेखा के रोल में हैं। इसके बाद नीसा ओरी का मेकअप करती दिख रहीं और ओरी नीसा को तैयार कर रहे हैं। इसके बाद दोनों कैमरे के सामने साथ में पोज देते हैं। दोनों के इस फोटोशूट पर आम पब्लिक ही नहीं फिल्म स्टार्स भी कूद पड़े हैं।

साल 1992 में 'बेखुदी' से काजोल ने किया था डेब्यू

काजोल ने साल 1992 में 'बेखुदी' से बॉलीवुड में कदम रखा था। वहीं काजोल की फिल्म 'गुप्त' साल 1997 में रिलीज हुई थी और इससे ठीक पहले ये फोटोशूट हुआ था। इस फिल्म में काजोल का किरदार नेगेटिव था। वहीं रेखा बॉलीवुड की नामी सुपरस्टार के तौर पर अपनी अलग पहचान बना चुकी थीं।

मैं बिकाऊ नहीं हूं..., शशि थरूर का 'पेड रिव्यू' के आरोप पर करारा जवाब

कांग्रेस नेता शशि थरूर को आर्यन खान और उनके डायरेक्शन में बनी वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की तारीफ करना भारी पड़ गया। उन्होंने सीरीज देखकर जहां शाहरुख खान के बेटे और शो की जमकर तारीफ की थी, वहीं सोशल मीडिया पर भरदम आलोचनाओं के बीच अब उन्हें सफाई देनी पड़ गई है। शशि थरूर पर 'पेड रिव्यू' देने के आरोप लगे, जिस पर अब उन्होंने कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा है कि वह 'बिकाऊ नहीं' हैं।

शशि थरूर ने 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' सीरीज देखने के बाद X पर आर्यन के डेब्यू डायरेक्शन की खूब तारीफ की थी। उन्होंने सीरीज की स्क्रिप्ट, आर्यन के निडर निर्देशन और चुटीले व्यंग्य की तारीफ करते हुए शाहरुख खान को बधाई दी थी। लेकिन इस रिव्यू के फौरन बाद ट्रोल्स ने उन्हें निशाने पर लिया और 'पेड रिव्यू' लिखने का आरोप लगाया।

कांग्रेस नेता ने ट्रोल को दिया जवाब- मैं बिकाऊ नहीं हूं, मेरे दोस्त

शशि थरूर के रिव्यू पोस्ट के बाद एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'शशि थरूर का नया साइड बिजनेस - पेड रिव्यू।' अपनी बेबाकी के लिए मशहूर दिग्गज राजनेता जाहिर तौर पर

इस पर चुप नहीं रहे। उन्होंने भी तीखा पलटवार किया और लिखा, 'मैं बिकाऊ नहीं हूं, मेरे दोस्त। मेरे द्वारा व्यक्त की गई किसी भी राय के लिए कभी किसी ने नकद या वस्तु के रूप में कोई भुगतान नहीं किया गया है।'

शशि थरूर ने वेब सीरीज की तारीफ करते हुए किया था ये पोस्ट

इससे पहले, अपने X हैंडल पर शशि थरूर ने लिखा था, 'मैं दो दिनों से सर्दी-ज़ुकाम से जूझ रहा हूं और कई कार्यक्रम रद्द कर रहा हूं। मेरे स्टाफ और मेरी बहन स्मिता थरूर ने मुझे कंप्यूटर से ध्यान हटाकर नेटफ्लक्सि की सीरीज देखने के लिए मनाया। यह मेरे लिए अब तक की सबसे अच्छी चीजों में से एक है। बिल्कुल OTT गोल्ड।'

थरूर ने तारीफ में लिखा- लेखन धारदार है, निर्देशन बेबाक है

उन्होंने आगे लिखा, 'अभी-अभी आर्यन खान की बतौर निर्देशक पहली सीरीज, 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' देखी है, और मैं तारीफ के लिए शब्द नहीं ढूंढ़ पा रहा हूं। आपको प्रभावित करने के लिए यह समय लेता है, लेकिन फिर आप पूरी तरह से इसकी गिरफ्त में आ जाते हैं! लेखन धारदार है, निर्देशन बेबाक है, और इस व्यंग्य की निडरता, बॉलीवुड को बिल्कुल वैसी ही चाहिए थी।'

शशि थरूर ने आर्यन खान की सीरीज को बताया 'मास्टरपीस'

शशि थरूर ने अपने लंबे रिव्यू पोस्ट में सीरीज को 'मास्टरपीस' बताते हुए आगे लिखा, 'एक प्रतिभाशाली, मजेदार, कभी-कभी भावुक करने वाला, और ग्लैमर से परे, हमेशा बेबाक नजरिया, यह हर सिनेमाई क्लिशे को धारदार अंदाज के साथ पेश करता है। इनसाइटर जोक्स की एक सीरीज जो दर्शकों को एक्टिंग और पर्दे के पीछे की कहानी से रूबरू करवाती है।'

शशि थरूर ने शाहरुख खान को दी बधाई

पोस्ट में आगे शशि थरूर ने शाहरुख खान को भी बधाई दी। लिखा, 'सात सम्मोहक एपिसोड, एक सच्ची कहानी कहने वाली ताकत के आगमन का प्रतीक है। आर्यन खान, शुक्रिया - आपने एक मास्टरपीस लेकर आए हैं। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' शानदार है! शाहरुख खान एक पिता की ओर से दूसरे पिता के लिए, मैं यही कहना चाहूंगाः आपको बहुत गर्व होना चाहिए।'

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की कास्ट और रिलीज

बहरहाल, जानकारी के लिए बता दें कि आर्यन खान के डायरेक्शन में बनी 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' बीते महीने 18 सितंबर 2025 को ओटीटी पर रिलीज हुई। इसमें बॉबी देओल के साथ लक्ष्य लालवानी, राघव जुयाल, साहेर बंबा, अन्या सिंह, मनोज पाहवा, मनीष चौधरी, रजत बेदी, मोना सिंह और गौतमी कपूर प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 में विद्या बालन की एंट्री, मिथुन चक्रवर्ती बनेंगे विलेन

सुपरस्टार रजनीकांत की साल 2023 में आई फिल्म 'जेलर' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। नेल्सन के डायरेक्शन में करीब 220 करोड़ के बजट में बनी तमिल एक्शन फिल्म ने देश में 348.55 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 604.50 करोड़ रुपये की धुआंधार कमाई की थी। इसके बाद से ही इसके सीक्वल 'जेलर 2' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। रजीनकांत इन दिनों 'कुली' की रिलीज के बाद से 'जेलर 2' की शूटिंग में बिजी हैं और यह 2026 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से है। अब एक दिलचस्प खबर ये आ रही है कि इस सीक्वल फिल्म में विद्या बालन को कास्ट किया गया है।

सोशल मीडिया पर चल रही खबरों के मुताबिक, 'जेलर 2' में विद्या बालन एक अहम भूमिका में नजर आएंगी। इस सीक्वल फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां पहली फिल्म की घटनाएं खत्म हुई थीं। फिल्म रजनीकांत के केंद्रीय किरदार 'टाइगर' मुथुवेल पांडियन पर ही आधारित होगी, जो एक नए मूर्ति-तस्करी अंडरवर्ल्ड सिंडिकेट से लड़ता है। अपने बेटे की मौत के बाद मुथुवेल की जिंदगी पूरी तरह बदल गई है, जिसकी बानगी भी सीक्वल फिल्म में नजर आएगी।

तमिल में विद्या बालन की दूसरी फिल्म होगी 'जेलर 2'

एक रिपोर्ट के मुताबिक, विद्या बालन इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका में होंगी। अजित कुमार की फिल्म 'निर्कोंडा पारवाई' में एक छोटी सी भूमिका के बाद तमिल सिनेमा में यह विद्या की दूसरा किरदार है। लेकिन इस बार वह एक फुल लेंथ रोल में नजर आएंगी।

मिथुन चक्रवर्ती बनेंगे मेन विलेन, उनकी बेटी बनेंगी विद्या बालन

रपिोर्ट में एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि विद्या इस फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती की बेटी का किरदार निभाएंगी। मिथुन बड़े पर्दे पर प्रभास की 'फौजी' में भी नजर आने वाले हैं। जबकि 'जेलर 2' में वह रजनीकांत के सामने मेन विलेन बनकर खड़े होंगे।

फिल्म की शूटिंग फिलहाल चेन्नई में चल रही है और जनवरी तक शूटिंग खत्म कर इसके पोस्ट-प्रोडक्शन का शुरू होने की उम्मीद है।

हालांकि, वद्यिा बालन या फिल्म की प्रोडक्शन टीम की ओर से अभी तक इस ओर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उम्मीद यही है कि 'जेलर 2' अगले साल 12 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें नंदमुरी बालकृष्ण, शिव राजकुमार और मोहनलाल के कैमियो की भी चर्चा है।

'जेलर 2' के बाद कमल हासन संग फिल्म करेंगे रजनीकांत

वर्कफ्रंट की बात करें तो रजनीकांत, आगे देखते 'जेलर 2' की शूटिंग पूरी करने के बाद सुपरस्टार कमल हासन के साथ एक और बड़ी फिल्म में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा वह डायरेक्टर सुंदर सी के साथ भी एक फिल्म करने वाले हैं।

बेटी है ईव टीजिंग का शिकार, तो उसे सहना नहीं, डटकर सामना करना सिखाएं

स्कूल आने जाने पर या आस-पड़ोस में कभी-कभी लड़कियां छेड़खानी का शिकार हो जाती हैं। संकोच के चलते लड़कियां यह सब सहन करती हैं। लेकिन अपनी बेटी को सहन करना नहीं, बल्कि ईव टीजिंग का डटकर सामना करना सिखाना चाहिए।

आज हम कितने भी ओपन माइंडेड होने का दावा करें, लेकिन जहां बात लड़की की सुरक्षा की आती है, तो ना जाने कितनी मांए चिंतित रहती हैं। युवा लड़कियों को घर से बाहर निकलते ही ईव टीजिंग या छेड़खानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों में अगर लड़की सवाल उठाए, तो उसकी आवाज को दबा दिया जाता है। कोई कहता है कि कपड़े ढंग के पहनो, तो कोई कहता है सड़क पर शालीनता से चलो। इसलिए माता-पिता को भी अपनी बेटी की आवाजाही पर रोक लगानी पड़ती है। खुद से पूछिए क्या यह सही है।

उनकी आजादी छीनने के बजाय क्यों हम लड़कों को संस्कार और लड़कियों का

सम्मान करना नहीं सिखा सकते। पैरेंट होने के नाते आपकी जिम्मेदारी है कि अपनी बेटी को कुछ ऐसे तैयार करें, कि वह छेड़खानी जैसी घटनाओं के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर सके। इस आर्टिकल में हम आपको बता रहे हैं कि अपनी बेटी को ईव टीजिंग का सामना करना कैसे सिखाएं।

वर्तमान समय में हैरेसमेंट एक बहुत सामान्य बात है। चाहे घर हो या ऑफिस लड़की की तुलना में लड़कियों को पब्लिक प्लेस, ऑफिस, स्कूल, कॉलेज में आए दिन इसका सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों से निपटने के लिए बेटी को हर वक्त अलर्ट रहने की सीख दें। उसे इन स्थितियों में सतर्क और सहज कैसे रहना है, जरूर बताएं।

अपनी बेटी को सेक्सुअल हैरेसमेंट और ईव टीजिंग के प्रति अवेयर करें। जो माता-पिता अपनी बेटियों को बाहर जाने और उन्हें अपनी लाइफ एन्जॉय करने से रोकते हैं, उनका यह बर्ताव उनके आत्मविश्वास में कमी लाता है। इसके बजाय बेटी को खुद की रक्षा करने और इन स्थितियों का डटकर मुकाबला करना सिखाएंगे, तो अगली बार कोई भी उनकी तरफ आंख उठाकर देख नहीं पाएगा।

जब भी लड़कियां उत्पीड़न के लिए आवाज उठाना चाहती हैं, हम उन्हें इग्नोर करने के लिए कहते हैं। ताकि आने वाली मुसीबत से बचा जा सके। वैसे भी आजकल कोई इन झमेलों में पड़ना नहीं चाहता। इसलिए हर कोई चुप रहना पसं करता है। लेकिन यह सही नहीं है। क्योंकि आपके ऐसा करने से छेड़खानी करने वाले को ऐसा दोबारा करने की स्वतंत्रता मिल जाती है। अपनी बेटी को ऐसे लोगों को सबक सिखाने की हिम्मत दें, ताकि कोई भी लड़का किसी और के साथ ऐसा करने से पहले दो बार सोचे।

पैरेंट्स को इन बातों को समझाने के लिए बेटी के बड़े होने का इंतजार नहीं करना चाहिए। अगर वह शारीरिक सीमाओं को समझती है, तो उसे यौन शोषण के बारे में बताएं। उसे समझाएं कि माता-पिता के अलावा और किसी को भी उन्हें

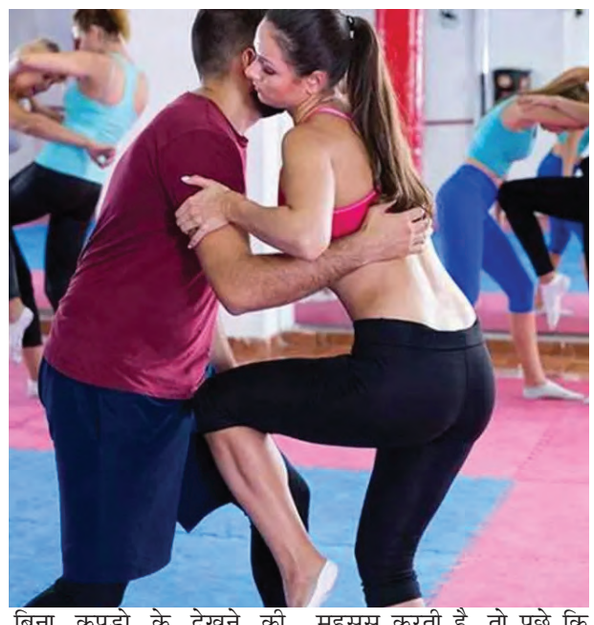

बिना कपड़ो के देखने की इजाजत नहीं है। उन्हें यह भी बताएं कि कोई अजनबी उनकी सहमति के बिना उन्हें छू तक नहीं सकता।

आप उसे यकीन दिला सकते हैं कि आप हमेशा उसके पीछे खड़े हैं। उससे लगातार बातचीत करते रहें और दिनभर का हाल चाल पूछें। अगर बेटी निराशा महसूस करती है, तो पूछे कि क्या हुआ है। अगर आपको लगता है कि बात आगे बढ़ गई है, तो तुरंत एक्शन लेना जरूरी है। इसे एक मामूली घटना समझकर नजरअंदाज करने की भूल न करें। इससे समस्या और बढ़ सकती है।

कई लोग ऐसी हरकत के लिए अपनी बेटियों को ही दोषी मानने लगते हैं। कोई भी कदम उठाने के बजाय उसके पहनावे, हाव भाव और दिखावे को गलत बताते हैं। भले ही आपकी बेटी, जो भी पहनती है, जैसा भी व्यवहार करती है, अगर वह उत्पीड़न का शिकार है, तो उसे दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। माता-पिता ही बच्चे का इमोशनल सपोर्ट होते हैं। उन्हें इससे वंचित न करें।

हालांकि, छोटे बच्चे अपनी समस्या बोलकर ठीक से व्यक्त नहीं कर सकते। इसलिए पैरेंट्स को चाहिए कि उनके लिए एक कोड वर्ड तैयारी करें। जिसका उपयोग वे असुरक्षित महसूस होने पर कर सकते हैं।

हर बात में हां जी करना ठीक नहीं है। बेटी में गुड गर्ल सिंड्रोम की आदत ना डालें। उसे बताएं कि अगर वह किसी बात से सहमत है, तो उसे ना कहने की पूरी आजादी है। इससे वह उत्पीड़न के खिलाफ लड़ना सीख जाएगी। उसकी हिम्मत देखकर बाकी लड़कियों को भी हौंसला मिलेगा।

पलक झपकते ही बंद हो जाएंगे चेहरे के ओपन पोर्स

ओपन पोर्स की समस्या आमतौर पर ऑयली स्किन वालों को होती है। इसे घरेलू उपचार से ठीक किया जा सकता है। मुल्तानी मिट्टी को ओपन पोर्स को भरने और चेहरे की झाइयों से छुटकारा दिलाने के लिए लगाया जा सकता है।

चेहरे पर ओपन पोर्स की समस्या अक्सर ऑयली स्किन वालों को होती है। यह पोर्स उम्र के साथ और भी ज्यादा चेहरे पर झलकने लगते हैं। यह खासतौर पर नाक, माथे, आंखों के नीचे गाल पर या फिर ठुड्डी पर दिखाई देते हैं। ओपन पोर्स को बिना ट्रीट किए अगर इस पर मेकअप लगाया जाए, तो चेहरा और भी ज्यादा भद्दा दिखता है। इन्हें कम करने के लिए आपको चेहरे की सही देखभाल करनी पड़ेगी। उम्र के साथ-साथ जब कोलाजेन और इलास्टिन कमजोर पड़ने लगती है, तब स्किन ढीली पड़ने लगती है और ओपन पोर्स इसमें काफी ज्यादा योगदान देते हैं। अपने कपड़े धोने के अनुभव को बेहतर बनाएं - वॉशिंग मशीन पर 65% तक की छूट पाएं।

ओपन पोर्स की एक और खराब बात है कि यह गंदगी को अट्रैक करते हैं, जिससे पोर्स ब्लॉक हो जाते हैं और बाद में मुंहासे हो जाते हैं। इंस्टाग्राम पर त्वचा विशेषज्ञ, कृतिका मोहन आए दिन स्किन से जुड़ी छोटी से बड़ी समस्या पर वीडियो बनाती हैं। चेहरे के ओपन पोर्स को कम करने के लिए कुछ सुझाव दिए। ये 3 चीजें लगाने से दूर होगी ओपन पोर्स की समस्या

ओपन पोर्स को दूर करती है मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी एक बहुत ही आम सी सामग्री है, जो आराम से मार्केट में मिल जाती है। यह ओपन पोर्स को भरने में जादू की तरह काम करती है। यह ओपन पोर्स से गंदगी और तेल को निकालती है। चेहरे को एक्सफोलिएट भी करती है। यह पोर्स को टाइट बनाकर चेहरे पर निखार भरती है। इसका फेस पैक लगाने से स्किन की झाइयों से भी छुटकारा मिलता है।

दही

दही लैक्टिक एसिड से भरपूर होता है, इसलिए यह त्वचा को एक्सफोलिएट करने और मौजूदा मुंहासों का इलाज करने में मदद करता है। दूसरा, दही में कई एंटीबैक्टीरियल गुण भी होते हैं, जो आपके पोर्स को बंद करते हैं और मुंहासे पैदा करने वाले किसी भी प्रकार के बैक्टीरिया का इलाज करते हैं। इसे फेस पैक के रूप में लगाने से स्किन में नमी भरती है और उसकी लोच बढ़ती है। हमेशा लो फैट दही का ही इस्तेमाल करें।

शहद

ऑयली स्किन के लिए शहद काफी असरदार सामग्री है। आप चाहें तो मुल्तानी मिट्टी + शहद + रोज वॉटर मिक्स कर के एक अच्छा सा फेस पैक बना सकती हैं। यह पैक मुंहासों और ओपन पोर वाली स्किन पर बहुत अच्छे से काम करता है। इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण, हाइड्रोजन पैरोऑक्साइड पाया जाता है, जो स्किन पर बैठे बैक्टीरिया का सफाया करता हैं।

ये बातें याद रखें

इनमें से किसी भी मास्क का उपयोग सप्ताह में केवल एक बार या रात में करें

फेस मास्क क ठंडे पानी से धोना है

इसे इस्तेमाल करने के बाद मॉइस्चराइजर की मोटी परत लगाएं

अगली सुबह सनस्क्रीन लगाएं

फेस आइसिंग करें ट्रायः

यदि आपके पोर्स बड़े हैं तो आप इसे मेकअप करने से पहले कर सकती हैं, इससे रोम छिद्र कम हो जाएंगे और चेहरे और आंखों के नीचे की सूजन भी कम दिखाई देगी। यह एक अस्थायी हैक है, कोई स्थायी परिणाम नहीं देगा। लेकिन आइसिंग करने से पहले इन बातों को याद रखें:

-कभी भी बर्फ को सीधे चेहरे पर न लगाएं, बर्फ के टुकड़े को लगाने से पहले एक साफ कपड़े में लपेट लें।

-कभी भी 15-20 सेकेंड से ज्यादा आइसिंग न करें

हर किसी के चेहरे पर पोर्स होते हैं और यह एक सामान्य बात है। लेकिन यह तैलीय त्वचा में अधिक दिखाई देते हैं। इसलिए हम उन्हें हटा नहीं सकते हैं लेकिन हम उनकी उपस्थिति को कम कर सकते हैं। घरेलू उपचार भी इन पोर्स को केवल छुपाने का ही काम करते हैं, लेकिन यह कोई परमानेंट इलाज नहीं हैं।

रिश्ते को बचाने के लिए झूठ बोलें या कड़वा सच? क्या दोनों का असर होगा

किसी भी रिश्ते में आप यही चाहती हैं कि दूसरा खुश रहे और उसकी भावनाएं आहत न हों, फिर चाहे झूठ ही क्यों न बोलना पड़े। लेकिन क्या यह सही है? सच्चाई हर रिश्ते का महत्वपूर्ण आधार होती है और हर कोई चाहता है कि उनका पार्टनर उससे सच्चा रहे। लेकिन अध्ययन बताते हैं कि बहुत से लोग रिश्तों को ठीक रखने के लिए कभी-कभी झूठ बोलते हैं।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार, लोग अक्सर इसलिए झूठ बोलते हैं, क्योंकि वे चाहते हैं कि उनके साथी की भावनाओं को ठेस न पहुंचे। यह झूठ बोलने के पीछे एक प्रकार की सुरक्षा और संरक्षण की भावना होती है, जिसका मकसद होता है रिश्तों को मजबूत और खुशहाल बनाना। मनोवैज्ञानिक रॉबिन डनबर ने भी बताया है कि झूठ बोलने से भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचती, जिससे रिश्तों को स्थिर और मधुर बनाए रखने में मदद मिलती है। लेकिन यह भी महत्वपूर्ण है कि झूठ नकारात्मक प्रभाव डालने वाला न हो और सच्चाई को हमेशा महत्वपूर्ण रखा जाए।

क्या होते हैं कारण

सफल और स्वस्थ रिश्ते के लिए सही संवाद महत्वपूर्ण है। जब लोग अपनी भावनाओं, खुशियों और चुनौतियों को साझा नहीं करते तो संघर्ष की संभावना बढ़ जाती है। परिणामतः लोग समस्याओं को हल करने के लिए

सही समय पर काम नहीं करते, जो रिश्ते को जटिल बना सकता है। एक सफल रिश्ते में विश्वास होना बेहद महत्वपूर्ण है। जब किसी के मन में साथी पर संदेह होता है तो रिश्ते कमजोर होने लगते हैं। इससे व्यक्ति का आत्मविश्वास कम हो सकता है और वह साथी से चीजें छुपाने लगता है।

कई बार लोग सोचते हैं कि साथी को हमेशा खुश रखें, इसके लिए वे झूठ बोलते हैं, ताकि साथी की भावनाएं आहत न हों, लेकिन इससे सच्चाई और झूठ के बीच संतुलन बिगड़ सकता है। रिश्ते में संवाद कौशल के महत्व को भी नहीं छोड़ा जा सकता। यदि किसी के पास सही संवाद कौशल नहीं है तो वह भावनाओं और खुशियों को साझा करने का सही तरीका नहीं जानेगा, जो संघर्ष का कारण भी बन सकता है।

क्या पड़ता है असर

झूठ बोलने का कोई भी कारण, फिर चाहे वह साथी की खुशी के लिए ही क्यों न हो, रिश्ते पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। मसलन, झूठ बोलने से रिश्तों में विश्वास की कमी हो सकती है। जब साथी को पता चलता है कि आप उससे झूठ बोल रही हैं तो उसमें आपके प्रति अविश्वास की भावना बढ़ती है। जब आपसी विवादों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है, तब साथी झूठ का सहारा लेते हैं, क्योंकि वे सोचते हैं कि इससे कई अन्य विवादों को रोका जा सकता है। लेकिन झूठ बोलने से विश्वास को पुनः प्राप्त करना कठिन हो सकता है। झूठ के बाद रिश्तों में अधिक तनाव और जलन हो सकती है, जो संघर्ष को बढ़ा सकती है।

सच तो हीरे जैसा होता है

फैमिली रिलेशनशिप काउंसलर शोभना कहती हैं, किसी भी संबंध में सत्य आपको पारदर्शी बनाता है। कोई भी संबंध सच के बिना चल नहीं सकता। लोक मानस में प्रचलित है कि सच कड़वा होता है। लेकिन यह जरूरी नहीं कि जो कड़वा हो वही सच है। सच तो एक हीरा है, जो तराशने पर और सुंदर हो जाता हैं।

0 रिश्तों को ठीक ढंग से चलाने के लिए कुछ बातों का ख्याल रखना जरूरी हो जाता है जैसे, संवाद में खुलापन होना, खुल कर बातचीत करके एक-दूसरे को अपने दिल की बात बताना और इसके अलावा समय पर बातचीत करके समस्याओं को जल्दी समझ कर समस्याओं का समाधान ढूंढना चाहिए। इन सब में सबसे जरूरी है बात है कि आप एक-दूसरे के प्रति विश्वास और सहयोग बनाए रखें और अपने पार्टनर का हमेशा सहयोग करें।

पति की इन बातों से चिढ़ जाती है पत्नी, होने लगती हैं लड़ाइयां

पति-पत्नी के बीच में थोड़ी बहुत अनबन होना बेहद आम चीज है। हालांकि, कुछ चीजें ऐसी भी होती हैं, जिन्हें लेकर पत्नियां इतनी बुरी तरह से चिढ़ जाती हैं कि घर के अंदर रोज की लड़ाइयां आम हो जाती हैं। इसके चलते घर का माहौल पूरी तरह से नेगेटिव और टॉक्सिक बन जाता है।

पति की इन बातों से चिढ़ जाती है पत्नी, होने लगती हैं लड़ाइयां

शादी वो कमिटमेंट है, जो एक ओर गंभीर और गहरा होता है, तो दूसरी ओर बेहद नाजुक भी। मुश्किल से मुश्किल समय में जहां पति-पत्नी एक-दूसरे का साथ देते नजर आते हैं, तो कभी-कभी छोटी-छोटी चीजें रिश्ते को इस तरह से तोड़कर बिखेर देती हैं कि उसे फिर से पुराना प्यार भरा रूप दे पाना नामुमकिन हो जाता है। इन्हीं छोटी चीजों में पतियों की कुछ आदतें भी हैं, जिनके कारण पत्नियां इतना बुरा चिढ़ जाती हैं कि घर में लड़ाइयों का दौर बढ़ जाता है। और जब ऐसा होता है, तो शादीशुदा जीवन कड़वाहट से भरने लगता है। पत्नियों को नाराज करने वाली पतियों की ऐसी ही कुछ आदतें नीचे दी गई हैं। आप भी अगर शादीशुदा हैं, तो इन पॉइंट्स को अपने दिमाग में जरूर नोट कर लीजिए।

समय न निकालना

शादी के बाद की सबसे बड़ी और आम गलती, जो लगभग सभी पति करते हैं, वो है पत्नी के लिए समय नहीं निकालना। माना कि पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते दफ्तर और अन्य चीजों में व्यस्तता बढ़ जाती है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि अपने जीवनसाथी को ही इग्नोर करना शुरू कर दिया जाए।

इस तरह के बर्ताव से पत्नियां काफी ज्यादा हर्ट होती हैं। उन्हें लगने लगता है कि पति उन्हें प्यार नहीं करते और ये चीज उनके दिल में इस तरह से घर करने लग जाती है कि भावनाएं गुस्से के रूप में बाहर निकलने लगती हैं।

रिश्ते से जुड़ी चीजों में मां की सुनना

मां की जगह कोई नहीं ले सकता। लेकिन जब बात शादीशुदा जीवन से जुड़े निर्णय लेने की हो, तो इसमें सबसे अहम भूमिका पत्नी की होनी चाहिए। अपने घर के बड़ों से चीजों को लेकर राय लेना अलग बात है, लेकिन अपनी मैरिड लाइफ से जुड़ी हर चीज को मां को बताना और सुनना भी सिर्फ उनकी, ये चीज पत्नियों के मन में सिर्फ और सिर्फ चिढ़न ही पैदा करेंगीं।

एक-दो बार तो वो इस बर्ताव को इग्नोर कर सकती हैं, लेकिन अगर उन्हें लगेगा कि उनकी शादीशुदा जिंदगी का कंट्रोल सासू मां के हाथों में है, तो घर में रोज की लड़ाइयां आम हो जाएंगीं।

बैचलर्स लाइफ की आदतें नहीं छोड़ना

ये एक और ऐसी चीज है, जिससे न जाने कितनी शादीशुदा महिलाएं परेशान हैं। लड़कियों को तो शादी से पहले ही ये ट्रेनिंग मिलनी शुरू हो जाती है कि उन्हें घर को कैसे संभालना है। वहीं आमतौर पर लड़कों का घर के कामों से लेकर जिम्मेदारियों में न के बराबर हिस्सेदारी होती है। ऐसे में जब शादी हो जाती है, तो ज्यादातर लड़के अपनी बैचलर्स लाइफ की आदतों को छोड़ नहीं पाते हैं। इस स्थिति में लड़की को ये लगने लगता है कि वो पत्नी नहीं बल्कि मां की भूमिका निभा रही है। ये बात उन्हें इस तरह से ट्रिगर करती है कि चीजें बिगड़ना तय हो जाता है।

बच्चों की परवरिश में साथ नहीं निभाना

आमतौर पर भारतीय परिवारों में बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी महिलाओं पर ही डाली जाती है। इसके चलते हालत यह हो जाती है कि घर और बाहर के काम के साथ-साथ बच्चे से जुड़ी हर चीज को भी उन्हें ही संभालना पड़ जाता है। यह स्थिति जबरदस्त तनाव पैदा करती है। भावनाएं चिड़-चिड़ाहट और लड़ाइयों के रूप में सामने आने लगती हैं। यह घर के पूरे माहौल को टॉक्सिक बना देता है।

हमेशा साथ देने वाले लोगों से जिंदगी बन जाती है आसान आपके पास है कोई ऐसा तो ना करें खोने की गलती

जिंदगी में सच्चे इंसान का साथ बहुत ही मुश्किल से मिलता है। समय आने पर कई बार अपने ही पराए की तरह व्यवहार करने लगते हैं। ऐसे में कौन आपकी सचमुच परवाह करता है इसका पता लगाने के लिए आप इस लेख की मदद ले सकते हैं।

सोशल मीडिया के समय में जान पहचान बनाना कोई बड़ी बात नहीं रह गई है। फेसबुक से लेकर इंस्टाग्राम तक लोगों के हजारों दोस्त हैं। फोन में सैकड़ों नंबर लेकिन फिर भी लोग अकेलेपन का शिकार हो जाते हैं। ज्यादातर लोगों के पास कोई ऐसा नहीं है जिसके साथ वह अपना दुख बांट सके। उनसे अपनी मन की बात कर सकें। पर यह जरूरी नहीं कि यह अकेलापन हमेशा से हो, कई बार हम अपने अच्छे समय में उन लोगों को भूला देते हैं, जो निस्वार्थ भाव से हमसे जुड़े रहते हैं। ऐसी गलती आपसे ना हो इसलिए यहां हम आपको कुछ ऐसी क्वालिटी बता रहे हैं जिससे आप ऐसे लोगों की पहचान कर

सकते हैं और इन्हें संभालकर रख सकते हैं।

हर कंडीशन में साथ खड़े रहना

कहा जाता है कि खराब समय में ही अपने और पराए की पहचान होती है। ऐसे में जो लोग आपके बुरे समय में आपका साथ दें, उन्हें अच्छा समय आने पर भुलाना नहीं चाहिए। क्योंकि यही लोग आपकी असली ताकत होते हैं।

बेस्ट करने के लिए मोटिवेट करना

ऐसा कई बार होता है कि हम खुद की क्षमता पर ही शक करने लगते हैं। ऐसे में किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है, जो हममें विश्वास दिखाए। यह बताए कि हम कर सकते हैं। माना जाता है कि ऐसे लोगों का साथ किस्मत से मिलता है। यदि आपके पास कोई ऐसा है तो उसे बहुत ही संभालकर रखें।

ईमानदारी से गलती बताना

हर कोई बस अपनी तारीफ सुनना चाहता है, यदि कोई गलती बता दे तो लोग गुस्से से लाल हो जाते हैं। लेकिन वास्तव में ऐसे लोगों को अपने सबसे करीब रखना चाहिए। यह दूसरों की तरह मीठी बाते करके आपको खुश नहीं रखते हैं, बल्कि ईमानदारी से आपको कड़वा सच दिखाते हैं। इनकी मदद से ही आप बेहतर बन सकते हैं।

आपकी सक्सेस को अपनी जीत मानना

एक-दूसरे को रौंदकर आगे बढ़ने की रेस में जो आपकी सफलता को अपनी जीत की तरह सेलिब्रेट करे ऐसे लोग कम ही मिलते हैं। इसलिए यदि आपके पास कोई ऐसा है तो उसे हमेशा खुद के करीब रखें।

बातों को समझना

जो लोग हमारी सच में परवाह करते हैं, वो हमारी गलतियों से हमें जज नहीं करते हैं। वह जानते हैं कि कोई भी इंसान परफेक्ट नहीं होता है। वह हमेशा बात को समझते हैं, और माफ करने के लिए तैयार रहते हैं।

सरकार 32 हजार करोड़ रुपए के बॉन्ड्स बेच रही

नीलामी 31 अक्टूबर को होगी, निवेशकों के लिए सेफ इन्वेस्टमेंट का मौका

मुंबई,28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक चार सरकारी सिक्योरिटीज (बॉन्ड्स) की नीलामी यानी सेल (री-इश्यू) करने जा रही है। इनकी टोटल वैल्यू 32,000 करोड़ रुपए है। नीलामी 31 अक्टूबर (शुक्रवार) को होगी और इसका सेटलमेंट 3 नवंबर (सोमवार) को होगा।

सरकारी सिक्योरिटी केंद्र या राज्य सरकारों की ओर से जारी किए जाने वाले ट्रेडेबल डेट इंस्ट्रूमेंट्स हैं, जिनसे सरकार सार्वजनिक खर्चों के लिए फंड जुटाती है। ये भारत सरकार की सॉवरेन गारंटी के कारण सबसे सुरक्षित निवेश माने जाते हैं।

G-Secs फिक्स्ड-इनकम इनवेस्टमेंट हैं, जो निवेशकों को नियमित ब्याज के जरिए आय देते हैं और मेच्योरिटी पर मूल राशि लौटाते हैं। इन बॉन्ड्स से जुटाए फंड का इस्तेमाल सरकार इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, विकास कार्यक्रमों या अन्य सार्वजनिक खर्चों के लिए करती है। निवेशकों को मेच्योरिटी तक फिक्स्ड ब्याज मिलता है, जिसके कारण जोखिम से बचने वाले निवेशकों के लिए G-Secs स्टेबल और सुरक्षित

रिटर्न का एक पसंदीदा विकल्प हैं।

2000 करोड़ का एक्सट्रा सब्सक्रिप्शन रिजर्व

सरकार ने इसके लिए 2000 करोड़ रुपए का एक्स्ट्रा सब्सक्रिप्शन रख रही है, ताकि मार्केट डिमांड बढ़े तो कुल राशि को और बढ़ाया जा सकें। यह नीलामी मुंबई में RBI के दफ्तर में 'मल्टीपल प्राइस मेथड' के जरिए होगी। इसका मतलब है कि अलग-अलग बोली लगाने वालों को उनकी बोली की कीमत पर बॉन्ड्स मिलेंगे।

प्राइमरी डीलर्स नीलामी के दिन सुबह 9:00 से 9:30 बजे तक एडिशनल कॉम्पिटिटिव अंडरराइटिंग (ACU) के लिए बिड जमा कर सकते हैं। इसके अलावा, RBI ने बताया कि ये सिक्योरिटीज 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक व्हेन इश्यूड ट्रेडिंग के लिए अवेलेबल होंगी। इससे निवेशक सिक्योरिटीज के असल इश्यू से पहले ट्रेड कर सकते हैं, जिससे कीमत का जल्दी पता चलता है।

कॉम्पिटिटिव और नॉन-कॉम्पिटिटिव बिड्स को RBI के कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (e-Kuber सिस्टम) के जरिए इलेक्ट्रॉनिक तरीके से जमा करना होगा। RBI ने कहा कि नीलामी के नतीजे उसी दिन घोषित होंगे और सफल बोली लगाने वालों को 3 नवंबर 2025 तक पेमेंट करना होगा।

कॉम्पिटिटिव बिड्सः ये आमतौर पर बड़े वित्तीय संस्थान जमा करते हैं, जो ये बताते हैं कि वो किस यील्ड या कीमत पर सिक्योरिटीज खरीदना चाहते हैं। इनका आवंटन नीलामी में तय कट-ऑफ यील्ड पर निर्भर करता है।

नॉन-कॉम्पिटिटिव बिड्सः ये छोटे निवेशकों और योग्य संस्थानों के लिए हैं। इन्हें यील्ड या कीमत बताने की जरूरत नहीं होती, इन्हें नीलामी में तय वेटेड एवरेज कीमत पर सिक्योरिटीज मिलती हैं।

बाजार को 50 हजार करोड का कारोबार दे गईं छठी मइया

अकेले बिहार में बिका 15000 करोड़ का सामान

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार और झारखंड का महापर्व है छठ। इसके साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश के भी कुछ इलाकों में छठ होने लगा है। अब तो प्रवासी पूर्वांचली देश के जिस भी हिस्से में रहते हैं, वहीं इस पूजा का आयोजन कर रहे हैं।

शुरू में भले ही यह पूजा स्थानीय सामग्री से होती हो, लेकिन आज की तारीख में यह बड़ा व्यापार का अवसर बन गया है। इस बार अनुमान है कि देश के विभिन्न राज्यों में इस अवसर पर करीब 50 हजार करोड़ रुपये के सामानों की खरीदारी हुई है। इस पूजा में 10 करोड़ से भी ज्यादा लोग शामिल हुए हैं।

काफी बड़ा दिखाई दिया इस बार का छठ पर्व

आज सुबह के अर्घ्य के साथ ही इस साल के छठ पूजा का समापन हो गया। जिनके यहां कई दशकों से छठ हो रहा है, वे जानते हैं कि यह लोक आस्था का पर्व है। इसमें पूजा गांव-घर में मिलने वाली चीजों से ही हो जाती है।

लेकिन अब दैनंदिन जीवन में बाजार हावी हो गया है तो छठ पूजा से इससे अछूता कैसे रहे। संयोग है कि केंद्र सरकार से लेकर राज्य सरकारें भी इसे बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ नहीं रही है। इसलिए, आस्था और विश्वास का अद्भुत संगम इस बार छठ पर्व पर काफ़ी बड़ा दिखाई दिया।

50,000 करोड़ का कारोबार हुआ

छठ पर्व की समाप्ति के बाद आज किए गए एक आकलन के अनुसार देश भर में लगभग 10 करोड़ से अधिक लोगों ने छठ पर्व मनाया। मोटे तौर पर बिहार एवं झारखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों में छठ पर्व पर लगभग 50 हज़ार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ।

अकेले दिल्ली में ही इस अवसर पर कारोबार लगभग 8 हज़ार करोड़ रुपये का हुआ। इसके अलावा बिहार में लगभग 15 हज़ार करोड़ एवं झारखण्ड में लगभग 5 हज़ार करोड़ का व्यापार हुआ। यह रिपोर्ट कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) ने जारी किया है।

किन-किन राज्यों में हुआ छठ

कैट के महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक सीट से सांसद प्रवीन खंडेलवाल के मुताबिक छठ पर्व के पारंपरिक राज्य बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में तो धूमधाम से मनाया गया ही। साथ ही दिल्ली तथा एनसीआर क्षेत्र में बड़ी पूर्वांचली आबादी के कारण यहां भी यह बड़े पैमाने पर मनाया गया।

इनके अलावा पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, ओडिशा, कर्नाटक, तेलंगाना आदि राज्यों में भी तालाबों और घाटों पर इस पर्व के मनाने की खबर है।

किन वस्तुओं की खरीदारी हुई छठ में

खंडेलवाल ने बताया कि छठ पर्व पर हुई खरीदारी में कृषि उत्पाद जैसे केला, गन्ना, नारियल, मौसमी फल, चावल, अनाज आदि खरीदे गए। प्रसाद बनाने के लिए ठेकुआ बनाने की सामग्री, खीर की सामग्री भी खरीदे गए।

पूजन सामग्री में टोकरी, दीये, पत्तल, फूल, मिट्टी के बर्तन, पैकिंग सामग्री तथा घाट निर्माण, लाइटिंग, सुरक्षा, सफाई, नाव सेवा आदि पर्व संबंधित सेवाओं के कारोबार में भी बड़ी वृद्धि हुई।

टाटा से निकल गया 'कांटा'!

रतन टाटा के करीबी मेहली मिस्त्री टाटा ट्रस्ट से बाहर

मुंबई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। रतन टाटा के करीबी रहे मेहली मिस्त्री को सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के बोर्ड से बाहर कर दिया गया है। 6 में से तीन ट्रस्टीज ने री-अपॉइंटमेंट के खिलाफ वोट डाला है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक डेरियस खंबाटा, प्रमित झावेरी और जहांगीर एचसी जहांगीर ने सहमति में वोट डाला, लेकिन नोएल टाटा समेत 3 ने उनके री-अपॉइंटमेंट के खिलाफ वोट डाला है। ये 3-3 टाई बना, लेकिन ट्रस्ट्स के रूल्स के मुताबिक ये टाई नहीं, बल्कि नो कंसेंसस यानी, सहमति न होना है। टाटा ट्रस्ट्स के रूल्स में सभी की सहमति ही जरूरी है।

टाटा ट्रस्ट्स में सर रतन टाटा ट्रस्ट समेत कुछ और ट्रस्ट्स है। ये ट्रस्ट्स टाटा संस के 66% शेयर कंट्रोल करते हैं। टाटा संस में TCS, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स जैसी कंपनियां है।

मिस्त्री 2022 से सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी थे। ये दोनों मुख्य ट्रस्ट्स मिलकर टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में 51% हिस्सेदारी रखते हैं। इनके पास टाटा संस के बोर्ड में एक-तिहाई सदस्यों को नॉमिनेट करने का हक है।

रतन टाटा के निधन के बाद अक्टूबर 2024 में उनके सौतेले भाई नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का चेयरमैन बनाया गया। नवंबर 2024 में नोएल को टाटा संस के बोर्ड में भी शामिल किया गया। लेकिन कई यह फैसला ट्रस्ट के भीतर एकमत नहीं था।

इससे टाटा संस को कंट्रोल करने वाले टाटा ट्रस्ट्स में बोर्ड सीट को लेकर सीधा-सीधा बंटवारा हो गया। एक गुट नोएल टाटा के साथ था, तो दूसरा गुट मेहली मिस्त्री के साथ। मिस्त्री का कनेक्शन शापूरजी पल्लोनजी फैमिली से है जिसकी टाटा संस में 18.37% हिस्सेदारी है। रतन टाटा के निधन के करीब एक साल बाद, ट्रस्टीज ने बहुमत से पूर्व डिफेंस सेक्रेटरी विजय सिंह को टाटा संस के बोर्ड से हटा दिया था। ये फैसला इतना बड़ा था कि पूरे देश का ध्यान टाटा ट्रस्ट्स के अंदरूनी कलह पर चला गया। सरकार को भी बीच में आना पड़ा।

टाटा संस की बोर्ड सीट को लेकर हुए विवाद के बीच 7 अक्टूबर को सीनियर लीडरशिप ने गृहमंत्री अमित शाह के घर पर 45 मिनट की मीटिंग की। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने कहा कि घरेलू झगड़े को जल्द निपटा लिया जाए, ताकि कंपनी पर असर न हो।

सोना-चांदी को लगी किसकी नजर? सोने चांदी की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली,28 अक्टूबर (एजेंसियां)। लगता है सोना और चांदी को किसी की नजर लग गई है। एक हफ्ते पहले इनकी कीमत में गिरावट ऐसी शुरू हुई कि अभी तक थमने का नाम नहीं ले रही है। आज मंगलवार को सोना-चांदी की कीमत में फिर से गिरावट आ गई। सोना और चांदी दोनों मंगलवार दोपहर एक हजार रुपये से ज्यादा लुढ़क गए। जानकारों के मुताबिक यह समय सोना और चांदी में निवेश के लिए अच्छा हो सकता है।

कितना गिरा सोने का भाव?

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मंगलवार दोपहर 12 बजे के भाव के मुताबिक 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत गिरकर 1,19,164 रुपये रह गई। सोमवार को यह 1,21,077 रुपये पर बंद हुई थी। ऐसे में इसमें प्रति 10 ग्राम 1,913 रुपये की गिरावट आई। 22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत कम होकर 1,09,154 रुपये रह गई। सोमवार को यह 1,10,907 रुपये पर बंद हुई थी। ऐसे में इसमें मंगलवार को 1,753 रुपये की गिरावट आई। 18 ग्राम सोने का भी भाव गिर गया। यह 1,436 रुपये प्रति 10 ग्राम गिरकर 89,373 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई।

कितनी रह गई चांदी की कीमत?

मंगलवार को चांदी की कीमत में भी गिरावट आई। सोमवार को चांदी की कीमत प्रति किलो 1,45,031 रुपये पर बंद हुई थी। मंगलवार दोपहर 12 बजे इसका भाव 1,43,400 रुपये पर खुला। ऐसे में इसमें 1,631 रुपये प्रति किलो की गिरावट आ गई। एक दिन पहले ही चांदी की कीमत में 2000 रुपये प्रति किलो की गिरावट आई थी।

क्यों गिर रहा सोना-चांदी का भाव?

सोने-चांदी की कीमतों में यह बदलाव बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों के बाद आया है। इनमें यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका द्वारा रूसी तेल कंपनियों लुकोइल और रोसनेफ्ट पर लगाए गए प्रतिबंध भी शामिल हैं।

चार राज्यों में 15,095 करोड़ की दलहन-तिलहन खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली , 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र समेत चार राज्यों के किसानों से 15,095.83 करोड़ रुपये की दलहन और तिलहन खरीद योजना को मंजूरी दे दी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ 2025-26 सीजन के लिए तेलंगाना, ओडिशा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में योजना को मंजूरी दे दी।

इससे संबंधित राज्यों के लाखों किसानों को अत्यधिक लाभ होगा। आधिकारिक बयान में कहा गया कि चौहान ने इन राज्यों के कृषि मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक के दौरान प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) और मंत्रालय की अन्य योजनाओं के तहत ये स्वीकृतियां दीं। कृषि मंत्री ने मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) अंतर्गत 38.44 करोड़ से 4,430 टन मूंग की खरीद को मंजूरी दी, जो तेलंगाना में राज्य के कुल उत्पादन का 25% है। उड़द की 100% और सोयाबीन की 25% खरीद होगी।

छोटे निवेशकों को डेट प्रतिभूतियों में निवेश करने पर मिलेगा प्रोत्साहन

नई दिल्ली , 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाजार नियामक सेबी ने खुदरा निवेशकों की कुछ श्रेणियों को ऋण प्रतिभूतियों के सार्वजनिक निर्गमों में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने हेतु प्रोत्साहनों का प्रस्ताव दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इश्यूअर्स को वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, सशस्त्र बलों के कर्मियों और खुदरा ग्राहकों जैसे निवेशकों को ज्यादा ब्याज दर या निर्गम मूल्य पर छूट के रूप में प्रोत्साहन देने की मंजूरी देने का प्रस्ताव दिया है। यह प्रस्ताव सेबी के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के सार्वजनिक निर्गम पर हालिया आंकड़ों के विश्लेषण के बाद आया है। इस तरह के निर्गमों से जुटाई गई राशि 2023-24 के 191.68 अरब से घटकर 2024-25 में 81.49 अरब रुपये रह गई है। वर्तमान में सेबी किसी भी निर्गम से जुड़े व्यक्ति को वैध शुल्क या कमीशन को छोड़कर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नकद, वस्तु या सेवाओं के रूप में प्रोत्साहन देने से रोकता है। उधर, सेबी ने बड़े कर्ज वाली कंपनियों के अनुपालन बोझ को कम करने के लिए एक प्रस्ताव रखा है।

तेल-गैस ब्लॉक नीलामी की समयसीमा दूसरी बार बढ़ी 31 दिसंबर तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकार ने नवीनतम तेल और गैस ब्लॉक नीलामी (OALP-X) के तहत बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि दूसरी बार बढ़ा दी है। इससे संभावित निवेशकों को भागीदारी के लिए अधिक समय मिल जाएगा। यह जानकारी महानिदेशालय हाइड्रोकार्बन (डीजीएच) ने दी।

ओएएलपी-एक्स लाइसेंसिंग राउंड के लिए बोली जमा करने की समयसीमा को दो महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर 2025 कर दिया गया है। फरवरी में इंडिया एनर्जी वीक 2025 के दौरान शुरू किए गए इस राउंड की मूल अंतिम तिथि जुलाई के अंत तक थी, जिसे बाद में 31 अक्तूबर तक बढ़ाया गया था। इसी के साथ डिस्कवर्ड स्मॉल फील्ड्स (डीएसएफ) के चौथे दौर और विशेष कोल-बेड मीथेन (सीबीएम) राउंड की बोलियां जमा करने की समयसीमा भी 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ाई गई है।

दो साल में दोगुनी से ज्यादा होगी टोल से कमाई

सड़क बनाने में होगा कचरे का इस्तेमाल नितिन गडकरी ने बताया प्लान

नई दिल्ली,28 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में अगले दो साल में टोल से होने वाली कमाई दोगुनी से ज्यादा हो जाएगी। यह ऐलान सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने किया है। उन्होंने कहा कि भारत में सड़कों का जाल बिछाने की जोरदार तैयारी चल रही है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार टोल टैक्स के बारे में उन्होंने कहा कि अभी जहां 55,000 करोड़ रुपये टोल से आते हैं, वहीं यह आंकड़ा 1,40,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सरकार देश में विश्व स्तरीय सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना चाहती है।

हाल ही में भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित 'स्मार्ट रोड्स का भविष्य - सुरक्षा, स्थिरता और लचीलापन' नाम के एक सम्मेलन में गडकरी ने अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि कैसे देश में सुरक्षित, टिकाऊ, आरामदायक और आर्थिक रूप से फायदेमंद सड़कें बनाई जाएंगी।

नितिन गडकरी ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर यानी बुनियादी ढांचा हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। अगर हम ट्रांसपोर्ट, बिजली, संचार और पानी जैसे क्षेत्रों में विश्व स्तरीय सुविधाएं बना लें तो इससे हमारे उद्योग और व्यापार को बहुत बढ़ावा मिलेगा। इससे बाहर से पैसा आएगा, लोगों को रोजगार मिलेगा, हर व्यक्ति की कमाई बढ़ेगी और गरीबी कम होगी।

टिकाऊ सड़कों के बारे में अपनी सोच बताते हुए गडकरी ने कहा कि उनका मंत्रालय जल्द ही एक 'प्लान 2027' लेकर आएगा। इस प्लान के तहत सड़कों के निर्माण में नगर निगमों से निकलने वाले अलग किए गए कचरे का इस्तेमाल पक्का किया जाएगा। उन्होंने बताया, 'देश का 50% पुराना ठोस कचरा 15 शहरों में पड़ा है। मैंने इस बारे में प्रधानमंत्री से बात की है और यह संभव है कि 'प्रधानमंत्री सड़क योजना' के तहत सड़कों को बनाने में इस अलग किए गए कचरे का इस्तेमाल किया जाए।'

ईंधन को लेकर भी रखी अपनी राय

गडकरी ने यह भी बताया कि वह ऐसे निर्माण उपकरणों को बढ़ावा देना चाहते हैं जो पेट्रोल-डीजल की जगह दूसरे ईंधन पर चलें। इससे प्रदूषण कम होगा और हम बाहर से जीवाश्म ईंधन (fossil fuel) कम खरीदेंगे। साथ ही, इससे देश की कृषि अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। उन्होंने कहा, 'हम सड़क बनाने वाले ठेकेदारों को ऐसे निर्माण उपकरण खरीदने पर 5 से 7 साल के लिए बिना ब्याज का लोन देने की योजना बना रहे हैं। इससे ऐसे उपकरणों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगा।' इस योजना के लिए उनके मंत्रालय को वित्त मंत्रालय से मंजूरी लेनी होगी।

खराब सड़क बनाने वालों पर कार्रवाई

गडकरी ने साफ कहा कि जो ठेकेदार खराब सड़कें बनाएंगे या सड़कों का रखरखाव ठीक से नहीं करेंगे, उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, इसमें शामिल अधिकारियों को भी नहीं बख्शा जाएगा। उन्होंने अपने ऑफिस को निर्देश दिया है कि उन सड़कों की पहचान की जाए जहां सबसे ज्यादा हादसे होते हैं। इन सड़कों के प्रोजेक्ट डायरेक्टर (PD) और रीजनल ऑफिसर (RO) के हिसाब से एक लिस्ट बनाई जाएगी। फिर उनका परफॉरमेंस ऑडिट किया जाएगा ताकि यह पक्का हो सके कि अच्छी सड़कें बन रही हैं और उनका रखरखाव भी ठीक से हो रहा है।

सेंसेक्स 151 अंक गिरकर 84,628 पर बंद

निफ्टी में भी 30 अंक की गिरावट रही; आईटी, रियल्टी और एफएमसीजी में बिकवाली

मुंबई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी 28 अक्टूबर को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 151 अंक गिरकर 84,628 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 30 अंक की गिरावट रही, ये 25,936 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में गिरावट और 9 में गिरावट रही। IT, रियल्टी और FMCG में बिकवाली रही। वहीं मेटल और बैंकिंग शेयर्स में तेजी देखने को मिली है।

ग्लोबल मार्केट में मिलाजुला कारोबार

एशियाई बाजारों में कोरिया का कोस्पी 0.80% नीचे 4,010 पर और जापान का निक्केई 0.80% नीचे 50,219 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.33% गिरकर 26,346 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.22% गिरकर 3,988 पर बंद हुआ। 27 अक्टूबर को अमेरिका का डाउ

जोन्स 0.71% ऊपर 47,544 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट में 1.86% और S&P 500 में 1.23% तेजी रही।

इस साल सितंबर में भारत के इंडसट्रीयल प्रोडक्शन में 4% की बढ़त रही, क्योंकि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने बेहतर प्रदर्शन किया। मंगलवार को सरकार ने इसका ऑफिशियल डेटा रिलीज किया।

इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन (IIP) के आधार पर फैक्ट्री आउटपुट पिछले साल सितंबर 2024 में 3.2% बढ़ा था। वहीं, नेशनल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस (NSO) ने अगस्त 2025 के लिए इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन ग्रोथ को रिवाइज कर के 4.1% कर दिया। पिछले महीने सरकार ने इसका प्रोविजनल स्टेमेट 4% रखा था।

सोमवार को 567 अंक चढ़कर बंद हुआ था बाजार

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार, 27 अक्टूबर को सेंसेक्स 567 अंक ऊपर 84,779 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 171 अंक की तेजी रही, ये 25,966 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयर्स चढ़कर बंद हुए। एयरटेल, SBI, रिलायंस और जोमैटो के शेयरों में 2% से ज्यादा की तेजी रही। कोटक बैंक, BEL और इंफोसिस गिरकर बंद हुए।

निफ्टी के 50 में से 38 शेयरों में तेजी देखने को मिली। NSE के सेक्टोलर इंडाइसेज में PSU बैंक में 2.22%, रियल्टी में 1.46%, मेटल में 1.16% और ऑयल एंड गैस में 1.52% की तेजी रही।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-13**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-46**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष बुधवार **29 October**
तिथि - सप्तमी **09-23** तक अष्टमी
नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा **17-29** तक श्रवण
योग - धृति **07-50** तक शूल
करण - वणिज **09-23** तक उप विष्टी
व्रत त्योहार सहस्त्रार्जुन ज.

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य -	तुला	मे	तुला	05-27 बजे
चंद्र -	मकर	मे	वृश्चिक	07-40 बजे
मंगल-	वृश्चिक	मे	धनु	09-50 बजे
बुध -	वृश्चिक	मे	मकर	11-57 बजे
गुरु	कर्क	मे	कुंभ	13-47 बजे
शुक्र -	कन्या	मे	मीन	15-25 बजे
शनि	मीन	मे	मेष	17-01 बजे
राहु	कुंभ	मे	वृष	18-44 बजे
केतु	सिंह	मे	मिथुन	20-46 बजे
			कर्क	22-59 बजे
			सिंह	01-10 बजे
			कन्या	03-17 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 11-59 से 13-26 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06-13 - 07-41 शुभ	उत्पात	17-46 - 19-19 अशुभ
अमृत	07-41 - 09-07 शुभ	शुभ.	19-19 - 20-52 शुभ
काल	09-07 - 10-33 अशुभ	अमृत	20-52 - 22-26 शुभ
शुभ।	10-33 - 11-59 शुभ	चंचल	22-26 - 23-59 शुभ
रोग	11-59 - 13-26 अशुभ	रोग	23-59 - 01-34 अशुभ
उत्पात	13-26 - 14-52 अशुभ	काल	01-34 - 03-07 अशुभ
चंचल	14-52 - 16-19 शुभ	लाभ	03-07 - 04-41 शुभ
लाभ	16-19 - 17-46 शुभ	उत्पात	04-41 - 06-13 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आत्मविश्वास आपके दिन का नेतृत्व करता है क्योंकि आप अपने काम में गहराई और उद्देश्य पाते हैं। आप आविष्कारशील विचारों के साथ सफल होने के लिए प्रेरित हैं, हालांकि सतर्क रहने से छोटी-मोटी दुर्घटनाओं से बचने में मदद मिलती है। आपकी ईमानदारी महत्वपूर्ण सफलताओं को जन्म दे सकती है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आज आप अपने संबंधित काम में गंभीर रूप से तनाव से प्रभावित हो सकते हैं। आंतरिक दबाव आपके सिर चढ़ कर बोलेगा और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपके पास आवश्यक समय की कमी हो सकती है , लेकिन आप इसमें कुछ भी नहीं कर सकते है इसलिये इस समय को आसानी से निकालने का प्रयास करें।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,): आज आप खर्चीले साबित हो सकते है ! आपकी अवचेतन अवस्था आध्यात्मिक संदेशो के द्वारा निर्देशित हो सकती है जिस में आप फस सकते हो , सुझाव व उपायों में कोई खराबी नहीं है ,परन्तु अपनी बचत को खाली कर के नहीं । तथ्यात्मक यह सब अच्छा नहीं होगा, बस धैर्य रखने की जरुरत है और चीजे धीरे-धीरे ठीक होनी शुरू हो जाएंगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आज रचनात्मक अवसर अंतहीन लगते हैं, लेकिन कल्पना में खो जाना आसान है। अपनी योजनाओं को ट्रैक पर रखने के लिए ज़मीन पर बने रहें। करीबी संबंधों में भावनात्मक बदलाव हो सकते हैं, जिससे काम पर ध्यान केंद्रित करने में बाधा आ सकती है। अपने विचारों को व्यावहारिक रखें और अति प्रतिबद्धता से बचें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे । आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आपने हाल ही में जो कड़ी मेहनत की है , उसकी हर दिशा से सराहना होगी । आपको एक बोनस या एक लंबे समय से वेतन वृद्धि की चाह थी वो पूरी हो सकती है । आपको एक अच्छे वित्तीय अवसर की पेशकश भी की जा सकती है , जिसकी अपेक्षा आपको नहीं थी । हालाँकि ये एक बहुत बड़ा नहीं है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए थोड़ा रुकने की जरुरत है एवं आपको कुछ समय निकालने की जरुरत है , ताकि आप अपने अतीत के अनुभवों पर विचार कर सके । आप अपने अतीत का मूल्यांकन करें की किस चीज को आपको बदलने की जरुरत है और किस चीज को ग्रहण करने की जरुरत है ताकि आप अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सके ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आपका करियर आपको संबंधों को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। कार्यों में सटीकता पर ध्यान दें। बेहतर सहयोग के लिए अपने संबंधों का विस्तार करें। हालाँकि, लाभहीन सट्टेबाज़ी से बचें, जो नुकसान का कारण बन सकती है। भावनाओं की समृद्धि को अपनाएँ, इसे विस्तृत इशारों पर नियंत्रण के साथ संतुलित करें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आज आप संवेदनशील और खुश दोनों महसूस कर सकते हैं। एक सुरक्षात्मक मूड आपको दूसरों से जुड़ने में मदद करता है, जबकि स्थिर ऊर्जा आपको स्थिर रखती है। आप अपनी भावनाओं को आसानी से व्यक्त करने की संभावना रखते हैं, और परिचित दिनचर्या आराम देती है। हल्का-फुल्का पढ़ना या रचनात्मक गतिविधियाँ आपका उत्साह बढ़ा सकती हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आज आपका काम और पढ़ाई अच्छी तरह से चलने की संभावना है, आपमें प्रबल ऊर्जा और एकाग्रता रहेगी। स्पष्ट सोच आपको अच्छे निर्णय लेने में मदद करती है, और आप खुद के साथ तालमेल महसूस करते हैं। चुनौतियों का सामना करने और अपने लक्ष्यों पर विश्वास के साथ आगे बढ़ने का यह एक बढ़िया समय है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है । विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंजूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आज आप काफी मेहनत के साथ भागदौड़ करेंगे परन्तु उतना संतोषजनक परिणाम मिलना मुश्किल होगा । दिल छोटा न करे । हर दिन एक जैसा नहीं होता और किसी किसी दिन मेहनत काम नहीं आती । आज की घटनायें आपके लिए सबक का काम करेंगी जो आपको कुछ करने के लिए प्रेरित करेंगी जिससे की आप योजना और संधि बनाकर आगे बढ़ सकते है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने इस रूट की वंदे भारत को लेकर किया बड़ा ऐलान

चार और स्टेशनों पर रुकेगी

चेन्नई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि श्रमिकों और उद्योग के फायदे के लिए एर्णाकुलम-बेंगलुरु वंदे भारत ट्रेन तमिलनाडु के चार कपड़ा केंद्रों पर रुकेगी। उपराष्ट्रपति बनने के बाद शहर की अपनी पहली यात्रा के दौरान राधाकृष्णन ने कहा कि उनके अनुरोध पर रेलवे ने झारखंड के रांची से कोयंबटूर तक दैनिक ट्रेन सेवा संचालित करने की सहमति दे दी है ताकि श्रमिकों का बिना किसी कठिनाई के कार्यस्थल तक पहुंचना सुनिश्चित किया जा सके।

'कोयंबटूर सिटीजन फोरम' द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने कहा, "रेलवे ने मेरे दो अनुरोधों पर सहमति दे दी है। जल्द ही एर्णाकुलम से बेंगलुरु जाने वाली वंदे भारत ट्रेन उद्योग के लाभ के लिए कोयंबटूर, तिरुपुर, इरोड और सलेम के चार कपड़ा केंद्रों पर रुकेगी।" उन्होंने कहा कि यह सेवा जल्द ही शुरू होगी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि रांची से कोयंबटूर के लिए दैनिक रेल सेवा भी जल्द ही शुरू हो जाएगी जो श्रमिकों की आरामदायक यात्रा के लिए वरदान साबित होगी। उपराष्ट्रपति ने क्षेत्र में अधिक विकास सुनिश्चित करने के वास्ते यहां हवाई अड्डे का विस्तार बेंगलुरु हवाई अड्डे के समान करने के लिए अपना समर्थन देने का आश्वासन दिया।

किसानों की मांग पर उन्होंने कहा कि अगर उद्योग को भी बढ़ावा दिया जाए तो इस क्षेत्र का विकास हो सकता है। उन्होंने कहा, "दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। औद्योगिक विकास के बिना कृषि समृद्ध नहीं हो सकती। मोदी सरकार के विकसित भारत कार्यक्रम से तमिलनाडु और कोयंबटूर को भी काफी लाभ होगा।"

झारखंड, तेलंगाना और पुडुचेरी के राज्यपाल तथा उपराष्ट्रपति के रूप में पदोन्नत किए जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा, "मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन ऐसा हुआ"।

राधाकृष्णन ने कहा, "मैं दो बार (संसदीय चुनाव) जीता, लेकिन तीन बार हार गया।

पंजाब के डीजीपी और 3 आईएएस अधिकारियों के वेतन में होगी कटौती

हाईकोर्ट ने लगाया जुर्माना

चंडीगढ़, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने पंजाब के डीजीपी और तीन आईएएस अधिकारियों पर अवमानना का मामला दर्ज किया, साथ ही उनके वेतन से कटौती का आदेश दिया। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने संशोधित वाहनों से संबंधित अपने आदेश का पालन न करने पर पुलिस महानिदेशक गौरव यादव समेत पंजाब के चार वरिष्ठ अधिकारियों पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

न्यायमूर्ति सुदीप्ति शर्मा ने निर्देश दिया कि जुर्माने की राशि अधिकारियों के वेतन से 50,000 रुपये के बराबर हिस्से में वसूल की जाए और पंजाब के मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा की जाए। जिन तीन अन्य अधिकारियों पर जुर्माना लगाया गया है उनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी प्रदीप कुमार-सचिव, परिवहन विभाग, आईएएस अधिकारी मोनीश कुमार-राज्य परिवहन आयुक्त और संगरूर के उपायुक्त-आईएएस अधिकारी जितेंद्र जोरवाल शामिल हैं।

हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने पर पंजाब के अधिकारियों पर जुर्माना

उच्च न्यायालय ने यह निर्देश 'शहीद भगत सिंह मिनी ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन पंजाब बनाम पंजाब राज्य एवं अन्य' अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। यह याचिका अदालत के 2023 के आदेश का उल्लंघन करने के लिए दायर की गई थी जिसमें राज्य के अधिकारियों को सड़कों पर चलने वाले परिवर्तित वाहनों के खतरे को रोकने के लिए उचित और प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिया गया था।

अदालत ने कहा कि प्रतिवादियों को अवसर दिए जाने के बावजूद, प्रतिवादियों द्वारा कोई व्यापक अनुपालन रिपोर्ट या हलफनामा दायर नहीं किया गया। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 27 नवंबर तय की है।

चक्रवात मोन्था का असर, अंबिकापुर-रायगढ़ में जोरदार बारिश

बस्तर में 80किमी की रफ्तार से हवा चलेगी, रायपुर-दुर्ग-बिलासपुर में भी पड़ेंगी बौछारें, बारिश से टेंशन में किसान

रायपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में चक्रवात 'मोन्था' का असर देखने को मिल रहा है। मंगलवार को अंबिकापुर और रायगढ़ में दोपहर को जोरदार बारिश हुई है। बारिश के बाद ठंड का असर भी देखने को मिल रहा है। वहीं बेमौसम बारिश से धान की फसल को नुकसान को लेकर किसान सहमे हुए हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक छत्तीसगढ़ में अगले 3 दिनों तक चक्रवात 'मोन्था' का असर देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने आज दक्षिण छत्तीसगढ़ के पांच जिलों नारायणपुर, बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। बस्तर में काले बादल छाए हुए हैं।

वहीं कोंडागांव, कांकेर, धमतरी और गरियाबंद में ऑरेंज अलर्ट है। रायपुर और बिलासपुर संभाग के जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान कुछ जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और हल्की बारिश होने की संभावना है।

बस्तर में 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। यह अधिकतम 80 किमी तक पहुंच सकती है। कल यानी 29 अक्टूबर को रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग के जिलों में भी तेज हवाओं और बारिश की संभावना है।

पिछले 24 घंटे में बेलगहना में 30 मिमी, पिपरिया, कसडोल, अंतागढ़, छुईखदान और भिंभोरी में लगभग 10 मिमी बारिश दर्ज की गई। रायपुर में अधिकतम तापमान 32.5°C और पेंड्रा में न्यूनतम तापमान 19°C रिकॉर्ड किया गया।

बंगाल की खाड़ी में बना सिस्टम, इस वजह से बारिश

दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में एक गहरा अवदाब (मजबूत सिस्टम) बना हुआ है। इसके चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है। इस वजह से आज यानी 28 अक्टूबर को बस्तर संभाग के अधिकांश जिलों में तेज हवा चलेगी। भारी बारिश भी हो सकती है।

छत्तीसगढ़ में 2028 की तैयारी, वोटर लिस्ट की घर-घर जांच

पिछले चुनावों में आरोपों के बाद बढ़ी निगरानी फर्जी और डुप्लीकेट नाम हटाए जाएंगे

रायपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अब वोटर लिस्ट का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) शुरू होने जा रहा है। इसे लेकर राज्य चुनाव आयोग ने निर्देश जारी कर दिए हैं। यह वही प्रक्रिया है जो हाल ही में बिहार में लागू हुई थी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने देश के जिन 12 राज्यों में एसआईआर कराने का ऐलान किया। उनमें छत्तीसगढ़ भी शामिल है। इस बार प्रदेश की सभी 90 विधानसभा सीटों की वोटर लिस्ट की गहनता से जांच होगी। हर वोटर को फिर से वेरिफाई किया जाएगा ताकि 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची पूरी तरह अपडेट और त्रुटिरहित हो। वहीं चुनाव आयोग की इस पहल का सीएम साय ने भी समर्थन व्यक्त किया है।

2028 की तैयारी का पहला कदम चुनाव आयोग ने साफ कहा है कि यह रिवीजन भविष्य के चुनावों की

नींव है। दरअसल, 2028 में विधानसभा और 2029 में लोकसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इस प्रक्रिया को 'प्री-इलेक्शन क्लीनिंग ड्राइव' माना जा रहा है। इस दौरान मतदाता सूची में नए वोटर जोड़े जाएंगे, गलतियों को सुधारा जाएगा, और डुप्लीकेट या मृत वोटरों के नाम हटाए जाएंगे।

रात 12 बजे लिस्ट फ्रीज की गई

सोमवार रात 12 बजे से राज्य की वोटर लिस्ट फ्रीज कर दी गई है। इसके बाद अब किसी भी तरह का जोड़ या सुधार केवल एसआईआर के जरिए ही किया जा सकेगा। बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) आज (मंगलवार) से घर-घर जाकर फॉर्म 6, 7, 8 और 8ए वितरित करेंगे। हर बीएलओ एक घर में तीन बार विजिट करेगा, ताकि कोई योग्य मतदाता छूटे नहीं। एसआईआर का सीधा संबंध अगले विधानसभा चुनाव से तो है, लेकिन इसके पीछे की असली वजह अब तक हुए पिछले विधानसभा चुनावों में लगे गंभीर आरोप से हैं।

इस पूरे विवाद से पहले राहुल गांधी भी 'वोट चोरी' के मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठा चुके हैं। उन्होंने 31 मिनट का प्रजेंटेशन देकर ये बताया था कि महाराष्ट्र, हरियाणा, यूपी और कर्नाटक में लाखों वोटर्स के नाम गायब कर दिए गए।

राहुल ने दावा किया कि चुनाव आयोग जानबूझकर कांग्रेस के वोटर्स के नाम लिस्ट से डिलीट कर रहा है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाया था कि वो उन लोगों की रक्षा कर रहे हैं जिन्होंने लोकतंत्र को कमजोर किया है। चुनाव आयोग ने राहुल के आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि देशभर में मतदाता सूची पारदर्शी प्रक्रिया से अपडेट की जा रही है। कांग्रेस ने बीजेपी नेताओं पर दो-दो विधानसभा क्षेत्रों में नाम दर्ज कराने के आरोप लगाए हैं। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने दस्तावेज जारी करते हुए कहा था कि 'राजेश मूणत का नाम रायपुर पश्चिम और रायपुर उत्तर दोनों जगह दर्ज है, जबकि बसना विधायक संपत अग्रवाल का नाम बसना और रायपुर दक्षिण दोनों वोटर लिस्ट में है।'

शराब घोटाला: चैतन्य को जमानत नहीं, 101 दिन से जेल में

ईडी कोर्ट ने कहा- इन्वेस्टिगेशन प्रभावित हो सकता है, रायपुर केंद्रीय जेल में ही रहना होगा

रायपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की जमानत याचिका ईडी की स्पेशल कोर्ट ने खारिज कर दी है। चैतन्य बघेल को रायपुर केंद्रीय जेल में ही रहना होगा। चैतन्य बघेल की ओर से यह पहली जमानत याचिका थी।

24 अक्टूबर को हुई सुनवाई के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे सोमवार को सुनाया गया । ईडी की स्पेशल कोर्ट ने कहा कि चैतन्य बघेल की रिहाई से जांच प्रभावित हो सकती है, इसलिए उन्हें जमानत नहीं दी जा सकती।

चैतन्य बघेल ने इससे पहले हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी, लेकिन किसी भी स्तर पर राहत नहीं मिल सकी। 17 अक्टूबर को हाई कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी को वैध बताया था, जिसके बाद यह याचिका विशेष अदालत में दायर की गई थी। चैतन्य बघेल मनी लॉन्ड्रिंग केस में 101 दिन से जेल में बंद है।

चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले- ईडी

दरअसल, शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। ईडी के मुताबिक चैतन्य बघेल ने ब्लैक मनी को वाइट करने के लिए फर्जी निवेश दिखाया है। साथ ही सिंडिकेट के साथ मिलकर 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है। ईडी ने चैतन्य बघेल को मनी लॉन्ड्रिंग केस में जुलाई में

गिरफ्तार किया था।

चैतन्य के वकीलों ने अदालत में इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया, लेकिन कोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि 18 जुलाई को ईडी ने उनके भिलाई स्थित घर से जन्मदिन के दिन उन्हें गिरफ्तार किया था। ईडी के अनुसार, कुल घोटाले में करीब 1,000 करोड़ रुपए को विभिन्न चैनलों के जरिए सफेद किया गया है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि, चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में घोटाले के पैसे को इन्वेस्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने रिकॉर्ड जब्त किए थे।

प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन ने बताया कि, इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ था। जबकि रिकॉर्ड में 7.14 करोड़ ही दिखाया गया।

केबल चोरी का आरोप, दलित युवक को पीट-पीटकर मार डाला

महासमुंद, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में मॉब लिंचिंग की एक घटना सामने आई है। ग्राम पतेरापाली में ग्रामीणों ने केबल तार चोरी के आरोप में एक दलित युवक को पीट-पीटकर मार डाला। उसका शव रविवार (26 अक्टूबर) सुबह गांव से 500 मीटर दूर मुक्तिधाम के पास मिला।

मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। गांव में पिछले 2-3 दिनों में अलग-अलग जगह में चोरी की घटना हुई थी। ग्रामीणों को संदेह था कि कौशल सहिस इन चोरियों में शामिल था। इसलिए उसे मार डाला। पुलिस आरोपियों की पहचान कर जल्द ही कार्रवाई करेगी। मृतक की पहचान बागबाहरा विकासखंड के ग्राम मोहबा के रहने वाले कौशल सहिस (50 साल) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार (25 अक्टूबर) सुबह लगभग 10 बजे कौशल सहिस को गांव से एक किलोमीटर दूर रेलवे पटरी के पास वन भूमि पर केबल जलाकर तांबे का तार निकालते हुए देखा गया। धुआं देखकर कुछ ग्रामीण वहां पहुंचे और उसे पकड़ लिया। ग्रामीणों ने उसके हाथ पीछे बांध दिए और सरपंच हेमंत चंद्राकर को सूचना दी। इसके बाद कौशल को बंधे हुए हाथों के साथ गांव लाया गया। बताया गया है कि पतेरापाली गांव में पिछले दो-तीन दिनों में पोल्ट्री फार्म और अन्य स्थानों पर बोर से केबल वायर चोरी की घटनाएं हुई थीं।

हजारीबाग में एक ही परिवार की चार बच्चियों की मौत

छठ के बाद तालाब की ओर से खेलने गई थी, पैर फिसलने से गहरे पानी में गई

हजारीबाग, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के कटकमसांडी प्रखंड के झरदाग गांव में मंगलवार दोपहर एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। एक ही परिवार की चार बच्चियां घर के पास स्थित तालाब में डूब गईं। बताया गया कि छठ महापर्व संपन्न होने के बाद सभी बच्चियां घर के पास तालाब में खेलने गई थीं। खेलते-खेलते एक बच्ची का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चली गई। उसे बचाने के प्रयास में अन्य तीन बच्चियां भी पानी में उतर गईं और चारों की डूबने से मौत हो गई।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बच्चियों की चीख-पुकार सुनकर जब लोग तालाब की ओर दौड़े, तब तक सभी चारों बच्चियां पानी में डूब चुकी थीं। ग्रामीणों ने किसी तरह उन्हें बाहर निकाला और स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

मृत बच्चियों की पहचान रिंकी कुमारी, रिया कुमारी, साक्षी कुमारी और पूजा कुमारी के रूप में की गई है। ये सभी आपस में बहनें थीं और एक ही परिवार से ताल्लुक रखती थीं। पूरे गांव में इस घटना के बाद मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे इलाके में गमगीन माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि यह परिवार हर साल छठ पर्व बड़े उत्साह से मनाता था, लेकिन इस बार खुशियां मातम में बदल गईं। घटना की सूचना मिलते ही कटकमसांडी थाना प्रभारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचल अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता मौके पर पहुंचे। पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। अंचल अधिकारी ने कहा कि प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ है और आपदा राहत कोष से मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि बच्चों को तालाब या गहरे पानी के पास खेलने से रोकें ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। हादसे के बाद पूरे झरदाग गांव में सन्नाटा पसरा है और हर आंख नम है।

बोकारो में छठ की शाम गोलीकांड

आईआरबी जवान की मौत, विवाद के बाद चली गोली, छठ में छुट्टी पर आया था घर

बोकारो, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। बोकारो जिले के चास थाना क्षेत्र स्थित आदर्श कॉलोनी, गायघाट में सोमवार देर शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक आईआरबी जवान की गोली लगने से मौत हो गई।

मृतक की पहचान गिरिडीह में पदस्थापित अजय यादव उर्फ सोनू के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह छठ पूजा की छुट्टी मनाने के लिए कुछ दिनों पहले घर आया था।

सोमवार की शाम किसी आपसी विवाद के दौरान गोली चली, जो सीधे अजय यादव के पेट में जा लगी।

गोली लगने के बाद घरवालों और स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में घायल जवान को बोकारो जनरल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही इलाके में मातम छा गया। जवान की मौत की सूचना पूरे मोहल्ले में फैलते ही सैकड़ों लोग अस्पताल और घटना स्थल पर जुट गए।

दो खोखे बरामद, पुलिस जांच में जुटी

घटना की जानकारी मिलते ही चास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखे बरामद किए हैं। हालांकि, गोली चलाने वाले व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस आस-पड़ोस के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि विवाद की वजह और गोली चलाने वाले का सुराग मिल सके।

शुरुआती जांच में यह मामला किसी निजी विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है, लेकिन पुलिस हर एंगल से जांच में जुटी है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इधर, स्थानीय लोगों ने दोषी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। चास थाना प्रभारी ने बताया कि जांच के बाद पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

कांग्रेस नेता के ऑफिस में 2 लोगों को मारी गोली

बिलासपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में कांग्रेस के जनपद उपाध्यक्ष नीतेश सिंह के पर्सनल ऑफिस के सामने अज्ञात हमलावरों ने 2 लोगों को गोली मार दी। फायरिंग में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को अपोलो अस्पताल भेजा गया है। मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र के नहर पार का है।

जानकारी के मुताबिक, बाइक सवार तीन नकाबपोश हमलावरों ने 2 राउंड फायरिंग की है। वारदात की खबर मिलते ही एसएसपी रजनेश सिंह मौके पर पहुंचे हैं।

एसएसपी ने सभी थानेदारों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही तोरवा और मस्तूरी क्षेत्र में नाकेबंदी कर दी गई है।

सारंडा जंगल में नक्सलियों का लगाया आईईडी में विस्फोट

चाईबासा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में मंगलवार को नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट में एक 10 वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान जराईकेला थाना क्षेत्र के दीघा गांव निवासी जय मासी हेरेंज की बेटी सिरिया हेरेंज के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, सिरिया सुबह करीब 9 बजे जंगल में सियाल पत्ता चुनने गई थी। उसी दौरान वह नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए लगाए गए आईईडी की चपेट में आ गई।

विस्फोट इतना जोरदार था कि बच्ची के दोनों पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही जराईकेला थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और शव को जंगल से बरामद किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह आईईडी नक्सलियों द्वारा पहले से लगाया गया था, ताकि सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि यह घटना नक्सली हिंसा के उस अमानवीय रूप को दिखाती है, जो अब निर्दोष ग्रामीणों की जान तक ले रहा है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय और तनाव का माहौल है। पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

इस दर्दनाक घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया है। लोगों ने कहा कि नक्सली हिंसा से अब आम लोगों की सुरक्षा खतरे में है।

हजारीबाग में पहली बार किन्नर ने किया छठ

हजारीबाग, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोक आस्था के महापर्व छठ पर हजारीबाग से एक प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई है। जिले में पहली बार एक किन्नर ने पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ छठ व्रत पूरा किया है। यह दृश्य न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि समाज में समानता और स्वीकृति का संदेश भी दे गया।

हजारीबाग की किन्नर अंजली ने न सिर्फ व्रत रखा, बल्कि घाट पर दीप जलाकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। उनकी इस पहल ने यह साबित कर दिया कि भक्ति और आस्था का कोई लिंग नहीं होता, ईश्वर के प्रति समर्पण सभी के लिए समान है।

अंजली ने कहा कि उन्होंने इस वर्ष पहली बार छठ व्रत किया और यह उनके जीवन का सबसे पवित्र अनुभव रहा। उनके अनुसार, "छठ केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि और सूर्य उपासना का प्रतीक है। इसमें हम उगते और डूबते सूर्य दोनों की पूजा करते हैं, जो विनम्रता, त्याग और समर्पण का संदेश देता है।"

अंजली ने बताया कि लंबे समय से उनके मन में इस लोक आस्था के पर्व को करने की इच्छा थी, और इस बार उन्होंने हिम्मत जुटाकर इसे पूरा किया।

3 दोस्तों ने साथी को मारकर पुल के नीचे फेंका

जिंदा देखकर पत्थर से सिर कुचला, धमतरी में मां-बहन की गाली देने पर की हत्या

धमतरी, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में मां-बहन की गालियां देने पर 3 दोस्तों ने मिलकर अपने एक साथी को मार डाला। पहले गला घोंटकर पुल के नीचे फेंक दिया, लेकिन जब देखा कि वह अभी जिंदा है तो सिर को पत्थर से कुचला। मामला मामला बिरेझर चौकी क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम मनीष कुमार मिथलेश (26) है, जो करगा गांव का रहने वाला था। तीनों दोस्तों ने सिर को इतना कुचला था कि मृतक की पहचान कर पाना मुश्किल था। तीनों दोस्तों ने शराब के नशे में हत्या की थी।

दरअसल, 21 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे मुख्य आरोपी होमेश कुमार साहू अपने दोस्त चाहत यादव के साथ मनीष को शराब पिलाने के लिए चटौद-करगा नाला पुल के पास ले गया था। शराब पीने के दौरान मनीष ने किसी बात को लेकर होमेश से गाली-गलौज की।

इस दौरान दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। इसके बाद आरोपी होमेश साहू ने अपने गमछे से मनीष के गले को बांधकर दबाया। इसके बाद सिर पर कई बार वार किया, फिर मरा समझकर मनीष को गमछे से बांधकर पुल के नीचे फेंक दिया था, लेकिन मनीष जिंदा था।

इसके कुछ देर बाद दोस्तों ने देखा कि वह जिंदा है तो फिर पत्थर से सिर पर इतना मारा की उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद मनीष का मोबाइल और बाइक वहीं फेंककर सभी आरोपी भाग गए थे, ताकि किसी को शक न हो। 22 अक्टूबर को करगा-चटौद पुल के नीचे मनीष की लाश मिली। इसके साथ ही बाइक भी लावारिश हालत में मिली थी। स्थानीय लोगों ने लाश मिलने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

पुलिस ने प्रथम दृष्टया मर्डर केस फाइल कर जांच शुरू की। पूछताछ और मोबाइल के माध्यम से पता चला कि मृतक का नाम मनीष कुमार मिथलेश (26) है। इसके बाद पुलिस ने मनीष कुमार के परिजनों और अन्य लोगों से पूछताछ की।

इस दौरान आखिरी बार होमेश साहू के साथ देखे जाने की सूचना मिली। पुलिस ने होमेश साहू को हिरासत में लिया।

जमैका से टकराएगा 2025 का सबसे ताकतवर तूफान मेलिसा

हवा की रफ्तार 282 किमी, 6 लाख से ज्यादा लोग ऊंची जगहों पर भेजे गए

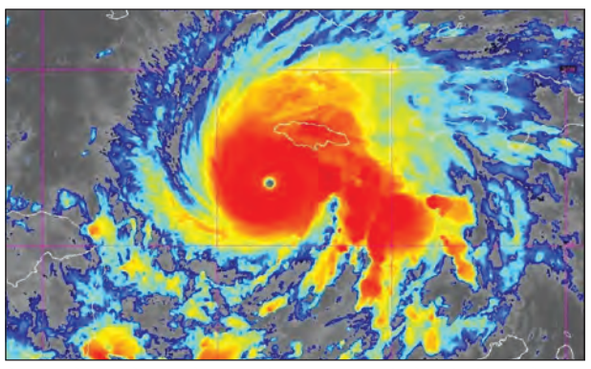

किंग्सटन/वॉशिंगटन, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरिकेन मेलिसा 2025 का सबसे ताकतवर तूफान बन गया है। यह कैरिबियाई देश जमैका की ओर बढ़ रहा है। इससे पहले यह हैती और डोमिनिकन रिपब्लिकन में तबाही मचा चुका है। मेलिसा से जमैका में 3, हैती में 3 और डोमिनिकन रिपब्लिक में 1 व्यक्ति की मौत हो गई है।

अमेरिकी मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यह तूफान विनाशकारी और जानलेवा साबित हो सकता है। मेलिसा की रफ्तार 175 मील प्रति घंटा यानी लगभग 282 किमी/घंटा तक पहुंच गई है।

इससे यह कैटेगरी-5 हरिकेन बन गया है। यह तूफानों की सबसे खतरनाक श्रेणी है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह तूफान मंगलवार शाम (भारतीय समय के मुताबिक) जमैका के तट से टकरा सकता है।

क्यूबा में 6 लाख और जमैका में 28,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया गया है। अमेरिकी वायुसेना रिजर्व के 403वें विंग के 'हरिकेन हंटर्स' ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें तूफान मेलिसा का बिल्कुल बीच का हिस्सा दिख रहा है। यह वीडियो उस समय शूट किया गया था, जब तूफान रविवार को जमैका की ओर बढ़ रहा था।

हरिकेन मेलिसा 24 घंटे में कैटेगरी 5 का तूफान बना

मेलिसा ने शनिवार को 120 किमी की रफ्तार से चलना शुरू किया था। 24 घंटे में रविवार रात तक इसकी रफ्तार 225 किमी हो गई। सोमवार रात इसकी रफ्तार 260 किमी हो गई थी जिसके यह कैटेगरी-5 तूफान बन गया।

कैटेगरी 5 के तूफान को हरिकेन की सबसे खतरनाक श्रेणी माना जाता है। इसमें हवाओं की रफ्तार 252 किलोमीटर प्रति घंटा (या 157 मील प्रति घंटा) से ज्यादा होती है। इसकी हवा इतनी तेज होती है कि मजबूत कंक्रीट की इमारतें भी क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। पेड़ उखड़ जाते हैं, बिजली और कम्युनिकेशन सिस्टम पूरी तरह ठप हो जाता है। समुद्र में ऊंची लहरें और तूफानी ज्वार कई मीटर ऊंचाई तक पहुंच सकता है, जिससे तटीय इलाकों में भारी बाढ़ आ जाती है। 2025 में अब तक 4 कैटेगरी 5 तूफान दर्ज किए गए हैं। एमआईटी के वैज्ञानिक केरी इमैनुएल ने कहा कि मेलिसा की रफ्तार बहुत धीमी है।

यह करीब 5 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है जो कि टहलने जैसा है। इस वजह से यह बहुत खतरनाक बन गया है क्योंकि यह ज्यादा देर तक तबाही मचाता रहेगा। इमैनुएल ने कहा कि इस बार अटलांटिक में बहुत ज्यादा तूफान नहीं बने, लेकिन जो भी बने हैं, वे बहुत तेजी से ताकतवर हुए। यह जलवायु परिवर्तन का असर है। समुद्र की सतह की गर्मी तूफानों में बहुत ज्यादा ऊर्जा दे रहा है।

क्लाइमेट सेंट्रल के वैज्ञानिकों के मुताबिक, तूफान मेलिसा जिस समुद्र के ऊपर से गुजरा, वहां का पानी जलवायु परिवर्तन की वजह से करीब 1.4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म था।

पाकिस्तान का बांग्लादेश को कराची पोर्ट के इस्तेमाल का ऑफर

20 साल बाद आर्थिक मुद्दों पर बातचीत, भारत ने बांग्लादेश की ट्रांजिट सुविधा रोकी थी

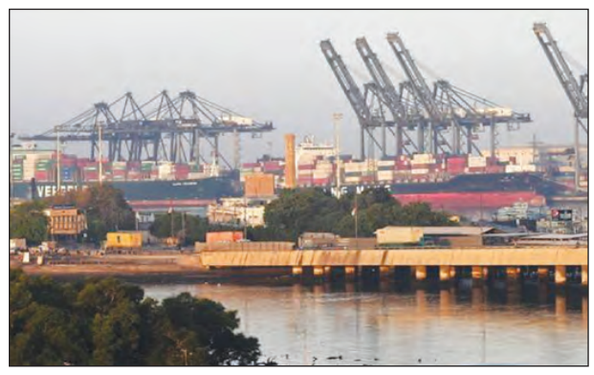

इस्लामाबाद, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को अपने कराची पोर्ट का इस्तेमाल करने की पेशकश की है। यह प्रस्ताव दोनों देशों के बीच सोमवार को ढाका में हुई पाकिस्तान-बांग्लादेश संयुक्त आर्थिक आयोग (जईसी) की 9वीं बैठक में रखा गया। यह बैठक करीब 20 साल बाद हुई थी।

पाकिस्तान का कहना है कि कराची पोर्ट का उपयोग बांग्लादेश को चीन, खाड़ी देशों और मध्य एशिया के बाजारों तक आसान पहुंच दिला सकता है। भारत सरकार ने 8 अप्रैल, 2025 को एक सर्कुलर जारी करके बांग्लादेश को तीसरे देश-निर्यात के लिए भारत की जमीन से सामान गुजारने (ट्रांस-शिपमेंट) की सुविधा समाप्त कर दी थी।

इस फैसले के तहत, बांग्लादेशी माल अब भारत के लैंड कस्टम स्टेशनों (एलसीएस) से होकर, भारत के किसी बंदरगाह या हवाईअड्डे से तीसरे देश को नहीं जा सकता था।

बैठक में पाकिस्तान ने बांग्लादेश से जूट आयात करने में गहरी रुचि दिखाई। फिलहाल भारत बांग्लादेश का सबसे बड़ा जूट खरीदार है। भारत ने 2023 में करीब 95 मिलियन डॉलर का जूट आयात किया था। लेकिन अगस्त में भारत ने बांग्लादेशी जूट उत्पादों के बंदरगाहों से आने पर पाबंदी लगा दी थी।

भारत ने कहा था कि बांग्लादेश की सब्सिडी से भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है। इसके बाद जुलाई 2025 में बांग्लादेश के जूट निर्यात की कमाई घटकर 12.9 मिलियन डॉलर से सिर्फ 3.4 मिलियन डॉलर रह गई।

इसके जवाब में बांग्लादेश ने भारत से धागा (यार्न) आयात बंद कर दिया और कई लैंड पोर्ट जैसे बेनापोल, भोमरा, सोनामसजिद, बंगलबंधा, बुरीमारी से आयात रोक दिया।

बैठक में पाकिस्तान ने प्रस्ताव रखा कि बांग्लादेश अपने जूट उत्पादों के निर्यात के लिए कराची बंदरगाह का इस्तेमाल कर सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान ने बांग्लादेशी कारोबारियों के लिए 500 स्कॉलरशिप और तकनीकी प्रशिक्षण सीटें बढ़ाने की भी घोषणा की है। दोनों देशों ने इन प्रस्तावों पर आगे काम करने के लिए एक जॉइंट वर्किंग ग्रुप बनाने का फैसला लिया है।

कई एक्सपर्ट्स इस प्रस्ताव को दक्षिण एशिया में बदलते क्षेत्रीय समीकरणों से जोड़कर देख रहे हैं। भारत-बांग्लादेश के बीच हाल के महीनों में कुछ व्यापारिक मतभेद सामने आए हैं। ऐसे में पाकिस्तान का यह कदम अपने लिए एक नया आर्थिक और कूटनीतिक अवसर बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि एक्सपर्ट्स का कहना है कि कराची पोर्ट तक बांग्लादेश का समुद्री मार्ग लंबा है और इस प्रस्ताव को व्यावहारिक रूप देने में लागत और लॉजिस्टिक चुनौतियां भी सामने आएंगी।

ट्रम्प को नोबेल के लिए नॉमिनेट करेगा जापान

अमेरिकी राष्ट्रपति ने पीएम तकाइची से मुलाकात की, ट्रेड और सिक्योरिटी पर बातचीत हुई

टोक्यो, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को जापान की नई प्रधानमंत्री साने तकाइची से टोक्यो के अकासाका पैलेस मुलाकात की। इस दौरान ट्रम्प ने जापान को अमेरिका का सबसे मजबूत सहयोगी बताया। साथ ही जापान की हर संभव मदद का ऐलान किया।

तकाइची हाल ही में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी हैं। दोनों के बीच बैठक में ट्रेड और सिक्योरिटी के मुद्दे पर बात हुई। तकाइची ने घोषणा की कि जापान, अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर अगले साल 250 चेरी के पेड़ भेंट करेगा। साथ ही ट्रम्प को अगले साल नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट भी करेगा।

ट्रम्प सोमवार को जापान पहुंचे थे, जहां उन्होंने सम्राट नारुहितो से मुलाकात की। ट्रम्प आज दोपहर तकाइची के साथ योकोसुका नौसैनिक अड्डे का दौरा करेंगे। यहां अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन तैनात है।

ट्रम्प और तकाइची ने मंगलवार को ट्रेड और रेयर अर्थ मिनरल्स से जुड़े दो अहम समझौतों पर साइन किए।

व्यापार समझौते के तहत जापान, अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश करेगा। इसके बदले में अमेरिका, जापानी निर्यात पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा।

पाक-अफगान शांति वार्ता नाकाम

पाकिस्तान बोला– अफगानिस्तान में ड्रोन हमले नहीं रोक सकते

काबुल, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तुर्किये में चल रही सीजफायर वार्ता नाकाम हो गई है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमले का आरोप लगाया। इस दौरान पाकिस्तान ने पहली बार स्वीकार किया कि वह अफगानिस्तान के अंदर ड्रोन हमलों को रोकने में नाकाम है, क्योंकि उसके किसी तीसरे देश के साथ एक सीक्रेट समझौता है।

पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह समझौता तोड़ना संभव नहीं है। हालांकि यह किस तरह का समझौता है और किस देश के साथ किया गया है, इसकी कोई जानकारी नहीं है। वार्ता में पाकिस्तानी पक्ष ने अफगान टीम से कहा कि उसे पाकिस्तानी तालिबान के हमलों के खिलाफ अफगानिस्तान के अंदर हमले करने की इजाजत दी जाए। हालांकि, कोई समझौता नहीं हो सका। यह खुलासा ऐसे समय हुआ है जब पाकिस्तान ने हाल ही में अमेरिका के साथ रक्षा और रणनीतिक संबंध मजबूत किए हैं।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या के आरोपी ने कोर्ट में कबूला अपना गुनाह

टोक्यो, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या के आरोपी ने मंगलवार को कोर्ट में अपना गुनाह कबूल कर लिया। तीन साल पहले आबे की दिनदहाड़े हत्या हुई थी। इस हत्याकांड ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था।

आरोपी ने हाथ से बने हथियार से किया था हमला

आरोपी तेत्सुया यामागामी (45 वर्षीय) पर हत्या और शस्त्र नियंत्रण कानूनों के उल्लंघन का आरोप था। उस पर यह आरोप है कि उसने जुलाई 2022 में आबे को उनके भाषण देते समय एक हाथ से बने हथियार का इस्तेमाल करके मार डाला। अदालत में यामागामी ने कहा, 'सब सच है।'

ट्रंप ने आबे को बताया 'महान मित्र'

आरोपी के खिलाफ आज मुकदमा शुरू हुआ। यामागामी उसी समय अदालत में पेश हुआ, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी जापान की नई प्रधानमंत्री सनाए तकाइची से वार्ता के लिए पहुंचे। तकाइची ने ट्रंप के साथ चर्चा में आबे के साथ अपने करीबी संबंधों का जिक्र किया और उन्हें अपना 'महान मित्र' बताया।

आबे को मारने के पीछे वजह क्या थी?

यामागामी पर आरोप है कि उसने 2022 में चुनावी भाषण के दौरान हाथ से बनाई गई बंदूक से आबे को गोली मारी। उसकी नाराजगी दक्षिण कोरिया में 1953 में कोरियाई युद्ध के एक साल बाद बने यूनिफिकेशन चर्च से थी। यामागामी का मानना था कि इस चर्च के आबे और अन्य जापानी नेताओं से करीबी संबंध थे। उसने अधिकारियों को बताया कि उसकी मां ने चर्च को बहुत बड़ी राशि दान में दी थी, जिससे उसका परिवार आर्थिक रूप से बर्बादी के कगार पर पहुंच गया।

जॉर्डन के बाद गाजा में हमास का खात्मा करेगा पाकिस्तान?

जनरल जिया ने 25000 फिलिस्तीनियों को मरवाया, 'ब्लैक सितंबर' की कहानी

इस्लामाबाद, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सेना का बेगुनाहों को मारने का लंबा और काला इतिहास रहा है। बांग्लादेश लाखों लोगों को पाकिस्तान की सेना ने मौत के घाट उतार दिया, हजारों महिलाओं से बलात्कार किया, पाकिस्तान ने अपनी सेना को सऊदी अरब में लड़ने के लिए भेजा और पाकिस्तान की सेना ने जॉर्डन में भी अपनी सेना को भेजा, जिसने एक दो नहीं, 20 से 25 हजार फिलिस्तीनियों का नरसंहार कर डाला। पाकिस्तान एक बार फिर अपनी सेना को गाजा भेजने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, मोसाद और सीआईए के अधिकारियों से असीम मुनीर की गुप्त मुलाकात के बाद ये फैसला लिया गया है।

हम आपको आज 1970 की वो खूनी कहानी बताने जा रहे हैं, जब पाकिस्तानी सेना ने फिलीस्तीन के करीब 20 से 25 हजार लोगों को मार डाला था। ये कहानी जॉर्डन की है, जहां फिलीस्तीन कि विद्रोहियों ने सीरिया और इराक के समर्थन से विद्रोह कर दिया था। इस विद्रोह से जॉर्डन जल उठा। उस वक्त जॉर्डन की सत्ता किंग हुसैन के हाथों में थी और उन्हें लगने लगा कि विद्रोह की चिंगारी उनके सत्ता को जला डालेगी। फिर उन्होंने पाकिस्तान की किराए की सेना से मदद मांगी और कुख्यात जिया उल हक, जो उस वक्त पाकिस्तान की सेना में ब्रिगेडियर थे, वो जॉर्डन की सेना को ट्रेनिंग देने के बहाने अपनी फौज के साथ जॉर्डन चले गये।

गाजा में सेना भेजेगा पाकिस्तान, देश में भारी विरोध

आप किसी लोकतांत्रिक देश से ऐसी उम्मीद नहीं कर सकते, लेकिन वो पाकिस्तान है, जहां के सैनिक किराए पर मिलते हैं। ये वो पाकिस्तान है, जिसकी जुबान पर हर वक्त इस्लाम रहता है, लेकिन डॉलर के लिए ये मुसलमानों का कत्लेआम करने से बाज नहीं आते।

दरअसल, गाजा में शांति के लिए पश्चिमी देशों के नेतृत्व में एक अंतर्राष्ट्रीय स्थिरीकरण बल (आइएसएफ) का गठन होने वाला है। इसी टीम में पाकिस्तान अपनी सैनिकों को भेजने पर विचार कर रहा है। पाकिस्तान पर डोनाल्ड ट्रंप का प्रेशर है, इसीलिए उसे अपने किराए के सैनिकों को गाजा भेजना ही होगा।

दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर बस में आग लगी

एअर इंडिया का विमान नजदीक खड़ा था, किसी के घायल होने की खबर नहीं

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर मंगलवार दोपहर एअर इंडिया के विमान से कुछ मीटर दूर खड़ी एक बस में अचानक आग लग गई। यह बस एअर इंडिया एसएटीएस एयरपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की थी, जो कई एयरलाइंस के लिए ग्राउंड सर्विस देती है।

आग लगने के समय बस में कोई यात्री मौजूद नहीं था। फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि इस घटना में कोई घायल हुआ या नहीं। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें बस पूरी तरह आग की लपटों में घिरी दिखाई दे रही है। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। जांच जारी है।

घटना के बाद दिल्ली एयरपोर्ट मैनेजमेंट ने बयान जारी किया है। उन्होंने बताया- दोपहर करीब 12 बजे एक ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी की बस में अचानक आग लग गई।

एयरपोर्ट की फायर फाइटिंग टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया। उस समय बस खड़ी हुई थी और उसमें कोई यात्री मौजूद नहीं था। सभी उड़ानों का संचालन सामान्य है।

11 सितंबर- काठमांडू जा रही फ्लाइट की टेल में आग

इससे पहले 11 सितंबर को दिल्ली से काठमांडू जा रही स्पाइसजेट फ्लाइट एसजी041 की टेल (पिछले हिस्से) में आग लग गई थी। इसके बारे में एक दूसरे विमान के पायलट से पता चला। यह घटना तब हुई जब विमान रनवे पर उड़ान भरने के लिए खड़ा था।

काठमांडू जा रही स्पाइसजेट फ्लाइट में 100 से ज्यादा यात्री सवार थे। प्लेन को सुबह 8:10 बजे दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरनी थी।

काठमांडू पहुंचने का समय 9:55 का था, लेकिन पिछले हिस्से की पाइप में आग लगने की वजह से प्लेन ने दोपहर 3 बजे उड़ान भरी।

एयरलाइंस के मुताबिक आग की खबर मिलते ही सभी यात्रियों को सुरक्षित नीचे उतारा गया। सभी यात्री सुरक्षित थे। टेल पाइप इंजन का पिछला हिस्सा होता है। यहां से गर्म हवा और धुआं बाहर निकलता है।

अमेरिकी फ्लाइट में भारतीय यात्री की शर्मनाक हरकत

दो बच्चों पर कांटे वाली चम्मच से हमला, महिला को मारा थप्पड़

वॉशिंगटन, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के एक फ्लाइट में भारतीय नागरिक ने शर्मनाक हरकत को अंजाम दिया है। 28 साल के भारतीय नागरिक प्रणीत कुमार उसिरीपल्ली पर शनिवार को शिकागो से फ्रैंकफर्ट जा रही लुफ्थांसा की फ्लाइट में अपने सहयात्रियों पर हमला कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लाइट में प्रणीत ने दो किशोरों पर कांटे वाली चम्मच से हमला किया, जबकि उसने चालक दल की एक महिला सदस्य को थप्पड़ भी लगा दिए। इस घटना के बाद फ्लाइट को तत्काल डाइवर्ट कर दिया गया और उसे बोस्टन लोगान अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन तरीके से उतारना पड़ा। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, मैसाचुसेट्स जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने कहा है कि प्रणीत पर विमान में यात्रा के दौरान शारीरिक नुकसान पहुंचाने के इरादे से एक खतरनाक हथियार से हमला करने का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस घटना में प्रणीत ने फ्लाइट में 17 साल के दो लड़कों पर कांटे वाले चम्मच से हमला कर दिया, जिससे एक लड़के के सिर में और दूसरे लड़के के कंधे पर गहरा चोट आया है। बताया गया है कि पहला लड़का, खाना खाने के बाद अपनी बीच वाली सीट पर सो रहा था, जब उसकी नींद खुली तो उसने प्रणीत को अपने ऊपर झुका हुआ पाया। शायद प्रणीत नींद की वजह से उसके ऊपर झुक गया था। इसके बाद झगड़ा हो गया और प्रणीत ने अपने दाहिने हाथ से लड़के के बाएं कॉलरबोन पर वार किया। इसके बाद उसने दूसरे लड़के पर, जो पहले पीड़ित के बगल में बैठा था, उसपर भी हमला कर दिया।

अधिकारियों के मुताबिक, जब विमान चालक दल के सदस्यों ने स्थिति को काबू में करने की कोशिश की तो आरोपी प्रणीत ने अपने हाथों से नकली बंदूक जैसा आकृति बनाकर उसपर काल्पनिक ट्रिगर दबा दिया। जैसे वो क्रू मेंबर को गोली मार रहा हो। इसके बाद जब हंगाम बढ़ा को प्रणीत ने एक महिला यात्री को थप्पड़ जड़ गया और एक क्रू मेंबर को भी थप्पड़ मारने की कोशिश की। आपको बता दें कि प्रणीत, जो पहले छात्र वीजा पर अमेरिका में बाइबिल अध्ययन में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहा था, अब वो अमेरिका में वैध तरीके से नहीं रह रहा है और अगर उसे दोषी ठहराया जाता है।

केन्या में बड़ा हवाई हादसा

मासाई मारा जाते वक्त विमान दुर्घटनाग्रस्त, 11 लोगों की मौत

नैरोबी, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। केन्या में मंगलवार को एक बड़ा हवाई हादसा हुआ, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें आठ हंगरी के नागरिक, दो जर्मन नागरिक और एक केन्याई पायलट शामिल हैं। यह विमान केन्या के क्वाले क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जब वह प्रसिद्ध मासाई मारा नेशनल रिजर्व की ओर जा रहा था। हादसे के बाद विमान पूरी तरह जलकर खाक हो गया, जिससे किसी के भी बचने की संभावना नहीं रही।

बंधक के शव को लेकर हमास की 'धोखेबाजी' पर नेतन्याहू सख्त

बताया शांति समझौते का स्पष्ट उल्लंघन

तेल अवीव, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका की मध्यस्थता के बाद इस्राइल और गाजा में फलस्तीनी संगठन हमास के बीच शांति समझौते का पहला चरण जारी है। ऐसे में हमास ने सोमवार (27 अक्तूबर) को एक बंधक का शव इजरायल को सौंपा। लेकिन अब बंधक के शव को लेकर इजरायल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास पर बड़ा बयान दिया है।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार (28 अक्तूबर) को कहा कि हमास की ओर से रात में लौटाए गए एक बंधक के अवशेष लगभग दो साल पहले गाजा में इजरायल सैनिकों द्वारा बरामद किए गए एक बंधक के शरीर के अंग हैं। सोमवार को गाजा में युद्धविराम के बीच हमास ने एक बंधक का शव इजरायल को सौंपा था। इजरायल प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यकाल के अनुसार सेना को एक ताबूत प्राप्त हुआ, जिसमें 7 अक्तूबर 2023 के हमले के दौरान अगवा किए गए 28 में से 16वें बंधक का शव था। इसके बाद शव सैन्य सम्मान के साथ राष्ट्रीय फॉरेंसिक संस्थान भेजा गया। जिसके बाद अब शव के अवशेष को लेकर बेंजामिन नेतन्याहू का बयान सामने आया। इजरायल सेना ने तटीय क्षेत्र में दो साल के इजरायल-हमास युद्ध के दौरान लगभग 51 बंधकों के शव बरामद किए। नेतन्याहू ने शवों के अंगों की वापसी को हमास द्वारा अमेरिका की मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते का स्पष्ट उल्लंघन बताया है। बताया जा रहा है कि गाजा में अभी भी 13 बंधकों के शव हैं, और उन अवशेषों की धीमी गति से बरामदगी युद्धविराम के अगले चरणों को लागू करने में चुनौती पेश कर रही है। वहीं हमास ने कहा है कि वह गाजा में भारी तबाही के बीच शवों का पता लगाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

हमास ने कहा कि हम युद्धविराम समझौते के पहले चरण को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और जल्द से जल्द सभी शव लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। जबकि इजरायल ने फलस्तीनी संगठन पर जानबूझकर शवों की वापसी में देरी करने का आरोप लगाया है।

मंत्रिमंडल विस्तार जल्द, कुछ मंत्रियों की छुट्टी तय

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में उस समय नई हलचल देखने को मिली। जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अचानक दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने इसे दिवाली के बाद की शिष्टाचार भेंट बताया है। लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे मंत्रिमंडल फेरबदल और राजनीतिक नियुक्तियों से जोड़कर देखा जा रहा है। दोनों नेताओं के बीच प्रदेश सरकार के कामकाज, राजनीतिक नियुक्तियों और संगठनात्मक संतुलन को लेकर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है।

दिसंबर में होगा दो साल का कार्यकाल पूरा

भजनलाल सरकार 15 दिसंबर

को दो साल का कार्यकाल पूरा करने जा रही है। वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित 24 मंत्री हैं, जबकि छह पद अभी रिक्त हैं। फेरबदल होता है तो इन पदों को भरने के साथ कुछ चेहरों को बदले जाने की भी संभावना है।

विकास कार्यों और आगामी कार्यक्रमों की दी जानकारी

बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी को राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं, विकास कार्यों और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। सीएम ने 10 दिसंबर को होने वाले पहले राजस्थानी प्रवासी दिवस का न्योता भी प्रधानमंत्री को दिया।

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद सीएम भजनलाल, केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी मिले। प्रधानमंत्री को विकसित राजस्थान-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी बताया।

संगठन और सरकार में संतुलन साधने का प्रयास

मुख्यमंत्री शर्मा की यह मुलाकात संगठन और सरकार दोनों में संतुलन साधने की कोशिश का हिस्सा बताई जा रही है। माना जा रहा है कि दिल्ली दौरे के बाद जल्द मंत्रिमंडल फेरबदल और बड़ी राजनीतिक नियुक्तियों की घोषणा हो सकती है।

तीन महीने में तीसरी मुलाकात

सीएम शर्मा की तीन महीने में प्रधानमंत्री मोदी से यह तीसरी मुलाकात है। इससे पहले उन्होंने जुलाई और सितंबर में भी पीएम से भेंट की थी। सितंबर में बांसवाड़ा दौरे के दौरान भी पीएम मोदी, सीएम शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एक ही मंच पर नजर आए थे, जिससे पार्टी के भीतर सियासी समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं।

कांग्रेस विधायक का पैर टूटने के मामले में सचिन पायलट का बड़ा बयान

कस्टोडियन भूमि को लेकर कर रहे थे प्रदर्शन

नागौर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। कस्टोडियन भूमि किसानों को आवंटित करने की मांग को लेकर चल रहे धरना प्रदर्शन में पुलिस ने लाठियां भांज दी, जिसमें लाडनूं से कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर का पैर टूट गया। कलेक्ट्रेट गेट के बाहर सभा के बाद कलक्टर को ज्ञापन सौंपने के दौरान विधायक अन्य नेताओं के साथ कलेक्ट्रेट में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे।

बता दें कि इसी दौरान उन्हें रोकने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया और भगदड़ में विधायक का पैर टूट गया। उनके समर्थक विधायक को निजी अस्पताल ले गए, जहां पैर पर प्लास्टर चढ़ाने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

किसान संघर्ष समिति, अखिल भारतीय किसान सभा के बैनर तले प्रदर्शन और घेराव किया गया। कलक्ट्रेट के मुख्य द्वार के बाहर सभा हुई। नेताओं ने किसानों के साथ धरना दिया। सभा के बाद बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि किसानों के साथ कलक्टर को ज्ञापन देने के लिए कलक्ट्रेट में घुसने का प्रयास करने लगे, जिन्हें पुलिस ने बेरीकेड्स लगाकर रोक दिया।

नेताओं और किसानों की भीड़ को देखते हुए भारी पुलिसबल तैनात था। इस दौरान कलक्ट्रेट में घुसने के दौरान प्रदर्शनकारी और पुलिस आमने-सामने हो गए। पुलिस ने बल प्रयोग किया तो विधायक भाकर का एक पैर फ्रेक्चर हो गया, जिसके बाद सभी लोग मौके पर धरने पर बैठ गए।

काफी देर तक चली नारेबाजी के बाद एक प्रतिनिधिमंडल के कलक्टर से मिलने पर सहमति बनी, जिसके बाद किसानों की मांगों को लेकर एक मांग पत्र कलक्टर को सौंपा गया।

एसआईआर के ऐलान पर गरमाई सियासत

गहलोत बोले-जनता के मन में मताधिकार छीने जाने की आशंका पनप गई

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया का ऐलान होने के साथ ही सियासत में उबाल आ गया है। राज्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने ऐलान किया है कि प्रदेश में 28 अक्टूबर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक SIR चलेगी। इधर प्रदेश के SIR का ऐलान होने के साथ ही कांग्रेस ने इस प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने सबसे पहले मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि करीब 20 साल पहले भी एसआईआर प्रक्रिया हुई पर तब कोई विरोध नहीं हुआ। अब चुनाव आयोग ने ही ऐसा माहौल बना दिया जिससे आमजन के मन में शक पैदा हुआ है। जब SIR की प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है तो 12 राज्यों में SIR पर आगे बढ़ना उचित नहीं लगता है। भारत में संविधान लागू होने के बाद पहले दिन से सभी को मताधिकार दिया गया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में महिलाओं एवं अश्वेतों को मताधिकार मिलने में दशकों लग गए। एसआईआर से जनता के मन में मताधिकार छीने जाने की आशंका पनप गई है।

एसआईआर के बहाने पंचायत, निकाय चुनाव नहीं करवाएगी सरकार- डोटासरा

वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी इसे लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा- भाजपा चाहे जितनी साजिशें रच ले... लेकिन जनता अपने वोट से और लोकतंत्र से इनको करारा जवाब देगी! राजस्थान में SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया लागू करने का निर्णय लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा प्रहार है। मतदाता सूची में सुधार के नाम पर दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और

अल्पसंख्यकों के वोट काटने की साजिश है। दरअसल भाजपा को पंचायत और निकाय चुनावों में हार का डर सता रहा है, इसलिए कभी एक राज्य, एक चुनाव तो अब एसआईआर की आड़ में चुनाव टालकर ग़रीबों का वोट छीनने का काम कर रहे हैं। वोटर लिस्ट फ्रीज हो जाएंगी एवं अगले साल 7 फरवरी तक फाइनल वोटर लिस्ट का पब्लिकेशन होगा, पूरी मशीनरी SIR में लगी रहेगी और इस दौरान OBC की गणना भी नहीं हो पाएगी। यानी स्पष्ट है कि सरकार की मंशा अनुरूप पंचायत व निकाय चुनाव अगले साल बजट के बाद मई-जून तक नहीं होंगे, जिसका विरोध कांग्रेस पार्टी लगातार कर रही है। 5 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के पश्चात चुनाव नहीं करवाना संविधान की खुली अवहेलना है। कब से शुरू होगी एसआईआर28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्र मुद्रण का कार्य होगा। 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक घर-घर गणना प्रपत्र वितरित और संग्रहित किए जाएंगे। 9 दिसंबर को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित होगा, 9 दिसंबर से 8 जनवरी तक दावे और आपत्तियां ली जाएंगी, 9 दिसंबर से 31 जनवरी तक नोटिस फेज में सुनवाई और सत्यापन किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी 2026 को प्रकाशित होगी। राज्य में वर्तमान मतदाता सूची के अनुसार कुल 5.48 करोड़ मतदाता हैं। इनमें 40 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 2.61 करोड़ मतदाताओं की मैपिंग 77% पूरी हो चुकी है। 40 वर्ष से कम आयु के 2.88 करोड़ मतदाताओं की मैपिंग प्रगति पर है। 52,469 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) गणना प्रपत्र भरवाएंगे।

सीईओ महाजन ने बताया कि सभी संभागीय आयुक्त, जिला निर्वाचन अधिकारी और रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इसमें मतदान केंद्रों का पुनर्गठन, बीएलओ और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, राजनीतिक दलों को सूचना, मीडिया प्रबंधन, ऑनलाइन प्रपत्र भरने को बढ़ावा और आईईसी सामग्री के प्रकाशन पर जोर दिया गया है।

जयपुर की 2 कोठियां और श्रीगंगानगर के भूखंड फ्रीज

कर्नाटक में 2000 करोड़ की साइबर ठगी से राजस्थान में किया करोड़ों का निवेश

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। करीब 2 हजार करोड़ रुपए के साइबर फ्रॉड मामले में श्रीगंगानगर के सदर थाना पुलिस ने आरोपियों की करोड़ों रुपए की संपत्तियां कुर्क कर दी हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ गोदारा के आदेश पर थाना प्रभारी सुभाषचंद्र ढिल ने जयपुर में दो कोठियों और श्रीगंगानगर में दो भूखंडों को कब्जे में लेकर फ्रीज किया।

पहली कोठी जयपुर के ओमेक्स सिटी, बड़ के बालाजी के पास अजमेर रोड स्थित प्लॉट नंबर 47, ब्लॉक नंबर 3 में 253 वर्गमीटर क्षेत्र में बनी है, जिसकी कीमत करीब तीन करोड़ रुपए है। दूसरी कोठी गिरधारीपुरा, अजमेर रोड स्थित अपोलो गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड के प्लॉट नंबर डी-266 पर बनी है,

जिसकी कीमत भी करीब तीन करोड़ रुपए आंकी गई है।

श्रीगंगानगर में चक 7 ई छोटी स्थित मानवी एन्कलेव, नाथांवाला-सूरतगढ़ बायपास रोड पर दो भूखंड (20 बाय 80 फीट) को भी फ्रीज किया गया है। प्रत्येक भूखंड की कीमत करीब 45 लाख रुपए बताई गई है। ये संपत्तियां आरोपी मलकीत सिंह, दीपक आर्य और उसकी मां रेणु बाला के नाम पर हैं।

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि आरोपियों ने कर्नाटक के विजयपुरा जिले में करीब दो हजार करोड़ की साइबर ठगी कर फरारी के दौरान जयपुर और श्रीगंगानगर में यह संपत्तियां खरीदी थीं। इनके पास कोई वैध आय स्रोत नहीं था। यह मामला जनवरी में सदर थाने में दर्ज हुआ था। अदालत ने 14 अक्टूबर को

बीजेपी के पूर्व विधायक ने वापस लिया नामांकन

15 प्रत्याशियों के बीच होगी चुनावी जंग

अन्ता, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। अन्ता विधानसभा उप चुनाव के अन्तर्गत 5 निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में अब तस्वीर साफ हो गई। चुनाव में 15 प्रत्याशियों में जंग होगी। नामांकन वापसी के प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए गए हैं।

रिटर्निंग अधिकारी और एसडीएम हवाई सिंह यादव ने बताया कि अन्ता विधानसभा उप चुनाव में चुनाव लड़ने के लिए कुल 21 प्रत्याशियों ने 32 नामांकन पत्र दाखिल किए थे। इसमें फार्मों की जांच और संवीक्षा के दौरान एक फार्म निरस्त कर दिया गया था। शेष 20 में से 5 ने नाम वापस ले लिया है।

इनमें भाजपा के जिला महामंत्री और पूर्व विधायक रामपाल मेघवाल का नाम प्रमुख है। उन्होंने निर्दलीय पर्चा भरा था। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की समझाइश के बाद उन्होंने नामांकन पत्र वापस लिया। वहीं मुंडोता जयपुर के अभयदास जांगिड़, प्रताप नगर जयपुर के नरोत्तम पारीक, नयागांव बारां की सुनीता मीणा तथा बारां जिले की मांगरोल तहसील की संतोष सुमन ने भी चुनाव में नामांकन भरा था। इन्होंने भी दोपहर तीन बजे से पूर्व अपने नामांकन पत्र वापस ले लिए हैं।

हाडौती में 'जल प्रलय' से किसानों के बीच हाहाकार

नुकसान पर अपनी ही सरकार से राजस्थान बीजेपी चीफ ने की मुआवजा की मांग

कोटा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के हाडौती अंचल में बीते रविवार से लगातार बारिश का दौर जारी है। इस बारिश ने क्षेत्र की खेती-किसानी पर जल प्रलय की स्थिति ला दी है। हालत यह है कि खेतों में कटकर पाड़ा धान बर्बाद हो गया। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में सबसे सर्वाधिक बारिश हाडौती के बूंदी जिले के नैनवा क्षेत्र में 130mm बारिश दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान पूर्वी राजस्थान के बूंदी व भीलवाड़ा जिलों में अतिभारी और अनेकों स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा दर्ज की गई। पश्चिमी राजस्थान में कहीं कहीं हल्की बारिश दर्ज की गई। बारिश से तापमान में भी गिरावट आई है।

राजस्थान में अधिकतम तापमान जैसलमेर में 34।7 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान अजमेर व वनस्थली में 17।2 डिग्री दर्ज किया गया।

रविवार के दिन कोटा संभाग के कहीं हिस्सों में बारिश का दौर शुरू हुआ था। लेकिन वह थमा नहीं है। क्षेत्र के किसान जो है वह इंद्रदेव से प्रार्थना कर रहे हैं कि बारिश थम जाए। क्योंकि पहले मानसून की बारिश ने खरीफ सीजन की फसलों को नष्ट किया और जो कुछ बची हुई थी धान की फसल उसे अब यह अक्टूबर माह के अंत में हो रही बारिश बर्बाद कर रही है। खेतों में धान की फसल खड़ी है। कहीं किसानों ने धान की फसल मंडी में ले जाने के लिए काटकर सूखाने के लिए छोड़ रखी है। जिसे बड़ा नुकसान इस बारिश ने पहुंचाया है। मंडियों में भी किसान फसल लेकर पहुंचा, लेकिन वहां भी बारिश ने जींस को नुकसान पहुंचा दिया है।

मौसम विभाग के रिकॉर्ड के मुताबिक कोटा में 71 एमएम बारिश पिछले 24 घंटे में हुई है। बूंदी तहसील में भी 71 एमएम बारिश दर्ज की गई है। बारां जिले में अंता, मांगरोल, किशनगंज, अटरू, शाहबाद में 20 एमएम बारिश पिछले 24 घंटे में हुई है। बारिश झालावाड़ जिले में भी कहीं स्थानों पर हुई है। बारिश का दौर अभी भी जारी है। ऐसे में बारिश की वजह से मौसम में गलन बढी है। कोटा कृषि विस्तार विभाग के रिटायर्ड संयुक्त निदेशक पीके गुप्ता बताते हैं कि हाडौती में इस बार बारिश अच्छी हुई, लेकिन कृषि के लिए बारिश ठीक नहीं रही। खेती किसानी को बड़ा नुकसान बारिश ने पहुंचाया है।

महामंदिर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अंतरराज्यीय नकबजनी गैंग का पर्दाफाश, तीन शातिर गिरफ्तार

जोधपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। महामंदिर थाना पुलिस टीम ने लगातार हो रही नकबजनी वारदात के विरुद्ध बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतर्राज्यीय नकबजनी गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गैंग के तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नकदी और सोने-चांदी के कीमती आभूषण बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने देशभर में 20 से अधिक बड़ी नकबजनी की वारदात और दो मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। दीपावली की रात जोधपुर आयुक्तालय क्षेत्र में हुई करीब आधा दर्जन चोरी की वारदात का भी खुलासा हुआ है।

आयुक्त ओमप्रकाश (आईपीएस) के नेतृत्व में पुलिस उपायुक्त जोधपुर पूर्व एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त वीरेन्द्र सिंह के सुपरविजन में एसीपी प्रतीकसिंह (आईपीएस) के निर्देशन में और थानाधिकारी देवेन्द्र सिंह निपु के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने यह कार्रवाई अंजाम दी। पुलिस ने बीजेएस एरिया में हुई चोरियों के बाद सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की पहचान की। जांच के दौरान आरोपियों के रूट चार्ट का विश्लेषण कर पुलिस टीम ने लगातार पीछा करते हुए तीनों आरोपियों को खाटू श्यामजी, जिला सीकर से गिरफ्तार किया।

मनोहरपुर में हाईटेंशन लाइन से टकराई बस

सिलेंडर फटने से लगी आग, 3 की मौत, 12 घायल

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर से करीब 62 किलोमीटर दूर मनोहरपुर के टोडी में मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। उत्तर प्रदेश से मजदूरी करने आए मजदूरों से भरी एक स्लीपर बस हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। बस की छत पर रखे गैस सिलेंडर, बाइक और अन्य सामान के संपर्क में आने से करंट दौड़ गया, जिससे बस में आग लग गई।

आग की लपटों में फंसे सिलेंडरों के फटने से धमाके हुए, जिसके चलते 3 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 12 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से झुलस गए। यह देश में पिछले 15 दिनों में बस से जुड़ा पांचवां बड़ा हादसा है।

बस हादसे में झुलसकर घायल हुए 6 लोगों को जयपुर के एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें नाजमा पत्नी नसीम, सितारा पत्नी नूर मोहम्मद, अजहर पुत्र नसीम, अल्ताफ पुत्र नूर मोहम्मद और नहीम पत्नी नवाब हुसैन शामिल हैं। वहीं, सीएचसी शाहपुरा में चंदा पत्नी जब्बर हुसैन भर्ती हैं।

हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ

बता दें, यह हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ, जब बस टोडी स्थित ईंट भट्टे पर मजदूरों को ले जा रही थी। बस यूपी नंबर की स्लीपर कोच थी, जिसमें 50 से 60 मजदूर सवार थे। सभी मजदूर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के रहने वाले थे, जो राजस्थान में ईंट भट्टों पर काम करने के लिए आए थे। बस की छत पर आधा दर्जन से ज्यादा गैस सिलेंडर, चार-पांच मोटरसाइकिल और अन्य घरेलू सामान लदा हुआ था।

इसी दौरान बस के ऊपरी हिस्से ने 1100 केवी की हाईटेंशन लाइन को छू लिया। स्पार्किंग शुरू होते ही सामान में आग लग गई और करंट पूरी बस में फैल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्पार्किंग के तुरंत बाद बस की छत पर रखे सामान ने आग पकड़ ली। लगातार तीन जोरदार धमाकों की आवाज आई, जो फटते सिलेंडरों की थी।

आस-पास के लोग दौड़कर इकट्ठा हुए, लेकिन मजदूरों की चीखें सुनकर समझ गए कि बस में गैस सिलेंडर हैं। लोग दूर हट गए, ताकि आगे धमाकों से बच सकें। आग की लपटें तेजी से फैलीं और बस में फंसे मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ साहसी मजदूरों ने बस से कूदकर अपनी जान बचाई, लेकिन कई करंट की चपेट में आकर झुलस गए। बताया जा रहा है कि मरने वालों में दो की मौत करंट लगने से हुई, जबकि एक की जलने से।

फिर बदलेगा मौसम का मिजाज

नवंबर की शुरुआत में भी बारिश के आसार

उदयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौसमी बदलाव के अलर्ट के मुताबिक उदयपुर सहित प्रदेश में कई जगहों पर बिन मौसम बरसात शुरू हुई। रविवार रात तीन बजे से शुरू हुआ बरसात का क्रम दिनभर जारी रहा। आफत भरी बरसात से शहर में सड़कें और गांवों में खेत जलमग्न हो गए। नतीजा ये कि जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हो गया। ये बरसात खेतों में कटी पड़ी फसल खराब होने की वजह बन गई है। बदले मौसम में बरसात के बाद दिन के पारे में भारी गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान 21.8 डिग्री और न्यूनतम 20.6 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले रविवार को अधिकतम 29 और न्यूनतम 18 डिग्री रहा था। दिन-रात का पारा एक जैसा रहा। अब रात को ठंड तेजी से बढ़ेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में उठे चक्रवातों की वजह से उदयपुर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना गहरा अवदाब तीव्र होकर चक्रवाती तूफान मोंथा बन गया है। इससे शुरू हुई बरसात का क्रम मंगलवार को भी जारी रहने के आसार है।

फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र घोटाला; सरकार ने जांच के लिए एसओजी को लिखी चिट्ठी : गजेंद्र सिंह खींवसर

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिरोही जिले में वर्ष 2019 से जनवरी 2024 के बीच दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने में हुए फर्जी वाड़े की जांच अब एसओजी करेगी। प्रारंभिक जांच में यह खुलासा हुआ है कि सिरोही में हजारो की तादात में फर्जी द्वियांगता सर्टिफिकेट बांटे गए हैं। इस संबंध में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देश पर प्रकरण दर्ज करने के लिए एसओजी को पत्र लिखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रकरण में दोषी अधिकारियों-कार्मिकों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि सिरोही में 10 मार्च, 2019 से 15 जनवरी, 2024 तक डॉ. राजेश कुमार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। इस अवधि में जिले में फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए जाने की शिकायतें सामने आई थीं, जिस पर

एक कमेटी गठित कर जांच की गई थी। जांच के अनुसार तत्कालीन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यकाल में कुल 7613 दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किये गये, इनमें से माइग्रेटेड आवेदन के आधार पर 5177 दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किये गये हैं, जो एक मात्र विशेषज्ञ चिकित्सक के द्वारा जारी किये गये हैं, जो संदेहास्पद एवं कूटरचित हैं। साथ ही सभी प्रमाण पत्रों पर पूर्व सीएमएचओ डॉ. राजेश कुमार के हस्ताक्षर नहीं होकर डॉ. सुशील परमार के हस्ताक्षर से जारी किये गये हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार के विरूद्ध पुलिस अधीक्षक एसओजी को प्रकरण भिजवाकर कार्रवाई हेतु लिखा गया है।

अपराधियों का होटल नेटवर्क बेनकाब

वारदात से पहले और बाद में वाहन छुपाते थे, 33 होटल मालिकों पर गिरी गाज

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर कमिश्नरेट की दक्षिण पुलिस ने संगठित अपराधियों के खिलाफ 26 अक्टूबर तक तीन दिवसीय विशेष अभियान चलाया। डीसीपी राजर्षि राज ने बताया कि अभियान के दौरान ऑर्म्स एक्ट के तहत पांच प्रकरण दर्ज किए गए।

जांच में सामने आया कि अपराधी वारदात से पहले और बाद में होटलों में ठहरते हैं। ऑपरेशन शिकंजा के तहत होटलों, वहां लगे सीसीटीवी कैमरों और ठहरने वालों के विवरण की जांच की गई।

नियमों की पालना में कमियां मिलने पर 33 होटल संचालकों को नियमानुसार कार्रवाई के लिए नोटिस जारी किए गए। अभियान के दौरान 44 चौपहिया और 66 दोपहिया वाहन जब्त किए गए। पिछले पांच वर्षों में बाइक चोरी के मामलों में चालानशुदा आठ व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएस की धारा-170 में कार्रवाई की गई।

अग्रसेन बैंक ने बैंकों के महासंघ द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सहकारी शहरी बैंक महासंघ लिमिटेड हैदराबाद ने भारतीय रिजर्व बैंक हैदराबाद के सहयोग से 27 अक्टूबर को तेलंगाना के शहरी सहकारी बैंकों के अध्यक्षों, निदेशकों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, आईटी प्रमुखों और भुगतान प्रणाली अधिकारियों के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन होटल सेंट्रल कोर्ट, लकडी का पुल में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एनयूसीएफडीसी के अध्यक्ष और नैफकब के निदेशक ज्योतिंद्र मेहता ने की। कार्यक्रम में चिन्मय कुमार, क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई, अनुज रंजन, महाप्रबंधक, प्रभारी, पर्यवेक्षण विभाग (डीओएस), आरबीआई, प्रभुति सामल, उप महाप्रबंधक, डीओएस, आरबीआई, मदन गोपाल स्वामी, निदेशक, नेफकॉब, कार्यकारी अध्यक्ष, टेस्कबफेड, अध्यक्ष, आदर्श सहकारी बैंक, प्रमोद कुमार केडिया, उपाध्यक्ष, टेस्कबफेड, अध्यक्ष, अग्रसेन सहकारी बैंक और हेमंत राठवे, आईटीएस, उप महानिदेशक (सुरक्षा), दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय, भारत सरकार व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में तेलंगाना के शहरी सहकारी बैंकों के सभी अध्यक्षों, निदेशकों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और आईटी प्रमुखों ने भाग लिया।

अग्रसेन बैंक की ओर से, सीए नवीन कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सीए पंकज कुमार अग्रवाल, निदेशक, सीवी राव, सीईओ और आर गोपाल कृष्ण, एजीएम, आईटी प्रमुख कार्यक्रम में शामिल हुए।

सभी गणमान्य व्यक्तियों ने डिजिटलीकरण, डिजिटल ऋण, साइबर सुरक्षा और डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (डीआईपी) जैसे अन्य तकनीकी नवाचारों और धोखेबाजों द्वारा की जा रही विभिन्न धोखाधड़ी की रोक पर जोर दिया।

आरबीआई टीम ने विभिन्न अनुपालन पहलुओं पर जोर दिया। कार्यक्रम का समापन प्रमोद कुमार केडिया के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

दमरे 1 से 30 नवंबर तक 'डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 4.0' शुरू करेगा

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय की परिकल्पना के अनुसार, दक्षिण मध्य रेलवे 1 से 30 नवंबर, 2025 तक पूरे क्षेत्र में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 4.0 शुरू कर रहा है। पेंशनभोगियों को पेंशन जारी रखने के लिए हर साल नवंबर महीने में जीवन प्रमाण पत्र जमा करना होता है। पेंशनभोगियों को सशक्त बनाने और जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की एक अधिक सहज और सुविधाजनक प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान बड़े पैमाने पर चलाया गया है। इस पहल से सभी पेंशनभोगियों, विशेष रूप से वरिष्ठ पेंशनभोगियों को डिजिटल रूप से जीवन प्रमाण पत्र जमा करने में आसानी होगी। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने यूआईडीएआई और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से सरकारी पेंशनभोगियों के 'जीवन की सुगमता' को बढ़ाने के लिए चेहरे से प्रमाणीकरण की सुविधा शुरू की है।

अग्रणी पावरग्रिड द्वारा जागरूकता सप्ताह का आयोजन

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कार्यकारी निदेशक (सदर्न रीजन-I) डोमन यादव ने कहा कि प्रामाणिकता एक साझा जिम्मेदारी है, जो किसी एक व्यक्ति या विभाग तक सीमित नहीं है। उन्होंने पावरग्रिड में जारी सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत ने यह बात कही।

पावरग्रिड, सदर्न रीजन-I द्वारा साइक्लोथॉन,नेकलेस रोड पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के हिस्से के रूप में पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, सदर्न रीजन-I -28 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 तक केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के तत्वावधान में सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी-थीम के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 मना रहा है।

पूरे सप्ताह भर जारी रहनेवाले इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, कर्मचारियों के लिए सिकंदराबाद के नेकलेस रोड पर साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। ताकि सभी नागरिकों के बीच सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके और भ्रष्टाचार मुक्त समाज बनाया जा सके।

कार्यकारी निदेशक (सदर्न रीजन-I) डोमन यादव, ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिन्होंने प्रतिभागियों को एक प्रेरणादायक संदेश दिया। ईमानदारी एक साझा जिम्मेदारी है, जो किसी एक व्यक्ति या विभाग तक सीमित नहीं है। उन्होने कहा कि, साइकिल चलाने की तरह, जीवन और काम में भी संतुलन, अनुशासन और टीम वर्क की जरूरत होती है। यह साइक्लोथॉन नैतिक आचरण और सतर्कता के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक बने। एक पावरग्रिड के रूप में, हम अपने शरीर, मन और मूल्यों में सामंजस्य बिठाकर आगे बढ़ते हैं।

साइक्लोथॉन का उद्देश्य नैतिक प्रथाओं और सतर्कता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, और कर्मचारियों को ईमानदारी को एक मुख्य मूल्य के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। साथ ही इस कार्यक्रम में आरएचक्यु सिकंदराबाद और हैदराबाद एसएस के 100 से ज़्यादा कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे इस उद्देश्य के प्रति मजबूत समर्थन दिखा और पावरग्रिड की ईमानदारी और नैतिक आचरण की संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

इस अवसर पर एसवी मुख्य जीएम (एफएण्डए)) वेंकट, टीवीएस, मुख्य जीएम (एएम) प्रवीणकुमार, जीएम (सतर्कता) पीसी रेड्डी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

आदिबटला में नई विनिर्माण इकाई का उद्घाटन

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन्स के सहयोग से आदिबटला में 425 करोड़ के निवेश से एक नई एयरो इंजन रोटेटिव कंपोनेंट्स विनिर्माण सुविधा स्थापित की है। इस सुविधा का उद्घाटन तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने मंगलवार को आईटीसी कोहेनूर, एचआईटीईसी सिटी में आयोजित एक समारोह के दौरान वर्चुअल रूप से किया।

हस्मतपेट बत्तकुम्मा घाट पर उगते सूर्य को अर्घ्य देते हुए रंजीत शर्मा पप्पु शर्मा, राहुल शर्मा, बबीता देवी, संगीता देवी व अन्य।

सरस्वती पूजा समिति द्वारा छठ पूजा संपन्न

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरस्वती पूजा समिति, रामंतापुर द्वारा गंगा भवानी मंदिर, सत्यनारायण मंदिर के पीछे, इंदिरा नगर, रामंथापुर में भव्य छठ पूजा का आयोजन सम्पन्न हुआ।

मंगलवार, 28 अक्टूबर को उगते सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर छठ व्रतियों ने भगवान सूर्य से अपने पति-पुत्रों के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, और परिवार की सुख-समृद्धि हेतु मंगलकामनाएं कीं।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक एन.वी.एस.एस. प्रभाकर (उप्पल), पूर्व विधायक बी. सुभाष रेड्डी, कॉरपोरेटर वाणी वेंकट राव (रामंतापुर) तथा सीआई उप्पल श्री मधु ने अपनी टीम के साथ पूर्ण सहयोग प्रदान किया। समिति के सफल आयोजन में समिति के सदस्य सुरेश सिंह, सुनील सिंह, कमलेश पांडेय, भगवान सिंह, अजय शर्मा, रामप्रकाश गुप्ता, धर्मेंद्र कुशवाहा, माजूनाथ गुप्ता, राजीव कुमार, अनिल झा, पंकज झा, संतोष गुप्ता, उदय चंद्र शर्मा, शिव कुमार वर्मा, धनंजय सिंह, विनोद सिंह, शिव कुमार सिंह, निवास सिंह, सनी सिंह, पवन सिंह, हरेंद्र चौबे, दीपक सिंह, सुरेश पासवान, दीपक गुप्ता, सियाराम (सीडीटीआई-रामंतापुर), राधेश्याम सिंह तथा समिति के सभी सदस्यों का योगदान रहा।

दम्माईगुड़ा स्थित राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा आयोजित दिपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक रुपाराम सेणचा, तिलोकराम सीरवी, चेयरमैन भोलाराम सोलंकी, अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, उपाध्यक्ष मोटाराम बर्फा, सचिव नेमीचन्द पँवार, सहसचिव नेमाराम काग, प्रचार मंत्री परबत सोलंकी, डुँगाराम, सज्झाराम सोलंकी, करन गेहलोत, अमराराम पँवार, तेजाराम काग, अमराराम देवड़ा, कालुराम सीरवी, वजाराम सीरवी, विशेष अतिथि जयराम पंवार व अन्य।

अग्रणी महिला मंच द्वारा टैंकबंड पर छठ पूजा के तहत सूर्य भगवान को अघ्र्य देते हुए अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, स्मिता शाह, अंजना मेहता, पवन भुवानिया अन्य।

कार्तिक मास के पावन अवसर पर सखी बाबा मठ में अन्नकूट महोत्सव महंत ठाकुर दास जी के सानिध्य में किया गया। ठाकुर जी की आरती की गई। मंदिर के प्रांगण में गोपाल बलदवा अन्य भक्त लोग भगवान जी के दर्शन के लाभ लेते हुए।

12वें अन्नकूट प्रसाद में उमड़ा भक्तों का जन सैलाब

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ताड़बंद स्थित श्री हनुमान मंदिर में श्री बालाजी डेयरी प्रोडक्ट्स महाकाली मंदिर सिकंदराबाद

बाकलिया राजपुरोहित परिवार द्वारा 12वां अन्नकूट महाप्रसादी कार्यक्रम रविवार 26 अक्टूबर शाम 6:15 बजे पुजा-अर्चना, दीप प्रज्वलितकर बालाजी महाराज को भोग लगाकर भक्तों के लिए अन्नकूट प्रसाद वितरण का कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अन्नकूट प्रसादी के आयोजक गजेन्द्रसिंह बाकलिया राजपुरोहित (निम्बोल) ने बताया कि हर वर्ष की भांति तेलंगाना में बसे समाज बन्धुओं व सभी भक्तों के लिए 12वें अन्नकूट प्रसादी का भव्य आयोजन किया गया। अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि, विभिन्न समाजों के गणमान्य भक्तों व राजपुरोहित समाज बन्धुओं ने सपरिवार हजारों की संख्या में पधारकर लाभ लिया।

अवसर पर भक्तों को सम्बोधित करते हुए आयोजक गजेन्द्रसिंह निम्बोल ने अन्नकूट प्रसाद में पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों को दिपावली की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि प्रदेश में बहुत से स्थानों पर अन्नकूट प्रसाद का आयोजन किया जाता है, लेकिन ताडबंद हनुमान मंदिर में अन्नकूट प्रसाद का अलग ही महत्व है जिसमे हजारों की संख्या मे भक्त सपरिवार पधारकर अन्नकूट प्रसाद का लाभ लेते है। कार्यक्रम के सफल आयोजन व भव्य रूप प्रदान करने में रामसिंह, गजेन्द्रसिंह, भगवानसिंह, हेमेन्द्रसिंह, जयपालसिंह, पियुषसिंह, धर्मेन्द्रसिंह बाकलिया (निम्बोल), पारससिंह, विरेन्द्रसिंह, नरेन्द्रसिंह, हर्षसिंह, कुंज सेवड़ तालकिया एवं आनन्दपुर कालु परिवार व सभी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

नाग मंदिर में छठ पूजा संपन्न

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आज प्रातः भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर छठ व्रत का समापन हुआ। नाग मंदिर आरके पुरम सिकंदराबाद के सरोवर पर उपस्थित व्रतियों का अपारजन समूह भक्ति में लीन रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रमन्ना रेड्डी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के उद्घोषक धर्मगुरु पंडित अवधेश कुमार मिश्रा का विशेष सहयोग रहा। छठ पूजा समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह, गणपत सिंह, रविंद्र सिंह, बीके सिंह, धनंजय सिंह, धर्मेंद्र सिंह तथा अन्य सहयोगियों के साथ व्यवस्था चाक-चौबंद रखी गई।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को संजीवैया पार्क और जेम्स स्ट्रीट रेलवे स्टेशनों के बीच एक युवक की तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान मुशीराबाद निवासी मुजीब के रूप में हुई है, जो दिहाड़ी मजदूर था। पुलिस के अनुसार, मुजीब अपने दोस्तों के साथ रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, तभी तेज गति से आ रही ट्रेन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हुआ और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर राजकीय रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बिहार एसोसिएशन ने कराया छठपूजा का आयोजन

टैंकबंड स्थित बतुकम्मा घाट पर बिहार एसोशिएशन हैदराबाद द्वारा आयोजित छठ पूजा के अंतिम दिवस उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि व पति की लम्बी उम्र की कामनाएं करती हुई व्रती महिलाएं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में उपस्थित अध्यक्ष हरेराम सिंह, महासचिव प्रभास कुमार, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, परामर्शदाता मानवेन्द्र मिश्रा, भरत सिंह, अजय ओझा, सतीश झा, एच.नारायण झा, अशोक प्रसाद, उत्तम यादव, भाग्यनारायण दास, श्याम सुन्दर झा, जितेन्द्र सिंह, नवीन अग्रवाल, जितेन्द्र ओझा, जोगिन्द्र ओझा, राम विनोद झा, धर्मेन्द्र यादव, संजय तिवारी, आदित्यनाथ झा, एसबीआई जितेन्द्र सिंह, कन्हैया झा, जगदीश बंग, संजीव झा, बसंत मंडल एवं समाज बन्धु।

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार के माध्यम से मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार यादव ने बताया कि एसोसिएशन के द्वारा शहर के समस्त छठ घाटों पर महापर्व छठ पूजा का आयोजन कराया गया, जहां श्रद्धालुओं ने सूर्य देव का उदयाचल रूप को अर्घ्य सहित विधिवत पूजा कर हर्षोल्लास के साथ समापन किया।

बिहार एसोसिएशन इस बार शहर के प्रायः सभी बतुकम्मा घाट पर पूजा का चाक-चौबंद व्यवस्था कराया था, जिसका संचालन केंद्रीय कार्यकारी पदाधिकारी के द्वारा संचालित किया जा रहा था, एसोसिएशन अध्यक्ष हरे राम सिंह, उपाध्यक्ष उत्तम यादव, बिहार फाउंडेशन चैप्टर के अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्रा एवं उनकी टीम ने सराहनीय कार्य किया। क्षेत्रवार एसोसिएशन के सदस्य चिल्ड्रन पार्क टैंकबंड मुख्य घाट हरेराम सिंह, उप्पल घाट रविशंकर सिंह दिलीप कुमार एवं पीके सिंह, नागौल घाट- एके मौर्य, शमीरपेट घाट - मनोज कुमार दीपक पांडा एवं चौधरी पंडित, हसमतपेट घाट- उत्तम यादव, पठान चेरु घाट- किशन प्रसाद, काटे दान- मनोज शाही व राहुल शाही शमशाबाद घाट- नंदलाल चौहान एवं संजय कुमार यादव, मियांपुर घाट- प्रेम शंकर सिंह, सुराराम घाट- दिनेश सिंह, जीड़िमेटला घाट सौरव सिंह, बोलाराम घाट अखिलेश सिंह अमीनपुर छठ घाट गोपाल शाह, हफीजपेट धर्मेंद्र सिंह, नागेंद्र राय एवं गंगाराम बतुकम्मा घाट पर विनोद राय, चंद्रशेखर व विक्की ने अपना योगदान दिया। सभी छठ घाटों पर छठ व्रतियों, श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों को बिहार एसोसिएशन के क्षेत्रीय आयोजकों द्वारा भोजन, प्रसाद वितरण एवं चाय का प्रबंध किया गया था।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. जी/ई.29/टीआर./टेंडर नोटिस/28/2025-26, दि.27-10-2025 PUB/1353

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-56-2025-26, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजन-जीटीएल-डब्ल्यूडी एवं जीटीएल-बीएवाय सेक्शंस में ओएचइ/ पीएसआई इनफ्रास्ट्रक्चर के लिए रिलाएबिलीटी का सुधार कार्य तथा ब्रांच लाइन्स सहित 160 स्के.एमएम जी-जम्पर का प्रावधान।

अनुमानित मूल्य रु.88,61,820.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.1,77,200.00

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 18-11-2025 के 15.00 बजे

टिप्पणीः निविदाकार, निविदा दस्तावेज को निःशुल्क रूप में वेबसाइटः www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

टेंडर बिड्डिंग या निविदा बोली लगाने एवं अन्य विवरण हेतु https:// www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल

निविदा सूचना सं. जी/ई.29/टीआर./टेंडर नोटिस/29/2025-26, दि.28-10-2025 PUB/1354

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-5%-2025-26, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजन-जीटीएल-डब्ल्यूडी एवं जीटीएल-बीएवाय सेक्शंस में ओएचइ/ पीएसआई इनफ्रास्ट्रक्चर के लिए रिलाएबिलीटी का सुधार कार्य तथा ब्रांच लाइन्स सहित 7 एमएम आरटी ड्राप्पर का प्रावधान तथा फीडर स्ट्रैन जायंट को समूल नष्ट करना या एलिमिनिशेन।

अनुमानित मूल्य रु.83,28,587.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.1,66,600.00

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 19-11-2025 के 15.00 बजे

टिप्पणीः निविदाकार, निविदा दस्तावेज को निःशुल्क रूप में वेबसाइटः www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

टेंडर बिड्डिंग या निविदा बोली लगाने एवं अन्य विवरण हेतु https:// www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल

निविदा सूचना सं. 16-एमइसीएच-वीबी-पीयु-टीपीटीवाय-25-26, दि.25-10-2025 PUB/1355

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवम् डीवाय.सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा तत्संबंधित निम्न निविदा संख्या के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल /संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम संख्याः 1, कार्य विवरणः16-एमइसीएच-वीबी-पीयु-टीपीटीवाय-25-26, दि.25-10-2025, वन्दे भारत कोचेस में पीयु पेन्ट की आपूर्ति या सप्लाई तथा एप्लीकेशन कार्य। अनुमानित मूल्य रु.44,94,608.00, बोली सुरक्षा राशि रु.89,900.00, पूरा करने की अवधिः 06 महिने, बंद करने की तिथिः 17-11-2025 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in संपूर्ण निविदा विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुद्धिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः https:// www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

A1710

निविदा नियम शर्ते/ विस्तृत विवरण तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्सःhttps:// www.ireps.gov.in तथा www.scr.indianrailways.gov.in का अवलोकन करें।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-Central-WAT-36-2025, दिनांक 23.10.2025

कार्य का नामः वाल्टियर मंडल की KK-I लाइन पर सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/कोरापुट (KRPU) के अधिकार क्षेत्र के अधीन कोरापुट (KRPU)-मालीगुड़ा (MVG) स्टेशनों के बीच सेवा भवनों तथा छोटे पुलों के लिए विविध सिविल कार्यों का निष्पादन।

कार्य की अनुमानित लागतः रु.62,84,184.12, EMD: रु. 1,25,700.00.

(2) सूचना सं.: eT-Central-WAT-37-2025, दिनांक 23.10.2025

कार्य का नामः वाल्टियर मंडल की KK-I लाइन पर सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/कोरापुट (KRPU) के अधिकार क्षेत्र के अधीन कोरापुट (KRPU)-मालीगुड़ा (MVG) अनुभागों के बीच स्टाफ क्वार्टरों के रखरखाव एवं मरम्मत जैसे विविध सिविल कार्यों का निष्पादन।

कार्य की अनुमानित लागतः रु.69,74,929.62, EMD: रु. 1,39,500.00.

(3) सूचना सं.: eT-Central-WAT-38-2025, दिनांक 23.10.2025

कार्य का नामः वाल्टियर मंडल की KK-I लाइन पर सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/कोरापुट (KRPU) के अधिकार क्षेत्र के अधीन कोरापुट (KRPU)-मालीगुड़ा (MVG) अनुभागों के बीच विविध ट्रैक कार्यों का निष्पादन।

कार्य की अनुमानित लागतः रु.86,47,018.20, EMD: रु. 1,73,000.00.

(4) सूचना सं.: eT-Central-WAT-39-2025, दिनांक 23.10.2025

कार्य का नामः वाल्टियर मंडल के तहत सभी स्टेशनों में दिव्यांगजन के लिए सुविधाओं के प्रावधान कार्य के संबंध में वरिष्ठ मंडल अभियंता (SR. DEN)/CENTRAL/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन विभिन्न स्टेशनों में रैम्पों तथा मोड्युलर शौचालय के लिए टैक्टाइल टाइलों, हैंडरेलों का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागतः रु.2,76,36,819.93, EMD: रु. 2,88,200.00.

कार्य समापन की अवधिः 06 (छह) महीने (क्रम सं. 1 से 3 के लिए) तथा 12 (बारह) महीने (क्रम सं. 4 के लिए)।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः 14.11.2025 को 1500 बजे (सभी क्रम सं. के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्यः प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), वाल्टियर

PR-734/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

श्रेयस अय्यर आईसीयू से बाहर, हालत में लगातार सुधार

सिडनी में इलाज जारी; परिवार जल्द ऑस्ट्रेलिया पहुंचेगा

सिडनी, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रेयस अय्यर सिडनी के अस्पताल के ICU से बाहर आ गए हैं। उनकी हालत में सुधार हो रहा है। टीम का एक डॉक्टर उनकी निगरानी के लिए साथ है। अय्यर को अगले कुछ दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है।

बीसीसीआई ने कि श्रेयस को आईसीयू से बाहर शिफ्ट कर दिया गया है। हालांकि, अस्पताल से डिस्चार्ज होने में कुछ दिन और लग सकते हैं। श्रेयस के परिवार के सदस्य जल्द ही सिडनी पहुंचेंगे, ताकि उनके साथ रह सकें और रिकवरी के दौरान उनकी देखभाल कर सकें।

श्रेयस तीसरे वनडे में चोटिल हुए थे

श्रेयस को सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे (25 अक्टूबर) के दौरान चोट लगी थी। ऑस्ट्रेलिया की पारी के दौरान 34वें ओवर में हर्षित राणा की एक गेंद पर एलेक्स कैरी ने हवाई शॉट खेला। श्रेयस ने पॉइंट से थर्डमैन एरिया की ओर दौड़ लगाकर डाइव लगाते हुए कैच पकड़ा। इस दौरान उनका बैलेंस बिगड़ गया और उनकी बाईं पसली में चोट लग गई।

श्रेयस को पूरी तरह फिट होने में समय लगेगा

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चोट के बाद अंदरूनी ब्लीडिंग हुई, इसलिए उन्हें पूरी तरह फिट होने में ज्यादा समय लगेगा। लिहाजा उनकी वापसी के लिए कोई निश्चित टाइमलाइन बता पाना मुश्किल है।

श्रेयस (31) को कम से कम एक हफ्ते तक अस्पताल में रहना होगा। वे फिलहाल भारतीय टी-20 टीम का हिस्सा नहीं हैं।

अगले कुछ दिन श्रेयस के साथ सिडनी में ही रहेंगे

बीसीसीआई ने बताया- स्कैन में पता चला कि उनके स्प्लीन (तिल्ली या प्लीहा) में चोट लगी है। हमारी मेडिकल टीम, सिडनी और भारत के स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से सलाह लेकर अय्यर की चोट पर बारीकी से नजर रख रही है।

भारतीय टीम के डॉक्टर अगले कुछ दिन श्रेयस के साथ सिडनी में ही रहेंगे, ताकि उनकी रोजाना की प्रोग्रेस का पता चल सके। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके माता-पिता जल्द ऑस्ट्रेलिया पहुंच सकते हैं।

अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप

सुजीत ने भारत को पहला गोल्ड दिलाया

फाइनल में उज्बेक पहलवान को 10-0 से हराया

नोवी साद, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। सर्बिया के नोवी साद में चल रही अंडर-23 सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में भारत के सुजीत ने 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड मेडल जीता। वहीं, पिछली बार उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से संतुष्ट होना पड़ा था। सुजीत दो बार अंडर-23 खिताब एशियाई खिताब (2022, 2025) अपने नाम कर चुके हैं।

यह इस टूर्नामेंट में भारत का पहला गोल्ड मेडल है। हालांकि, महिलाओं ने 5 ब्रॉन्ज और 2 सिल्वर मेडल जीते।

सुजीत ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने उज्बेकिस्तान के पहलवान को 10-0 के अंतर से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

इससे पहले, पहले दौर में उन्होंने मोल्दोवा के पहलवान फियोडोर चेवदारी को 12-2 से मात दी। दूसरे दौर में पोलैंड के पहलवान डोमीनिक जैकब पर 11-0 की तकनीकी श्रेष्ठता से आसान जीत दर्ज की।

क्वार्टर फाइनल में सुजीत को बशीर मागोमेदोव से कड़ी चुनौती का सामना किया, लेकिन 4-2 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में पहुंचे। सेमीफाइनल में उन्होंने जापान के पहलवान युतो निशियुची को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

महिला टीम बनी ओवर ऑल चैंपियन

इससे पहले भारतीय महिला टीम ने इसी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 ब्रॉन्ज और 2 सिल्वर मेडल जीते थे। टीम ओवर ऑल चैंपियनशिप खिताब अपने नाम किया।

मेंस में केवल सुजीत को ही मेडल मिला

मेंस में भारत को केवल एक मेडल से संतुष्ट करना पड़ा। सुजीत ही गोल्ड जीतने में सफल हुए। वहीं, उनके अलावा दो भारतीय पहलवान ब्रॉन्ज मेडल बाउट तक पहुंचे, पर वे जीत हासिल नहीं कर सके।

चोटिल भारतीय ओपनर प्रतिका रावल की जगह शेफाली को मौका

विमेंस वर्ल्डकप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल खेल सकती हैं

स्पोर्ट्स डेस्क, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय ओपनर प्रतिका रावल विमेंस वनडे वर्ल्डकप से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह शेफाली वर्मा को मौका दिया गया है। आईसीसी ने प्रतिका के इंजरी रिप्लेसमेंट को मंजूरी दी।

25 साल की प्रतिका रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान चोटिल हो गई थीं। उनके घुटने में चोट लगी है। यह मुकाबला नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला गया। जोकि बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। 21 साल की शेफाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में उतर सकती हैं। यह मुकाबला 30 अक्टूबर को डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा।

लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गई मैच के 21वें ओवर में बांग्लादेश की पारी के दौरान प्रतिका रावल गेंद पकड़ने के लिए दौड़ीं। बारिश की वजह से मैदान गिला था, जिससे वह फिसलकर गिर गईं। उन्हें स्ट्रेचर की जरूरत नहीं पड़ी, लेकिन साथी खिलाड़ियों की मदद से वह हल्के लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गईं।

सुबह बीसीसीआई ने बयान जारी कर बताया था कि टीम इंडिया की ऑलराउंडर प्रतिका रावल को फील्डिंग के दौरान घुटने और टखने में चोट लगी है। मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर करीबी नजर रख रही है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाया था

25 साल की प्रतिका रावल ने भारत के लिए इस टूर्नामेंट में छह मैचों में 308 रन बनाए हैं और स्मृति मंधाना के बाद टीम की दूसरी सबसे सफल बल्लेबाज रही हैं। उन्होंने 23 अक्टूबर को मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ 134 गेंदों पर 122 रन की शानदार शतकीय पारी खेलकर भारत को सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित कराई। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने अर्धशतक भी बनाया था।

अमनजोत कौर ने ओपनिंग की, ऋचा घोष भी चोटिल

प्रतिका की जगह इस मैच में अमनजोत कौर को स्मृति मंधाना के साथ ओपनिंग का मौका दिया गया। अमनजोत 15 और मंधाना 34 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत ने 27 ओवर में 126 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 9वें ओवर में 57/0 तक पहुंच बना ली थी, तभी बारिश ने मैच रोक दिया और बाद में मुकाबला रद्द कर दिया गया।

प्रतिका से पहले विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष भी न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में उंगली की चोट से जूझ रही हैं। उनकी जगह उमा छेत्री को टीम में मौका मिला, जिन्होंने अपना वनडे डेब्यू किया।

उमा छेत्री असम और उत्तर-पूर्व क्षेत्र की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने भारत की ओर से वनडे वर्ल्ड कप में खेला।

राधा यादव ने 3 विकेट लिए

राधा यादव ने इस मैच में बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 6 ओवर में 30 रन देकर 3 विकेट झटके और एक शानदार डायरेक्ट थ्रो से बांग्लादेश कप्तान निगार सुल्ताना को रन आउट किया।

उनके साथ श्री चरिणी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिन्होंने 2 विकेट लिए।

रणजी ट्रॉफी: शमी के 5 विकेट से बंगाल जीता

महाराष्ट्र ने चंडीगढ़ को 144 रन से हराया

खेल डेस्क, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी में वापसी के बाद मोहम्मद शमी लगातार बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे हैं। दूसरे राउंड के मुकाबले में उनके 5 विकेट की बदौलत बंगाल ने गुजरात को 141 रन से हरा दिया। वहीं पृथ्वी शॉ की डबल सेंचुरी के चलते महाराष्ट्र ने चंडीगढ़ को 144 रन से हरा दिया। मुंबई, मध्य प्रदेश और कर्नाटक के मुकाबले ड्रॉ हो गए।

एलिट ग्रुप-सी में बंगाल और गुजरात के बीच ईडन गार्डन्स स्टेडियम में मैच खेला गया। बंगाल ने पहले बैटिंग करते हुए 279 रन बनाए। टीम से सुमंत गुप्ता, अभिषेक पोरेल और सुदीप कुमार घरामी ने फिफ्टी लगाई। गुजरात से सिद्धार्थ देसाई ने 4 विकेट लिए।

गुजरात ने पहली पारी में कप्तान मनन हिंगराजिया के 80 रन की बदौलत 167 रन बनाए। शाहबाज अहमद को 6 और मोहम्मद शमी को 3 विकेट मिले। बंगाल ने दूसरी पारी 8 विकेट पर 214 रन के स्कोर पर डिक्लेयर की। सिद्धार्थ देसाई को 5 विकेट मिले।

327 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी गुजरात से उर्विल पटेल ने शतक लगाया, लेकिन टीम 185 रन ही बना सकी। बंगाल से शमी ने 5 और शाहबाज ने 3 विकेट लिए। शाहबाज को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला।

एलिट ग्रुप-बी में महाराष्ट्र और चंडीगढ़ के बीच मुकाबला चंडीगढ़ में खेला गया। पहली पारी में महाराष्ट्र ने 313 और चंडीगढ़ ने 209 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड ने शतक लगाया। महाराष्ट्र ने अपनी दूसरी पारी 359 रन पर डिक्लेयर की और चंडीगढ़ को 464 रन का टारगेट दिया। पृथ्वी शॉ ने दोहरा शतक लगाया।

चौथी पारी में चंडीगढ़ की टीम 319 रन बनाकर सिमट गई और 144 रन से मुकाबला गंवा दिया। पहली पारी में शतक बनाने वाले गायकवाड को ही प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला।

एमपी और मुंबई के मैच ड्रॉ

एलिट ग्रुप-डी में मुंबई और चंडीगढ़ के बीच मुकाबला भी ड्रॉ हो गया। मुंबई में होम टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 416 रन बनाए। छत्तीसगढ़ पहली पारी में 217 रन ही बना सका। दूसरी पारी में टीम ने 201 रन बनाए और मुकाबला ड्रॉ हो गया। रहाणे ने शतक लगाया और मुंबई को पहली पारी में बढ़त दिलाई।

नेपाल ने भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को 2-1 से हराया, सबित्रा भंडारी ने दागे दो गोल

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में तीन देशों के अंतरराष्ट्रीय मैत्री टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में नेपाल के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। नेपाल की ओर से स्ट्राइकर सबित्रा भंडारी ने दूसरे और 63वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की ओर से एकमात्र गोल करिश्मा शिरवोइकर ने 81वें मिनट में करके हार के अंतर को कम किया। करिश्मा का सीनियर राष्ट्रीय टीम की ओर से यह पहला गोल है।

सबित्रा ने दूसरे ही मिनट में नेपाल को बढ़त दिला दी जब उन्होंने भारतीय गोलकीपर इलांगबाम पेनथोई चानू को छकाकर गोल किया। नेपाल ने पहले हाफ में इस बढ़त को बरकरार रखा और मध्यांतर तक टीम 1-0 से आगे थी। सबित्रा ने 61वें मिनट में एक और गोल दागकर नेपाल की बढ़त 2-0 की। करिश्मा ने फेनजोबाम निर्मला देवी की फ्री किक पर गोल दागकर भारत को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन यह नाकाफी साबित हुआ।

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास की मुश्किलें बढ़ीं

जम्मू कोर्ट ने जारी किया समन

मुंबई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के नए अध्यक्ष मिथुन मन्हास की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. जम्मू और कश्मीर की एक अदालत ने एक आपराधिक मानहानि शिकायत के संबंध में मिथुन मन्हास, जम्मू और कश्मीर क्रिकेट संघ (JKCA) के अधिकारियों और पत्रकारों को समन जारी किया है. शुरुआती बयान दर्ज करने के बाद, न्यायिक मजिस्ट्रेट सुनील कुमार ने कहा कि इंडियन सिविल डिफेंस कोट के तहत प्रस्तावित अभियुक्तों को सुने बिना संज्ञान नहीं लिया जा सकता. कोर्ट ने सभी अभियुक्तों को 24 नवंबर, 2025 को व्यक्तिगत रूप से या वकील के माध्यम से अपनी आपत्तियां या बचाव प्रस्तुत करने के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया है.

क्या है पूरा मामला?

रिटायर पुलिसकर्मी सुदर्शन मेहता ने की शिकायत पर कोर्ट ने ये समन जारी किया है. शिकायत के अनुसार पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी और मॉडर्न क्रिकेट क्लब जम्मू के लंबे समय से प्रशासक सुदर्शन मेहता ने JKCA की उपसमिति के सदस्यों मिथुन मन्हास, ब्रिगेडियर (रिटायर) अनिल गुप्ता और माजिद डार पर अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करने और सुप्रीम कोर्ट तथा जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट द्वारा निर्धारित लोढ़ा समिति के सुधारों को लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाया है.

शिकायत में कहा गया है कि मिथुन मन्हास, अनिल गुप्ता और माजिद डार-जिन्हें साल 2021 में बीसीसीआई ने जेकेसीए के दैनिक मामलों का मैनेजमेंट करने के लिए नियुक्त किया था, ने कथित तौर पर कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए प्रशासनिक और वित्तीय निर्णय लेकर अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण किया.

मिथुन मन्हास पर क्या आरोप लगे?

यह मूल रूप से चीफ जूडिशियल मजिस्ट्रेट, जम्मू के समक्ष दायर किया गया था और बाद में सब जज की अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया था. इसमें मन्हास और अन्य पर जेकेसीए के आंतरिक मामलों के संबंध में मानहानि, न्यायिक आदेशों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने और पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है. सुदर्शन मेहता द्वारा बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में मन्हास के नामांकन को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका दायर करने के बाद विवाद और बढ़ गया.

जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट ने 26 सितंबर, 2025 को इस याचिका को खारिज कर दिया था. शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अगले ही दिन, जेकेसीए उपसमिति के सदस्यों ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर झूठा दावा किया कि हाई कोर्ट ने याचिका को "तुच्छ" बताते हुए खारिज कर दिया है और मेहता का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है.

पहले टी-20 पर मंडरा रहा बारिश का साया!

कैनबरा में ना हो जाए मैच का मजा किरकिरा

कैनबरा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। वनडे सीरीज में मिली हार का हिसाब टीम इंडिया टी-20 में चुकता करने के लिए बेकरार है. टी-20 सीरीज की शुरुआत 29 अक्टूबर से होने जा रही है. पहला मुकाबला कैनबरा के मनुका ओवल में खेला जाना है. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टी-20 टीम इस समय गजब की फॉर्म में है.

एशिया कप 2025 में टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा था. बल्ले से अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. वहीं, गेंदबाजी अटैक में जसप्रीत बुमराह की वापसी से जान आएगी. कैनबरा में होने वाले पहले टी-20 पर बारिश का साया मंडरा रहा है.

बारिश करेगी मैच का मजा किरकिरा?

कैनबरा में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले पहले टी-20 मैच पर बारिश का साया मंडरा रहा है. मैच के वक्त बारिश होने की संभावना है, जो बार-बार खलल डाल सकती है. हालांकि, फैन्स के लिहाज से अच्छी बात यह है कि मैच के समय पर तेज बारिश होने के चांस बेहद कम हैं. यानी बारिश मैच में खलल तो डालेगी, पर मुकाबला बरसात के चलते धुल

जाने या ओवर कम होने के चांस काफी कम हैं. मैदान पर शुरुआत से ही काले बादल छाए रहेंगे, जिसका फायदा तेज गेंदबाजों को मिल सकता है.

कैसी खेलती है कैनबरा की पिच?

टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला कैनबरा के मनुका ओवल में खेला जाना है. कैनबरा के इस मैदान को बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग माना जाता है. पिच में अच्छा उछाल देखने को मिलता है और इस ग्राउंड की आउटफील्ड काफी तेजी मानी जाती है. यह वजह है कि कैनबरा में जमकर चौके-छक्कों की बरसात होती है.

हालांकि, पिच से शुरुआत में तेज गेंदबाजों को भी मदद मिलती है. यानी कुल मिलाकर समझने वाली बात यह है कि पहले टी-20 में ही दोनों टीमों के बल्लेबाजों की तरफ से रनों का अंबार लगता हुआ दिखाई दे सकता है.

क्या कहते हैं आंकड़े?

कैनबरा में अब तक कुल 22 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं, जिसमें से पहले बैटिंग करने वाली टीम को 10 मैचों में जीत नसीब हुई है. वहीं, 9 मैचों में रनों का पीछा करने वाली टीम ने मैदान मारा है. यानी टॉस इस ग्राउंड पर कुछ खास रोल प्ले नहीं करता है. पहली पारी का औसतन स्कोर इस मैदान पर 150 रन रहा है. वहीं, दूसरी इनिंग का एवरेज स्कोर 126 रन रहा है. साउथ अफ्रीका ने इसी मैदान पर 20 ओवर में 195 रन लगाए थे, जो यहां का सबसे बड़ा स्कोर भी है.

पहला टी-20: वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 16 रन से हराया

कप्तान शाई होप ने 46 रन बनाए

चट्टोग्राम, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने पहले टी-20 में बांग्लादेश को 16 रन से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कैरिबियाई टीम ने 3 विकेट खोकर 165 रन बनाए। कप्तान शाई होप ने 46 और रोवमन पॉवेल ने 44 रन की पारी खेली। दोनों नाबाद लौटे।

चट्टोग्राम में बांग्लादेश से तस्कीन अहमद ने सबसे ज्यादा 2 विकेट चटकाए। जवाब में बांग्लादेशी टीम 19.4 ओवर में 149 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम से तंजीम हसन शाकिब ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। वेस्टइंडीज से जेडेन सील्स और जेसन होल्डर ने 3-3 विकेट लिए।

वेस्टइंडीज के ओपनर्स ने टीम को शानदार शुरुआत दी। एलिक एथनाज और ब्रैंडन किंग ने मिलकर 50 बॉल पर 59 रन जोड़े। एलिक एथनाज 27 बॉल पर 34 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने बोल्ड किया। ब्रैंडन किंग को पेसर तस्कीन अहमद ने आउट किया। वे 36 बॉल पर 33 रन बनाकर आउट हुए।

82 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद कप्तान शाई होप ने कैरिबियाई पारी को संभाला। उन्होंने तेजी से बल्लेबाजी की और 28 बॉल पर नाबाद 46 रन बना डाले। पारी में 4 सिक्स और एक चौके भी लगाए। हालांकि दूसरे छोर पर शेरफेन रदरफोर्ड शून्य के स्कोर पर आउट हो गए। उन्हें तस्कीन अहमद ने शून्य के स्कोर पर विकेटकीपर लिटन दास के हाथों कैच करा दिया।

रोवमन पॉवेल ने अंतिम ओवरों में तेजी से बल्लेबाजी की और 157.14 की स्ट्राइक रेट से 28 बॉल पर 44 रन बना डाले। उन्होंने पारी में एक चौका और 4 सिक्स लगाए। पॉवेल ने दूसरे छोर पर कप्तान शाई होप के साथ 46 बॉल पर 83 रन जोड़े। बांग्लादेश से तस्कीन अहमद को 2 विकेट मिले। लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने एक विकेट लिया।

166 रन का पीछा कर रही बांग्लादेशी टीम ने पावरप्ले के 6 ओवर में 4 विकेट गंवा दिए। सैफ हसन 8, तंजीद हसन तमीम 15, कप्तान लिटन दास 5 और शमीम हुसैन एक रन बनाकर पवेलियन लौटे। अकील हुसैन ने सैफ हसन और लिटन दास को आउट किया। तंजीद हसन शमीम को जेडेन सील्स और शमीम हुसैन को जेसन होल्डर ने आउट किया।

विमेंस वनडे रैंकिंग- मंधाना ने करियर की बेस्ट रेटिंग हासिल की

नंबर-1 पर कायम, जेमिमा ने 8 स्थान की छलांग लगाई; प्रतिका टॉप-30 में शामिल

दुबई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय विमेंस टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने वनडे करियर में अपनी बेस्ट रेटिंग हासिल कर ली है। उनके 828 पॉइंट्स हो गए हैं। मंधाना ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 109 और बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 34 रन बनाए थे। वहीं उनकी साथी ओपनर प्रतिका रावल टॉप-30 में आ गईं हैं।

मंगलवार को जारी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर वनडे में दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। उन्होंने 6 पायदान की छलांग लगाई। दीप्ति शर्मा को बॉलिंग और ऑलराउंडर दोनों रैंकिंग में नुकसान झेलना पड़ा है। दीप्ति बॉलिंग में 2 और ऑलराउंडर रैंकिंग में एक स्थान खिसक गईं हैं।

मंधाना वर्ल्ड कप 2025 की टॉप बैटर

ओपनर स्मृति मंधाना शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने विमेंस वर्ल्ड कप 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वे एक शतक और दो फिफ्टी के साथ 365 रन बना चुकीं हैं। मंधाना ने 7 इनिंग में करीब 61 की औसत और 103 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उन्होंने इसी साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में दमदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब भी जीता था।

प्रतिका रावल ने 12 स्थान की छलांग लगाई

टूर्नामेंट की सेकेंड टॉप बैटर प्रतिका रावल 12 स्थान की छलांग के साथ 27वीं रैंकिंग में पहुंच गईं हैं। उन्होंने विमेंस वर्ल्ड कप की 6 इनिंग में 308 रन बनाए हैं। हालांकि बांग्लादेश के खिलाफ फील्डिंग करते समय एंकल की चोट ने उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। उनकी जगह टीम में शेफाली वर्मा को शामिल किया गया है।

जेमिमा ने करियर बेस्ट रैंकिंग हासिल की

न्यूजीलैंड के खिलाफ फिफ्टी लगाने का फायदा जेमिमा रॉड्रिग्ज को मिला है। वे 8 स्थान ऊपर पहुंचकर 19वें स्थान पर आ गईं हैं। यह उनके वनडे करियर की बेस्ट रैंकिंग है। ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाने के बाद छह पायदान ऊपर पहुंची हैं। उनके 731 पॉइंट्स से हैं।

साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वूलवॉर्ट दो स्थान ऊपर चढ़कर टॉप-3 में पहुंच गई हैं। उन्होंने हाल ही में 90 और 31 रनों की पारियां खेली थीं। इंग्लैंड की एमी जोन्स चार स्थान ऊपर चढ़कर 9वें नंबर (656 पॉइंट्स) पर पहुंचीं, जबकि ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड 16 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 16वें नंबर (613 पॉइंट्स) पर आ गईं।

सिंगरेणी रोजगार मेले में 23,650 लोगों को रोजगार

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने 23,650 लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं। एससीसीएल ने हैदराबाद स्थित प्रमुख कंपनियों को शहरी और ग्रामीण युवाओं के घर तक सीधे पहुंचाया है और उन्हें उनकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर उपयुक्त नौकरी प्रदान की है। बेरोजगार युवाओं में नई उम्मीद जगाते हुए, सिंगरेणी पिछले छह महीनों से लगातार मेगा रोज़गार मेला कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जिससे लगभग 24,000 युवाओं को रोजगार मिला है और उनमें नया उत्साह भरा है। एससीसीएल ने पिछले छह महीनों में 7 शहरों में रोजगार मेले आयोजित किए हैं।

इन रोजगार मेलों में कुल 66,965 बेरोज़गार युवाओं ने भाग लिया, जिनमें से 23,650 को नौकरी मिली है- यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह शायद पहली बार है जब इतने बड़े पैमाने पर रोजगार मेले आयोजित किए गए हैं और इतनी बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार मिला है। सातवीं कक्षा की शिक्षा से लेकर स्नातकोत्तर योग्यता वाले, तकनीकी, चिकित्सा और पैरामेडिकल पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को यहां उपयुक्त रोजगार के अवसर मिले। प्रत्येक रोजगार मेले में हैदराबाद क्षेत्र की 100 से 250 निजी कंपनियों ने भाग लिया और युवाओं को रोजगार प्रदान किया। घोषणाओं, पोस्टरों, पैम्फलेटों और व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से व्यापक प्रचार ने दूर-दराज के गांवों और कस्बों के युवाओं को भी आकर्षित किया, जिससे आयोजनों के दौरान शहरी केंद्र उत्सव के केंद्र में बदल गए। नौकरी चाहने वालों और स्थानीय प्रतिनिधियों ने सिंगरेणी की व्यवस्थाओं की सराहना की और कहा कि सभी सुविधाएं सुचारू और कुशलतापूर्वक प्रदान की गईं। मंत्रियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस सफलता में प्रमुख भूमिका निभाई। एससीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन. बलराम ने कहा कि सिंगरेनी, सिंगरेनी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को पूरा समर्थन प्रदान करना जारी रखेगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आगामी रोजगार मेलों को भी विशेष समर्थन दिया जाएगा- जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार और राज्य सरकार के दृष्टिकोण में योगदान मिलेगा। उन्होंने बताया कि कोत्तागुडेम, इलांदु, मनुगुरु और आसिफाबाद क्षेत्रों में जल्द ही नए मेगा जॉब मेले आयोजित किए जाएंगे।

एयर होस्टेस ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके राजेंद्रनगर में एक प्रमुख एयरलाइन की एयर होस्टेस ने मंगलवार को अपने अपार्टमेंट में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान जम्मू निवासी 30 वर्षीय जाह्नवी के रूप में हुई है, जो राजेंद्रनगर स्थित एक अपार्टमेंट में अकेली रहती थीं।

पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात जाह्नवी ने अपने दोस्तों के साथ पार्टी की थी। मंगलवार सुबह जब उनके सहकर्मी और दोस्त उनसे संपर्क नहीं कर पाए, तो वे उनके घर पहुंचे, जहां उन्होंने उन्हें कमरे में फंदे से लटका पाया। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। राजेंद्रनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या जाह्नवी ने किसी व्यक्तिगत या पेशेवर तनाव के कारण यह कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि उनके परिवार को सूचना दे दी गई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीठासीन अधिकारी सुचारू और पारदर्शी चुनाव की कुंजी हैं : कर्णन

अधिकारियों को कर्तव्यों और ज़िम्मेदारियों की पूरी समझ होनी चाहिए

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि पीठासीन अधिकारी (पीओ) और सहायक पीठासीन अधिकारी (एपीओ) चुनावों को सुचारू और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि मतदान के दिन कार्यभार संभालने से पहले सभी अधिकारियों को अपने कर्तव्यों और ज़िम्मेदारियों की पूरी समझ होनी चाहिए और उन्हें निष्पक्षता और ईमानदारी से निभाना चाहिए।

जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव के पीठासीन अधिकारियों और सहायक पीठासीन अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण का दूसरा चरण मंगलवार को जी. नारायणम्मा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, शेखपेट में आयोजित किया गया। दो बैचों में आयोजित प्रशिक्षण सत्रों में लगभग 500 अधिकारियों ने भाग लिया। चुनाव पुलिस पर्यवेक्षक ओम प्रकाश त्रिपाठी और व्यय पर्यवेक्षक संजीव कुमार लाल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

सत्र के दौरान, जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त (चुनाव) हेमंत केशव पाटिल के साथ मिलकर मतदान के दिन पीओ और एपीओ द्वारा अपनाई जाने वाली भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और प्रक्रियाओं के बारे में एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया। मास्टर प्रशिक्षकों ने बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट के उपयोग पर व्यावहारिक प्रदर्शन प्रस्तुत किए, जिसमें सेटअप, इंटरकनेक्शन प्रक्रिया, मॉक पोल और वास्तविक मतदान प्रक्रिया शामिल थी। नोटा सहित 59 उम्मीदवार मैदान में थे, इसलिए अधिकारियों को प्रत्येक मतदान केंद्र पर चार बैलेट यूनिट, एक कंट्रोल यूनिट और एक वीवीपैट को सावधानीपूर्वक जोड़ने का निर्देश दिया गया।

इंटरैक्टिव सत्र के दौरान, अधिकारियों ने प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए विभिन्न संचालन संबंधी संदेहों का समाधान किया। जिला निर्वाचन अधिकारी आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करने, निष्पक्षता बनाए रखने और निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने की सलाह दी। उन्होंने सभी पीठासीन अधिकारियों और सहायक पीठासीन अधिकारियों से चुनाव आयोग की पीओ हैंडबुक का गहन अध्ययन करने और सभी निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने मतदान दिवस की गतिविधियों की एक चेकलिस्ट तैयार करने, आवश्यक चुनाव सामग्री की समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि मतदान शुरू होने से पहले ईवीएम, मतदाता सूची, पीओ डायरी और प्रदर्शन सामग्री सहित सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं।

उन्होंने कहा, मतदान का दिन चुनाव प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रशिक्षण के दिन से लेकर मतदान समाप्ति तक प्रत्येक अधिकारी को अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह जागरूक रहना चाहिए। किसी भी समस्या या अनियमितता को तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में लाया जाना चाहिए।

चुनाव पुलिस पर्यवेक्षक ओम प्रकाश त्रिपाठी और व्यय पर्यवेक्षक संजीव कुमार लाल ने दोहराया कि सभी मतदान कर्मचारियों को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के दिशानिर्देशों के अनुसार मतदान का संचालन सुनिश्चित करना चाहिए और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए। प्रशिक्षण समन्वयक सुनंदा और ममता सहित अन्य चुनाव अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

डीपफेक धोखाधड़ी से निपटने के लिए 'सुरक्षित शब्द' अपनाने की अपील

पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने एआई-आधारित घोटालों से सतर्क रहने की दी सलाह

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एआई तकनीक के जरिए होने वाले डीपफेक घोटालों के बढ़ते खतरे को देखते हुए, हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने नागरिकों से अपने परिवार और करीबी संपर्कों के बीच एक सुरक्षित शब्द (सेफ वर्ड) तय करने की अपील की है, ताकि ऐसे धोखों से बचा जा सके। मंगलवार को एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए सज्जनार ने कहा कि अब एआई उपकरण बेहद सटीक तरीके से चेहरों और आवाजों की नकल कर सकते हैं। इससे ठग किसी परिचित व्यक्ति या अधिकारी का रूप धारण कर लोगों को धोखा दे सकते हैं। उन्होंने लिखा, एआई और डीपफेक के युग में एक 'सुरक्षित शब्द' आपकी सबसे मजबूत सुरक्षा हो सकता है।

आयुक्त ने सुझाव दिया कि लोग अपने परिवार और विश्वसनीय दोस्तों के साथ एक विशेष पासवर्ड तय करें और किसी भी संदिग्ध कॉल, संदेश या पैसे की मांग से पहले उसी पासवर्ड से पुष्टि करें। पुलिस के अनुसार, हाल के महीनों में डीपफेक वीडियो और आवाजों के जरिए की जाने वाली साइबर ठगी की शिकायतों में बढ़ोतरी हुई है। कई मामलों में धोखेबाज क्लोन की गई आवाज या वीडियो का इस्तेमाल कर पीड़ितों से तुरंत धन या संवेदनशील जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं।

सज्जनार ने कहा, एआई सशक्त भी बना सकता है और संकट भी पैदा कर सकता है। फर्क केवल जागरूकता से पड़ता है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत साइबर अपराध प्रकोष्ठ को देने की अपील की।

इस बीच, राज्य की साइबर अपराध इकाइयों ने डिजिटल साक्षरता अभियान को तेज कर दिया है, ताकि नागरिकों को एआई-आधारित धोखाधड़ी की पहचान करने और समय रहते रिपोर्ट करने में मदद मिल सके।

मुख्यमंत्री ने वेमुलावाड़ा मंदिर विकास पर श्रृंगेरी के संत से परामर्श किया

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को नल्लाकुंटा स्थित शंकर मठ में श्रृंगेरी जगद्गुरु श्री विधुशेखर भारती स्वामीजी से मुलाकात की, क्योंकि स्वामीजी अपनी 'धर्म विजय यात्रा' के लिए हैदराबाद आए हुए थे। मुलाकात के दौरान, रेवंत रेड्डी ने संत का गर्मजोशी से स्वागत किया और करीमनगर जिले में स्थित वेमुलावाड़ा राजराजेश्वर स्वामी मंदिर में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने मंदिर के जीर्णोद्धार और इसके चल रहे विकास प्रयासों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर भगवान गणपति, देवी शारदाम्बा, भगवान चंद्रमौलीश्वर स्वामी और आदि शंकराचार्य के दर्शन भी किए, जिन्होंने मंदिर में विशेष पूजा की। इस दौरान उनके साथ सरकारी सचेतक और वेमुलावाड़ा विधायक आदि श्रीनिवास भी थे।

कर्मचारियों को 'माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' सुरक्षा पुरस्कार

दमरे के महाप्रबंधक ने चक्रवाती तूफान 'मोंथा' को लेकर तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को सिकंदराबाद के रेल निलयम में, दक्षिण मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश के साथ, रेल परिचालन की सुरक्षा और चक्रवाती तूफान 'मोंथा' से निपटने की तैयारियों की कार्य योजना पर एक समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी छह मंडलों, अर्थात् विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के प्रमुख विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। संजय कुमार श्रीवास्तव ने आसन्न चक्रवात 'मोंथा' के मद्देनजर सभी मंडलों, विशेष रूप से विजयवाड़ा और गुंटूर मंडलों, के प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। महाप्रबंधक ने चक्रवात से निपटने के लिए रेलवे द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न कदमों की समीक्षा की।

उन्होंने विभिन्न डिपो में मानसून रिजर्व स्टॉक की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को विभिन्न स्थानों पर स्टॉक की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक उपाय करने के लिए चक्रवात के मार्ग पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को राज्य सरकार के अधिकारियों और एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल) की टीमों के साथ मिलकर सेक्शन में रेलवे के प्रभावित टैंकों की स्थिति की निगरानी करने की भी सलाह दी ताकि ट्रैक और ट्रेन संचालन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने संभावित प्रभावित सेक्शनों में ट्रैक की मानसून गश्त सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। वास्तविक समय की जानकारी प्राप्त करने के लिए सभी संवेदनशील पुलों और स्थानों पर स्थिर चौकीदार भी तैनात किए जा रहे हैं। इससे पहले, महाप्रबंधक ने कर्मचारियों को 'माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए।

ये कर्मचारी विभिन्न सुरक्षा श्रेणियों जैसे स्टेशन मास्टर, लोको पायलट, पॉइंट्स मैन और की-मैन आदि से संबंधित हैं। महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार अन्य कर्मचारियों को अधिक सतर्क रहने और ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित करेंगे।

तिरुमला में 30 अक्टूबर को पुष्पयागम

तिरुमला, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला में वार्षिक पुष्पयागम 30 अक्टूबर को और अंकुरार्पणम 29 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। अंकुरार्पणम वसंत मंडपम में बुधवार शाम 6 बजे से 8 बजे के बीच मृतसंग्रहनम, अस्थानम और अन्य धार्मिक गतिविधियों के साथ होगा। गुरुवार को, सुबह 9 बजे से 11 बजे के बीच स्नैपना तिरुमंजनम होगा और उसके बाद 30 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक पुष्पयागम होगा। श्रीदेवी और भूदेवी के साथ श्री मलयप्पा स्वामी के उत्सव देवताओं को कल्याणोत्सव मंडपम में एक विशेष मंच पर विराजमान किया जाएगा और इस शुभ अवसर पर विभिन्न प्रकार के सुगंधित, पारंपरिक और सजावटी फूलों से पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। टीटीडी ने उत्सव के कारण 29 अक्टूबर को सहस्र दीपालंकारा सेवा और 30 अक्टूबर को कल्याणोत्सवम, उंजल सेवा, अर्जिता ब्रह्मोत्सवम रद्द कर दिया है।

बीआरएस विधायक हरीश राव के पिता का निधन

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक टी हरीश राव के पिता तन्नेरु सत्यनारायण राव का मंगलवार सुबह बढ़ती उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण निधन हो गया। सत्यनारायण राव मूल रूप से करीमनगर जिले के कोत्तापल्ली गांव के निवासी थे और कुछ समय से बढ़ती उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उनके पार्थिव शरीर को कोकापेट स्थित हरीश राव के घर पर रखा गया ताकि रिश्तेदार, दोस्त और पार्टी नेता उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें। बीआरएस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने सत्यनारायण राव के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने बहनोई, स्वर्गीय सत्यनारायण राव (जिनका विवाह चंद्रशेखर राव की सातवीं बड़ी बहन लक्ष्मी से हुआ था) के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को याद किया और इस क्षति पर गहरा दुःख व्यक्त किया। चंद्रशेखर राव ने अपनी बहन लक्ष्मी, हरीश राव और शोक में डूबे परिवार के अन्य सदस्यों को सांत्वना दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। बाद में, सत्यनारायण का अंतिम संस्कार फिल्म नगर महाप्रस्थानम में किया गया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और बड़ी संख्या में पार्टी नेताओं ने अंतिम संस्कार कार्यक्रम में भाग लिया। इस बीच, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, तुम्मला नागेश्वर राव, पोन्नम प्रभाकर, कोंडा सुरेखा, अदलुरी लक्ष्मण कुमार, दामोदर राजा नरसिम्हा, श्रीधर बाबू, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंदर राव, वाईएसआरसीपी अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी, जनसेना प्रमुख और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण और आंध्र प्रदेश के कई अन्य नेताओं ने हरीश राव और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

सिंगूर बांध को मरम्मत के लिए खाली रखने का निर्णय

संगारेड्डी, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) की सिफारिशों के बाद सिंचाई विभाग ने सिंगूर बहुउद्देशीय परियोजना को तत्काल मरम्मत कार्यों के लिए खाली रखने का निर्णय लिया है। वर्तमान में बांध में जल भंडारण घटकर 16 टीएमसी फीट रह गया है, जबकि इसकी कुल क्षमता 29.91 टीएमसी फीट है। इस वर्ष मानसून में बांध में रिकॉर्ड 220 टीएमसी फीट पानी आया था। सिंगूर बांध हैदराबाद के पेयजल का प्रमुख स्रोत है और मिशन भगीरथ के साथ-साथ मेदक और निजामाबाद जिलों की सिंचाई जरूरतें पूरी करता है। एनडीएसए ने 23 जून को निरीक्षण के दौरान पाया कि मिट्टी के तटबंध और रिवेटमेंट्स को गंभीर क्षति पहुंची है और पैरापेट दीवारों में दरारें आई हैं, जिससे बांध की स्थिरता को खतरा पैदा हो गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर समय पर मरम्मत नहीं की गई तो बांध में दरार आने से संगारेड्डी, मेदक और आसपास के गांवों में बाढ़ आ सकती है, जिसका असर निजाम सागर और घनपुर एनीकट जैसे जलाशयों पर भी पड़ सकता है। इसी वजह से सिंचाई विभाग ने मरम्मत को प्राथमिकता देते हुए परियोजना को खाली करने की अनुमति राज्य सरकार से मांगी है।

भारतीय रेलवे खानपान व पर्यटन निगम मर्या.
(भारत सरकार का उपक्रम-नवरत्ना) दक्षिण मध्य क्षेत्र
सीआयएन:एल 74899डीएल1999 जीओआय101707
होटल मैनेजमेंट/हॉस्पिटालिटी ग्रैज्युएट्स के लिए साक्षात्कार
भारतीय रेलवे खानपान व पर्यटन निगम मर्यादित (आईआरसीटीसी लि.), साउथ सेंट्रल झोन को, दक्षिण मध्य क्षेत्रभर (तेलंगाना, आंध्र प्रदेश,उडीसा, छत्तीसगढ राज्य) के सभी कैटरिंग सेवाओं की निगरानी करने के लिए नियत अवधि अनुबंध आधार पर हॉस्पिटालिटी मॉनिटर के रूप में कार्य करने हेतु तुरंत होटल मैनेजमेंट/ हॉस्पिटालिटी ग्रैज्युएट्स की आवश्यकता है। विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइटः www.irctc.com पर जाएं।

सत्तारूढ़ कांग्रेस ने तेलंगाना में दिव्यांगजनों को भी धोखा दिया : रामचंद्र राव

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कई दिव्यांग प्रतिनिधियों से मुलाकात की

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने मंगलवार को कांग्रेस सरकार पर विधानसभा चुनाव से पहले दिव्यांगजनों से किए गए वादों को पूरा न करके दिव्यांगजनों के साथ भी विश्वासघात करने का आरोप लगाया। राव ने यहां अपने कार्यालय में कई दिव्यांग प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने चुनाव पूर्व किए गए अपने वादों को पूरा न करके दिव्यांग समुदाय के साथ धोखा किया है। बैठक के दौरान भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ के राज्य संयोजक कोल्ली नागेश्वर राव भी मौजूद थे। बातचीत के दौरान, दिव्यांग प्रतिनिधियों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार उनके कल्याण की उपेक्षा कर रही है। उन्होंने शिकायत की कि राज्य सरकार ने पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए वादे के अनुसार उनकी पेंशन 4,000 रुपये से बढ़ाकर 6,000 रुपये न करके उनके साथ धोखा किया है। उन्होंने यह भी कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार ने आधुनिक सहायक उपकरण वितरित करने या दिव्यांगों के लिए विशेष रोजगार कोटा प्रदान करने के अपने वादे को पूरा नहीं किया है। दिव्यांगों के लिए नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा शुरू किए गए विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों को याद करते हुए, राव ने दिव्यांग समुदाय को आश्वासन दिया कि भाजपा उनके लिए समान अधिकार, सम्मान और अवसर सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार निःशुल्क ट्राइसाइकिल और श्रवण यंत्र जैसे सहायक उपकरण वितरित कर रही है, साथ ही केंद्र सरकार की नौकरियों में दिव्यांगों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण भी सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने आगे बताया कि केंद्र राष्ट्रीय विकलांग वित्त एवं विकास निगम (एनएचएफडीसी) के माध्यम से स्वरोजगार के लिए ऋण सहायता प्रदान कर रहा है। राव ने घोषणा की कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो दिव्यांगों के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उन्होंने आगामी जुबली हिल्स उपचुनाव में भाजपा को अपना समर्थन देने का आग्रह किया। उन्होंने उनसे अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और कांग्रेस को उसके विश्वासघात का करारा सबक सिखाने की अपील की। इससे पहले, भाजपा अध्यक्ष ने नल्लाकुंटा स्थित श्रृंगेरी शंकर मठ का दौरा किया, जहां उन्होंने श्री शारदाम्बा अम्मावरु की पूजा-अर्चना की और दक्षिणाम्नाय श्रृंगेरी शारदा पीठम के अधिष्ठाता जगद्गुरु शंकराचार्य श्री श्री विधुशेखर भारती सन्निधानम के दर्शन किए। राव ने उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और तेलंगाना के लोगों की भलाई, सुख, समृद्धि और विकास के लिए विशेष प्रार्थना की। भाजपा नेता महेश्वर रेड्डी, उनके परिवार के सदस्य और कई अन्य लोगों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

कांग्रेस प्रचार में बदमाश की मौजूदगी से विवाद

मंत्री सीतक्का के साथ दिखे आरोपी के फोटो वायरल

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस नेता और पंचायत राज मंत्री डी. अनसूया (सीतक्का) के साथ कांग्रेस उम्मीदवार वी. नवीन यादव के पिता चिन्ना श्रीशैलम यादव की मौजूदगी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पुलिस के मुताबिक, चिन्ना श्रीशैलम यादव एक कुख्यात बदमाश है और सोमवार को उसे शहर की पुलिस ने गिरफ़्तार किया था। उसी दिन नवीन यादव के चाचा को भी अपराधियों के एक गिरोह के साथ पकड़ा गया था।

सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में चिन्ना श्रीशैलम मंत्री सीथक्का के साथ यूसुफगुडा के कृष्णकांत पार्क में प्रचार करते नजर आ रहे हैं, जहां उन्होंने सुबह की सैर पर निकले लोगों से बातचीत की। तस्वीरें वायरल होने के बाद विपक्ष ने कांग्रेस पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने इन आरोपों से इनकार किया है और कहा कि चिन्ना श्रीशैलम यादव ने पुलिस कार्रवाई से पहले ही सोमवार सुबह कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। पार्टी ने इसे राजनीतिक साजिश बताते हुए कहा कि मंत्री या उम्मीदवार का किसी अपराधी से कोई संबंध नहीं है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.